रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित
हमेशा सच के साथ
RNI NO. CHHHIN/2016/70655
पायनियर
www.dailypioneer.com रायपुर, गुरुवार 26 मार्च 2020 पृष्ठ-12 वर्ष-04, अंक-217 मूल्य 3.00 ₹

क्विक न्यूज़

विदेश यात्रा से लौटकर क्वारैंटाइन में नहीं रहने वाले के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर। पुलिस ने विदेश प्रवास से लौटने की जानकारी नहीं देने और होम-क्वारेंटाइन में नहीं रहने वाले भिलाई के एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सुपेला थाने में युवक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 269, 270 और 271 तथा महामारी अधिनियम, 1897 की धारा 3 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने विदेश और अंतर्राज्यीय प्रवास से लौटने वालों को क्वारेंटाइन किया जा रहा है। विदेश से लौटने की जानकारी छुपाने और क्वारेंटाइन में नहीं रहने वालों पर कानूनी कार्रवाई भी की जा रही है।

14 अप्रैल की अर्द्धरात्रि तक बंद रहेंगी यात्री ट्रेनें

नयी दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कोरोना विषाणु की वैश्विक महामारी से बचने के लिए हर प्रकार की सभी यात्री गाड़ियों के परिचालन पर रोक 14 अप्रैल की मध्य रात्रि तक बढ़ा दी है। हालांकि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बनाये रखने के लिए मालगाड़ियों का परिचालन अनवरत जारी रहेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मंगलवार रात 21 दिन के भारत लॉक डाउन की घोषणा किये जाने और उसके तुरंत बाद गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के तहत रेलवे ने यह कदम उठाया है।

बाजार.भाव

41,613	सोना	-14
40500	चांदी	+100

इनसाइड स्टोरी

जिले में बाहरी लोगों की आवाजाही व परिजवहन...

पेज-04

काबुल में गुरुद्वारा पर हमला, 11 मरे, 10 घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक गुरुद्वारा पर हुए आत्मघाती हमले में 11 लोगों की मौत हो गयी और 10 अन्य घायल हो गये। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार हमलावरों ने काबुल के शोर बाजार जिले में गुरुद्वारा पर स्थानीय समयानुसार सुबह 0745 बजे हमला कर दिया।

छग के 2 लाख शिक्षक मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे 31 करोड़

रायपुर। कोरोनावायरस से लड़ने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार के साथ ही नेता, मंत्री, कर्मचारी एकजुट हो गए हैं। अब छत्तीसगढ़ के शिक्षाकर्मी सबसे बड़ी सहायता राशि दान करेंगे। इसके लिए बुधवार को प्रदेशभर के दो लाख से ज्यादा शिक्षकों ने अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में देने की घोषणा की है। यह राशि 31 करोड़ रुपए से ज्यादा होती है। छत्तीसगढ़ में तीन दिन से पहले ही लॉकडाउन चल रहा है। अब 14 अप्रैल तक का लॉकडाउन किया गया है। ऐसे में सबसे बड़ी समस्या रोज कमाकर खाने वालों के सामने है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सबसे सहायता कोष में अंशदान करने के लिए अपील की है। राज्य के करीब 2.10 लाख शिक्षाकर्मियों ने अपने एक दिन का वेतन करीब 31.50 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है।

21 दिन के लॉकडाउन का पहला दिन

अब 1 नहीं प्रदेश में 3 लोग कोरोना से संक्रमित

रायपुर और राजनांदगांव में मिले 2 नए मरीज

प्रदेश में कोरोना पॉजिटिव तीन मामले, राजनांदगांव के बाद रायपुर के भी एक युवक में हुई पुष्टि, दोनों विदेश से पहुंचे

प्रदेश में 232 में से 182 की रिपोर्ट निगेटिव, बाकी की रिपोर्ट का इंतजार अभी किया जा रहा है

निमोनिया के मरीजों की भी कोरोना जांच शुरू, सड़क पर थूकना बैन; फिर भी लोग घरों में रहने को तैयार नहीं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना को लेकर 21 दिनों के लॉकडाउन के पहले दिन बुधवार को प्रदेश में दो नए मामले सामने आ गए हैं। इसके बाद कोरोना पॉजिटिव की संख्या प्रदेश में तीन हो गई है। रायपुर में एक युवक में कोरोना का संक्रमण मिला है। युवक लंदन से लौटा था। उसे एम्स में भर्ती कराया गया है। वहीं इससे पहले राजनांदगांव में भी एक युवक की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। युवक दो दिन पहले ही बैंकाक से लौटा था। इसके बाद प्रशासन ने बरखापारा इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया है। साथ ही लोगों को आगाह किया गया है कि अब लॉकडाउन नहीं, इलाके में कर्फ्यू है। लोग अपने घरों से बाहर निकले तो दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राजधानी रायपुर में कोरोना वायरस पॉजिटिव एक और मरीज सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ में अब तक कुल तीन कोरोना पॉजिटिव मरीज के मामले सामने आ गए हैं. स्वास्थ्य महकमे के उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ एम्स डायरेक्टर ने इसकी पुष्टि कर दी है। बताया जा रहा है कि कोरोना पॉजिटिव मरीज रायपुर के सुभाष स्टेडियम के पास रहती है. हाल ही में वह लंदन दौरे से लौटी थी. विदेश से आने वाले सभी पैसेंजर्स के सैम्पल लिए गए थे।

जांच रिपोर्ट में कोरोना पॉजिटिव पाया गया। फिलहाल उसे एम्स में क्वारंटाइन में रखा गया है। इधर कोरोना पॉजिटिव दो और मरीज के सामने आने के बाद स्वास्थ्य महकमे के तमाम अधिकारियों की लगातार बैठक चल रही है।

गरियाबंद : ग्रामीणों ने खुद ही रास्ते सील किए

गरियाबंद में ओडिशा मार्ग से आवाजाही को देखते हुए ग्रामीणों ने बंद की सड़क। ओडिशा से आने वाले कुछ छोटे रास्ते खुले हुए थे। जिनसे वाहनों की आवाजाही हो रही थी। इसे देखते हुए बुधवार सुबह ग्रामीणों ने रास्ते को खुद ही बंद कर दिया। वहीं मंगलवार देर रात देवभोग टिकरापारा में एक डॉक्टर को बर्थडे पार्टी करते प्रशासन की टीम ने पकड़ा है। उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जिले में जरूरी सामनों की दुकानें तो खुली हैं, लेकिन सड़कें सूनी हैं।

रायगढ़ : लोग घरों में कैद, स्टील प्लांट किया गया सील

जिला प्रशासन की टीम ने रायगढ़ में स्टील फैक्ट्री को सील करने की कार्रवाई की। वहीं कोरोना को लेकर लोगों में जबरदस्त डर है। इसके चलते लोग घरों में ही कैद हो गए हैं। जो निकल भी रहे हैं, वह जरूरत के लिए। वहीं लॉकडाउन और सरकार के आदेश के बावजूद ग्राम संबलपुरी स्थित मां शाकम्बरी स्टील प्लांट में कार्य चल रहा था। जिसके बाद उसे सील कर दिया गया है।

राजनांदगांव : बाजार में लोग उमड़े

राजनांदगांव में लॉकडाउन के पहले ही दिन लोगों की सड़कों पर भीड़ रही। यहां सोशल डिस्टेंस की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सरकार और प्रशासन की तमाम कोशिशों के बावजूद लोग मानने को तैयार नहीं हैं। सुबह बाजार खुलते ही लोग उमड़ पड़े। गोलबाजार व अन्य स्थानों पर रोज की तरह ही भीड़ लगी हुई है। जबकि प्रशासन ने सुबह 7 से दोपहर 12 बजे तक अनाज, दूध डेयरी, पेट्रोल पंप खुले रखने की घोषणा की है।

निमोनिया के मरीजों का भी कोरोना टेस्ट शुरू

इस बीच स्वास्थ्य विभाग ने निमोनिया के मरीजों का भी कोरोना टेस्ट करना शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में अब तक 232 लोगों के सैंपल लिए गए हैं, जिनमें 182 निगेटिव पाए गए हैं। बाकी की जांच रिपोर्ट नहीं आई है। पिछले 24 घंटे में रायपुर से 39, महासमुंद-कोरबा के दो-दो लोगों को मिलाकर 50 सैंपल लिए थे। निमोनिया मरीजों की जांच को लेकर अफसरों ने बताया कि सं मण कम्युनिटी में फैल रहा है या नहीं, इसलिए बतौर सावधानी यह टेस्ट किया जा रहा है। इसलिए सैंपल भी बढ़ गए हैं।

देशी-विदेशी मदिरा दुकानें और रेस्टोरेंट, होटल बार भी बंद रहेंगे 31 मार्च तक

राज्य शासन द्वारा नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से आमजन को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से राज्य के सभी देशी-विदेशी मदिरा दुकानें, छत्तीसगढ़ स्टेट बेवरेजेस कॉरपोरेशन के रायपुर बिलासपुर स्थित गोदामों सहित सभी जिलों में स्थित देशी-विदेशी विदेशी मदिरा के मद्य भंडारों को 31 मार्च तक बंद करने का निर्णय लिया गया है।

सड़क पर थूकना बैन, पहली बार 30 लोगों पर जुर्माना

कोरोना का फैलाव रोकने के लिए रायपुर निगम प्रशासन ने सड़कों या सार्वजनिक जगहों पर थूकने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंगलवार को निगम ने कार्रवाई भी शुरू कर दी और 30 लोग निगम की अलग-अलग टीमों के हत्थे चढ़ गए। सभी से ढाई-ढाई सौ रुपए जुर्माना वसूला गया है।

कोरोना महामारी, जनता की सहायता के लिए रायपुर सहित सभी जिलों में कंट्रोल रुम स्थापित

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के उपायों के तहत राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के सभी 28 जिलों में कंट्रोल रुम स्थापित किए गए हैं। इनके हेल्प लाइन नंबर आम जनता के लिए जारी किए गये हैं।

कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा सभी लोगों को मदद

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में कोरोना पॉजिटिव तीन केस सामने आने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जनता के नाम संदेश दिया है. उन्होंने अपने संदेश में राज्य की जनता के लिए इस विपदा की घड़ी में बड़ी राहत दी है. मुख्यमंत्री ने अपनी पूरी बात राजभाषा छत्तीसगढ़ी में कही है. जिससे की उनकी बात-बात गाँव-गाँव के लोगों को बहुत सहजता के साथ समझ आ सके है. उन्होंने हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पर्व और नवरात्रि की बधाई के साथ अपनी बात की शुरुआत की. उन्होंने राहत का ऐलान करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा. उन सभी लोगों तक हम मदद पहुँचा रहे हैं, जो रोज कमाने-खाने वाले हैं. कलेक्टर को स्पष्ट तौर पर निर्देश दिया गया है उन्हें किसी भी समान की दिक्कत नहीं होनी चाहिए. उन तक हर व्यवस्था पहुँचानी है। ➢शेष पेज 8 पर

कोरोना वायरस से 18,589 मौतें, 415,165 संक्रमित

वार्ता ◄ बीजिंग/ जेनेवा/ नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

जानलेवा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड 19) संक्रमण अबतक करीब 200 देशों में फैल चुका है और अब तक इस खतरनाक वायरस से 18,589 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 415,165 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। भारत में कोरोना वायरस 'कोविड-19' के संक्रमण से अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 562 हो गयी है। कोरोना वायरस का प्रकोप देश के 25 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में फैल चुका है और इसके 562 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। कोरोना संक्रमितों में से 519 मरीज भारतीय हैं जबकि 43 विदेशी नागरिक हैं। कोरोना से प्रभावित 41 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

कोरोना के जनक चीन में 81,218 लोगों की कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है और करीब 3,281 लोगों की इस वायरस के चपेट में आने के बाद मौत हो चुकी है। चीन के लिए राहत की बात यह है कि वुहान में पिछले तीन दिन से कोई मामला सामने नहीं आया है। इस वायरस को लेकर तैयार की गयी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन में हुई मौत के 80 प्रतिशत मामले 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के थे।

चीन के बाद कोरोना से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इटली है जहां इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 6,820 हो गयी है जो चीन की तुलना में दो गुना से भी अधिक है। इटली में अब तक 69,176 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। इटली के नागरिक सुरक्षा विभाग के प्रमुख एंजेलो बोरेली ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान देश में कोरोना वायरस से 743 लोगों की मौत हुई है। इटली में कोरोना संक्रमण के 5249 नए मामले सामने आए हैं। स्पेन में इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 2808 हो गयी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक स्पेन में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर ➢शेष पेज 8 पर

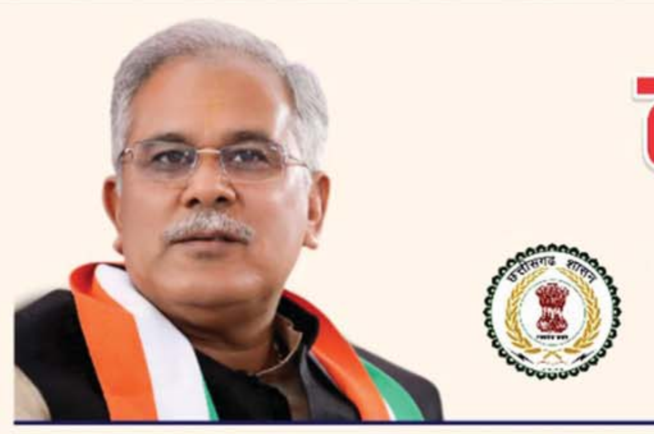

कोरोना ले लड़बो अउ जीतबो

मुख्यमंत्री की अपील

प्रिय भाइयों और बहनों,

आज मानवता सबसे बड़े संकट से जूझ रही है। इस जंग में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी है। आप लोग अपनी रोजी-रोटी, सुख-सुविधा की चिंता छोड़कर इस जंग में एक सिपाही की तरह लड़ रहे हैं, इसके लिए मैं आपका दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

कोरोना से बचने के लिए घरों में रहने की हमारी अपील मानने के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। अभी हमें 21 दिन और लॉकडाउन में रहना है। यह लॉकडाउन आप और आपके परिवार की जान की सुरक्षा के लिए बहुत जरुरी है। मेरा आपसे पुनः अनुरोध हैं कि आप स्थिति की गंभीरता को समझें और लॉकडाउन का पालन करें।

लॉकडाउन की स्थिति में सभी के लिए जरूरत के सामानों की व्यवस्था युद्ध स्तर पर की जा रही है। आप किसी भी प्रकार से घबराये नहीं। रोजमर्रा की आवश्यकता की सभी चीजें तथा दवाएं बाजार में आसानी से मिलें, इसकी भी पूरी व्यवस्था कर दी गई है। हमारा संकल्प है कि किसी को भूखे पेट सोने नहीं देंगे और उनका जीवन किसी भी तरह से संकट में न आये इसकी भी पूरी चिंता करेंगे। इसलिए हमने यह निर्णय लिया है कि राशन दुकानों से दो माह का सामान गरीब परिवारों को एकमुश्त निःशुल्क दिया जाएगा।

जो लोग बेघर हैं उनके लिए भोजन की व्यवस्था ग्राम पंचायत, नगरीय निकाय, गुरूद्वारे तथा स्थानीय समाज सेवी संगठनों के माध्यम से हो। इसके लिए मैं सभी सक्षम लोगों और संगठनों से सहयोग की अपील करता हूं। मैंने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया है कि वे कलेक्टोरेट में इस काम के लिए एक 24x7 विशेष शाखा स्थापित करें।

सभी जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में एक हेल्प लाइन नंबर भी जारी करें और इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि कोई समस्या होने पर लोग इससे मदद ले सकें। इस संकट के समय में मीडिया की भूमिका सही सूचना देने के लिए अति महत्वपूर्ण है। मैंने सभी कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश दिये हैं कि वे सुनिश्चित करें कि मीडियाकर्मियों को उनका काम करने में कोई बाधा न आये। राज्य शासन द्वारा हर जरूरतमंद की मदद के लिए सारे इंतजाम किए जा रहे है। साथ ही आम जनता तथा विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे संगठनों से अपील है कि मुख्यमंत्री सहायता कोष में मुक्त हस्त से दान करें। अपना योगदान तथा भागीदारी दर्ज कराएं।

मैं एक बार फिर आप सबसे अपील करता हूं कि 1 मीटर की दूरी और हाथ की सफाई जैसे सुरक्षा के सभी उपाय पूरे मन से अपनाएं। राज्य सरकार ने जांच और उपचार के लिए सारी व्यवस्थायें की हैं और हर परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। मै युवा साथियों से अपील करता हूं कि यथा संभव सुरक्षा अपना कर, घर तथा समाज में जागरूकता लाने में मदद करें। किसी की तकलीफ की खबर मिलते ही शासन - प्रशासन को सूचित करें और रास्ता निकालें कि आप क्या मदद कर सकते हैं।

हम सब मिलकर कोरोना से लड़ेंगे और जीतेंगे ऐसा मेरा पूरा विश्वास है।

'कोरोना ले लड़बो अउ जीतबो'

आपका
भूपेश बघेल

samvad - 25077/106

छोटे कारोबारी, सब्जीवाले बेपरवाह

लॉकडाऊन में बेवजह घूमने वालों पर सख्ती रही, किराने और गैस के लिए जमावड़ा जारी

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीती आधी रात से पूरे देशभर में लॉकडाउन घोषित करने के बाद आज रायपुर की सड़कों पर सन्नाटा सा पसरा रहा और अधिकांश लोग अपने-अपने घरों में बंद रहे। चौक-चौराहों पर पुलिस के जवान कहीं-कहीं बेरीकेड्स लगाकर अतिआवश्यक सेवाओं से जुड़े व अन्य आने-जाने वाले लोगों से पूछताछ-जांच करती रही। देश-दुनिया में फैल रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए लोग अब खुद ही अपने घरों में एक-दूसरे से कुछ दूरी बनाकर चल रहे हैं। पास-पड़ोस के लोग भी एक-दूसरे के घर आना-जाना लगभग बंद कर दिए हैं। दूसरी तरफ कई लोग कोरोना से बचाव करते हुए अपने घरों की सफाई करते हुए सेनेटाइज करने में जुटे हैं, ताकि महामारी का खतरा कम रहे।

दूसरी तरफ शहर की किराना दुकानों में सुबह से भीड़ लगी रही। शासन-प्रशासन की हिदायत के बाद भी कई लोग महीनेभर का राशन लेने वाले वहां पहुंचते रहे। मोतीबाग के सामने स्थित एक गैस एजेंसी में भी काफी भीड़ लगी रही। होम डिलवरी न कराने वाले लोग एजेंसी तक पहुंच कर घरेलू गैस की बुकिंग कराते रहे। इसमें कई लोग बिना मास्क लगाए भीड़ में खड़े रहे और वहां संक्रमण का खतरा बना रहा। बाद में कुछ पुलिस वालों ने वहां पहुंचकर वहां से भीड़ को हटाया। उन्हें हिदायत दी कि शहर में कर्फ्यू लगा है और कहीं भी भीड़ नहीं लगाना है। ऐसे में घरेलू गैस की बुकिंग के लिए पहुंचे लोग बंद के चलते चिंतित रहे। उनका कहना था कि गैस सिलेंडर न मिलने से उनके घरों में चूल्हा जलना मुश्किल हो जाएगा। वे राशन- सब्जी का इंतजाम तो कर लेंगे, पर उसे पकाएंगे कहां? शास्त्री बाजार में सब्जी वाले बिना मास्क लगाए सब्जी बेचने में लगे रहे, जबकि वहां पहुंच रहे अधिकांश ग्राहक मास्क लगाए हुए थे। ऐसे में वहां भी संक्रमण का डर बना हुआ था। हालांकि मौके पर तैनात पुलिस जवान उन्हें बार-बार कार्रवाई की हिदायत देते रहे, पर वे लोग उसे अनसुना कर सब्जी बेचने में लगे रहे। मास्क न लगाने पर सब्जी लेने वाले कई ग्राहक उन लोगों से पर्याप्त दूरी बनाकर भी रखे हुए थे। इसी तरह फल, दूध की दुकानों में भी भीड़ बनी रही। लोग इन सभी जगहों पर औने-पौने दाम पर सामान खरीदकर अपने घरों की ओर बढ़ते रहे। कुछ जगहों पर तैनात पुलिस ने भीड़ तो तितर-बितर करने का प्रयास भी किया। लोगों के अपील की जा रही है कि वे एक-एक कर इन सभी दुकानों में पहुंचे और दुकानदार से दूरी बनाकर अपना सामान खरीदें।

राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के शहरी इलाकों को लॉकडाउन करने के बाद प्रधानमंत्री ने बीती रात पूरे भारत को 21 दिन का लॉकडाउन घोषित कर दिया। उनकी इस घोषणा का असर रायपुर में पूरी तरह से देखा गया। हेल्थ, निगम, पुलिस, सुरक्षा, बैंक, बीमा, मीडिया आदि से जुड़े लोगों को छोड़कर अधिकांश लोग अपने घरों के गेट को लक्ष्मण रेखा मानकर भीतर ही रहे। कहीं लोग छोटे बच्चों को पढ़ाने में लगे रहे, तो कहीं लोग उनके साथ मनोरंजन में भिड़े रहे। बड़े बच्चे अपनी पढ़ाई खुद करते रहे। दर्जी का काम करने वाली महिलाएं घरों में मास्क बनाते हुए बैठी रहीं। सब्जी-भाजी बेचने वाली महिलाएं अपने घरों के आसपास सडक़ किनारे बैठकर सब्जी बेचती रहीं। कुछ महिलाएं कढ़ाई-बुनाई करते समय समय गुजारती रहीं। उनके इन कामों में घरों के बाकी लोग भी हाथ बंटाते रहे।

कोरोना को हराना है तो घर पर ही बंद रहना है

लोगों का कहना है कि कोरोना को हराना है, तो उन्हें घरों में ही बंद रहना बेहतर होगा। कुछ लोगों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि समय से पहले देश बंद का फैसला सही है। महामारी से बचाव के लिए यह बहुत जरूरी है। उन्होंने सडक़ों पर घूम रहे लोगों को भी कोरोना से बचाव करते हुए अपने घरों में बंद रहने पर जोर दिया और कहा कि जितना ज्यादा हो सके, बचाव का तरीका अपनाएं। बार-बार सेनेटाइजर से हाथ धोएं और अपने घर के बाकी सभी लोगों को भी यह सलाह दें। शासन-प्रशासन की ओर से बताए गए नियमों का पालन करने से ही कोरोना से बचाव हो सकता है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के छत्तीसगढ़ लॉकडाउन के चौथे दिन पुलिस ने सडक़ों पर जमकर सख्ती बरती थी। घरों से बेवजह निकल सडक़ों पर घूम रहे दर्जनों लोग पकड़े गए थे। पुलिस ने एक पोस्टर थमाकर उनकी फोटो भी ली थी। पोस्टर में मैं परिवार व समाज का दुश्मन हूं और मैं मास्क नहीं पहनूंगा। किसी पोस्टर में हेलमेट नहीं लगाऊंगा, तो किसी में घर पर नहीं रहूंगा, लिखा हुआ था। कहीं-कहीं पर पुलिस ने मनमानी करने वाले वाहन चालकों पर डंडा भी घुमाया था। इन सब का असर आज सडक़ों पर देखने को मिला।

जागरूकता-अपार्टमेंट में कोरोना बंदी, दूधवाले से लेकर नौकरों तक को एंट्री नहीं, आना-जाना बंद

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

शहर की कुछ बड़ी कालोनियों और सोसाइटियों ने कोरोना को लेकर लॉक डाउन कर दिया है। न तो वहां रहने वाले बाहर जा रहे और न ही किसी को प्रवेश दिया जा रहा है। ऐसी सोसाइटी वाले इतना ज्यादा एहतियात बरत रहे हैं कि उन्होंने अपने घरेलू नौकरों तक को छुट्?टी दे दी है। दूध वाले तक को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। कालोनियों में सुबह और शाम की वॉकिंग बैन कर दी गई है। बच्चों को वहीं कवर्ड कैंपस के गार्डन में भी खेलने नहीं दिया जा रहा है। कालोनी वाले इस ओर भी ध्यान दे रहे हैं कि उनके बीच किसी परिवार में कोई सदस्य विदेश से तो नहीं लौट रहा है। इसकी निगरानी भी सोसाइटी के पदाधिकारियों द्वारा की जा रही है। तेलीबांधा जीई रोड पर स्थित ऐश्वर्या रेसीडेंसी में शुक्रवार से ही लॉक डाउन कर दिया गया है। रेसीडेंस सोसायटी के रहने वाले खुद भी कहीं नहीं जा सकते। बेहद इमरजेंसी में अगर उन्हें कहीं जाना है तो ग्रुप के वाटस्अप ग्रुप में सूचना देनी होगी। विस्तृत कारण बताना पड़ता है कि वे कहां और क्यों जा रहे हैं। उसके बाद ही वे कहीं जा सकते हैं। बाहर से आने वालों में केवल एक नर्स को प्रवेश दिया जा रहा है। सोसायटी में एक मरीज की सेवा के लिए करीब एक साल से नर्स आ रही हैं। इस वजह से बाहरी लोगों में केवल उन्हें ही प्रवेश दिया जा रहा है। सोसायटी में पदाधिकारियों की मौजूदगी में बैठक आयोजित की गई थी। उसी में लॉक डाउन का निर्णय लिया गया। सोसाइटी में बाहर वालों की एंट्री बंद, डिलीवरी बॉय भी रोके गए। रोहिणीपुरम गोल चौक के पार्श्व विहार अपार्टमेंट के रहवासियों ने पिछले 4 दिन से अपने आप को लॉकडाउन कर लिया है। सोसाइटी के राजीव लोचन श्रीवास्तव और शिव गुप्ता से बताया कि कोरोना से बचने और इसके संक्रमण को रोकने के लिए सभी रहवासी एकजुट हैं। सभी ने तय किया है कि सोसाइटी से बहुत जरूरी हो तो तभी कोई एक ही बाहर निकले। किसी भी बाहरी व्यक्ति या डिलिवरी मैन को अंदर नहीं आने दिया जा रहा है। सभी को सेनेटाइज किया जा रहा है। गॉर्ड और अन्य कर्मचारियों की भी छुट्टी दे दी गई है।

हर दिन सोसाइटी को कर रहे सेनिटाइज, गेट पर लगाया ताला

दलदल सिवनी के अवंति गार्डन के रहवासियों ने गेट पर लॉक लगवा दिया है। सोसाइटी के अशोक बिष्ट ने बताया कि बिना किसी आवश्यक कारण के बाहर निकलने की मनाही है। सोसाइटी के अन्य गेट, गार्डन व प्लेइंग एरिया भी लॉक कर दिया गया है। पिछले 4 दिन से सोसाइटी के हर हिस्से सेनिटाइज करवाया जा रहा है। कोरोना से बचने के लिए सोसाइटी का हर रहवासी जागरूक और साथ दे रहा है। कई लोगों ने बाहर से आने वाली घर की बाई और कुक की मनाही कर दी है और उन्हें छुट्टी दे दी गई है।

बच्चे बाहर न निकलें इसलिए पेंटिंग बनवाने में किया बिजी

सड्डू स्थित कैपिटल सिटी फेस-थ्री में भी सोसाइटी वालों ने पूरी तरह से कोरोना बंद कर शासन की मुहिम का सख्ती से पालन शुरू कर दिया है। कालोनी में उन्हीं वाहनों को एंट्री दी जा रही है, जिसमें कालोनी का मोनो लगा है। सोमवार को सोसाइटी वालों ने और सख्त कदम उठाया। बैठक के बाद निर्णय लिया कि अब घरेलू काम करने वाले नौकरों को भी एंट्री नहीं दी जाएगी। कालोनी वालों ने बच्चों को घर के भीतर ही बिजी रखने का भी फार्मूला खोज लिया है। हर बच्चा अपने घर पर पेंटिंग बना रहा है। उस पेंटिंग को कालोनी के एक हिस्से की दीवार में लगा दिया जा रहा है। इसमें भी ये सावधानी बरती जा रही है कि बच्चे एक साथ वहां न जाएं। बच्चों के पैरेंट्स ही पेंटिंग लगा रहे हैं। बाद में पेंटिंग वाली दीवार की फोटो वाट्सअप ग्रुप में शेयर की जा रही है। इससे बच्चे देख रहे हैं कि किसकी पेंटिंग सबसे अच्छी है। इस तरह रोज बच्चों को बिजी रखा जा रहा है।

दर्जनभर जिलों के एसपी बदले, प्रफुल्ल महासमुंद, प्रशांत ठाकुर बलौदाबाजार एसपी बनाए गए

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

प्रदेश सरकार ने मंगलवार को देर रात दर्जनभर जिलों के एसपी बदल दिए हैं। रायपुर के एडिशनल एसपी सिटी प्रफुल्ल ठाकुर को महासमुंद का एसपी बनाया गया है। बलौदाबाजार की एसपी नीथू कमल को सीबीआई में डेपुटेशन पर जाने के लिए रिलीव कर दिया गया है। उनके स्थान पर बेमेतरा के एसपी प्रशांत ठाकुर को बलौदाबाजार की जिम्मेदारी दी गई है। बजट सत्र के पहले से ही कई एसपी बदलने की चर्चा थी। इसी बीच कोरोना संक्रमण के कारण लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति संभालने के लिए तबादले रोक दिए गए थे, लेकिन मंगलवार रात दर्जनभर एसपी समेत 20 अफसरों के तबादले की सूची जारी की गई है। कई एसपी को बटालियन में कमांडेंट बना दिया गया है, जबकि राजधानी में एडिशनल एसपी सिटी की जिम्मेदारी संभाल रहे राज्य सेवा के अधिकारी प्रफुल्ल ठाकुर को महासमुंद जिले का एसपी बनाया गया है। पुलिस मुख्यालय में पदस्थ एआईजी डी. रविशंकर को दसवीं वाहिनी सूरजपुर में कमांडेंट बनाया गया है। बालोद एसपी एमएल कोटवानी को पुलिस मुख्यालय में एआईजी सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है। कबीरधाम एसपी डॉ. लाल उमेद सिंह को 14वीं वाहिनी बालोद का कमांडेंट बनाया गया है। इसी तरह कोंडागांव एसपी सुजीत कुमार को 15वीं वाहिनी बीजापुर और मुंगेली एसपी चैनदास टंडन को 17वीं वाहिनी कवर्धा के कमांडेंट की जिम्मेदारी दी गई है।

आरक्षक भर्ती(जीडी) के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा 1 मई से

रायपुर। आरक्षक भर्ती(जीडी) के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा अब 1 मई से होगी। आरक्षक भर्ती हेतु 30 सितंबर 2018 को आयोजित लिखित परीक्षा में शामिल उम्मीदवारों हेतु रेंज स्तर पर शारीरिक दक्षता परीक्षा 1अप्रैल से आयोजित की जानी थी। लेकिन कोरोना वायरस के कारण लॉक डाउन होने की वजह से उक्त शारीरिक दक्षता परीक्षा अब 1 मई 2020 से आयोजित की जाएगी।

संक्रमण रोकने विधायक उपाध्याय एवं उनकी टीम निभा रही हैं सक्रिय भागीदारी

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

रायपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक विकास उपाध्याय जी निरन्तर कोरोना वायरस के प्रभाव से आम जनता को दूर रखने हेतु जन-जागरण अभियान चला रहे हैं। आज अपने निजी फण्ड से विधायक महोदय ने 50 अतिरिक्त स्प्रे मशीन मंगवाया,जो कि आज से ही विधानसभा के सभी वार्डों में आम जनता के घर-घर पहुंचकर सेनेटाइज करने का काम कर रहे हैं। इससे पहले विधायक जी एवं उनकी टीम पिछले एक हफ्तों से लगातार ब्लीचिंग पाउडर,फॉगिंग मशीन और अन्य केमिकल का छिड़काव अपने विधानसभा में कर रहे हैं। इस स्प्रे मशीन के संचालन के लिए विधायक महोदय ने अपने ही विधानसभा से 50 वॉलिंटियर्स नियुक्त किये हैं।

ये वॉलिंटियर्स आज से ही अपने-अपने वार्डों में जाकर प्रत्येक घर के बाहर सेनेटाइजर का स्प्रे रह रहे हैं। विधायक महोदय ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम हेतु नियुक्त ये वॉलिंटियर्स प्रतिदिन अपने-अपने वार्ड के सभी गली-मोहल्लों में घूमकर पूरे वार्ड को सेनेटाइज करेंगे। लॉक डाउन के बाद उत्पन्न विपरीत परिस्थितियों से निपटने के लिए विधायक महोदय निरन्तर जनता के बीच में रह कर कार्य कर रहे हैं, इस दौरान मास्क वितरण,सैनीटाइजर वितरण,हाथ धोने के लिए साबुन के साथ-साथ भूखे जरूरतमन्दो के लिए भोजन के पैकेट का भी लगातार वितरण किया जा रहा हैं। विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि तमाम उपायों का ही परिणाम हैं कि राज्य में कोरोना का ज्यादा प्रभाव नहीं दिख रहा हैं, लॉक डाउन से उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी ने 65 लाख राशनकार्ड धारी परिवारों को चावल,नमक और शक्कर 2 महीनें का एकमुश्त देने का निर्देश दिया हैं।

विकास उपाध्याय जी ने बताया कि वार्ड के पार्षद,पार्षद प्रत्याशी,वार्ड कांग्रेस के अध्यक्ष और कार्यकर्ता निरन्तर आम जनता के बीच कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में एक कर्मठ और जिम्मेदार सिपाही की भूमिका निभा रहे हैं। इस लड़ाई में आम जनता का भी भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा हैं,पुलिस प्रशासन,स्वास्थ्य अमला,नगर निगम की टीम भी अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं। हम सब मिलकर कोरोना वायरस के खिलाफ जो जंग छेड़े हैं निश्चित तौर पर सफलता हम सबको प्राप्त होगी।

छत्तीसगढ़ राज्य के मुखिया भूपेश बघेल जी के द्वारा ऐहतियातन उठाये गए कदमों की प्रशंसा पूरे देश भर में हो रही हैं। विधायक उपाध्याय ने कहा कि 14 अप्रैल तक लॉक डाउन और जनता कर्फ्यू के दौरान आम जनता को कोई दिक्कत ना हो इसके लिए वार्डों में वॉलिंटियर्स की नियुक्ति की गई हैं।

कंट्रोल रूम की स्थापना की गई हैं,जरूरतमन्दों के लिए भोजन कि व्यवस्था भी की गई हैं। इस सैनिटाइजर का स्प्रे रायपुर पश्चिम विधानसभा के नेताजी कन्हैया लाल बाज़ारी वार्ड क्र.-15,वीर शिवाजी वार्ड क्र.-16,ठक्कर बाप वार्ड क्र.-17,बाल गंगाधर तिलक वार्ड क्र.-18,दानवीर भामाशाह वार्ड क्र.-26,ठाकुर प्यारेलाल वार्ड क्र.-40,पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर वार्ड क्र.-41,पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड क्र.-22,शहीद मनमोहन सिंह बख्शी वार्ड क्र.-23,सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड क्र.-24,सन्त रामदास वार्ड क्र.-25,तात्यापारा वार्ड क्र.-37,शहीद चूड़ामणि सिंह नायक वार्ड क्र.-38,स्वामी आत्मानंद वार्ड क्र.-39,वीर सावरकर वार्ड क्र.-1,डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम वार्ड क्र.-19,रामकृष्ण परमहंस वार्ड क्र.-20,शहीद भगत सिंह वार्ड क्र.-21,माधव राव सप्रे वार्ड क्र.-69,संत रविदास वार्ड क्र.-70 में किया जा रहा हैं। सैनिटाइजर स्प्रे के इस कार्य में पार्षद अन्नू राम साहू, पार्षद मनीराम साहू,दाऊलाल साहू, रवि राव, हरीश साहू,ऋषि साहू, मनीष शर्मा,सुमित जोशी, सोनू, प्रवीण, राकेश, शानू, अपराजित तिवारी, भीम यादव,नाज़िम अली, दिनेश पांडे,योगेश दीक्षित, राजेश, मोइज, प्रभास,चंदन बारीक,भागवत साहू, तरुण श्रीवास,नरेश विश्वकर्मा, योगेश तिवारी,पंकज ठाकुर,विकास अग्रवाल, संदीप सिरमौर,नंदन झा, रणजोध गिल,वारेंद्र साहू, राजा, रमेश, कुलदीप,कृष्णा मानिक,सोहन शर्मा, विनोद कश्यप,देवेंद्र साहू, अशोक ठाकुर,सोमन लाल ठाकुर जिम्मेदारी के साथ लगे हुए हैं।

एम्स में 50 आइसोलेशन बेड और कुल सौ बिस्तर

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश-दुनिया में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए यहां एम्स अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में बिस्तरों की संख्या 50 से बढ़ाकर आज से सौ कर दिए गए हैं। दूसरी तरफ वहां करीब सौ जूनियर-सीनियर डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ की 24 घंटे ड्यूटी लगाई गई है, ताकि किसी भी स्थिति में वहां आए कोरोना संदिग्ध मरीजों की जांच-इलाज में देर न हो।

फिलहाल यहां कोरोना से पीड़ित एक युवती भर्ती है और उसकी नियमित जांच-इलाज जारी है। एम्स अधीक्षक डॉ. करण पिपरे ने बताया कि प्रदेश का एक मात्र एम्स अस्पताल है, जहां कोरोना की जांच-इलाज जारी है। ऐसे में वहां की ओपीडी में सर्दी, खांसी, बुखार के साथ निमोनिया से पीड़ित मरीज लगातार पहुंच रहे हैं।

इन मरीजों में 12 से 14 लोगों की हर रोज कोरोना जांच की जा रही है। अब तक करीब 203 मरीजों की कोरोना जांच हो चुकी है। इसमें एक युवती को छोडक़र बाकी सभी की जांच रिपोर्ट निगेटिव पाई गई है। उनका मानना है कि स्थिति को देखते हुए उनके अस्पताल में और भी मरीज आ सकते हैं। यही वजह है कि यहां पहले से बिस्तर संख्या बढ़ा दी गई है।

उन्होंने कहा कि अस्पताल की ओपीडी में आ रहे मरीजों की संख्या को देखते हुए जांच सुविधाएं और बढ़ा दी गई है। ओपीडी में सर्दी, खांसी, बुखार, निमोनिया से लेकर पेट दर्द, हार्ट, लकवा, किडनी समेत सभी तरह के रोगी आ सकते हैं। उनके अस्पताल में हर तरह के मरीजों के लिए इलाज की सुविधा उपलब्ध है।

यहां तक कि आयुष भवन में किडनी मरीजों के लिए डायलिसिस सुविधा भी शुरू की जा रही है। वहां एक विशेषज्ञ डॉक्टर की नियुक्ति कर दी गई है, जो किडनी फेल होने की स्थिति में तुरंत डायलिसिस करेंगे। अल्ट्रासोनीग्राफी जांच के साथ और कई जांच सुविधाएं शुरू की जा रही है, ताकि हर तरह के मरीजों का यहां बेहतर ढंग से इलाज हो सके।

इस्पात मंत्रालय का राज्यों से अनुरोध, इस्पात संयंत्र उत्पादन जारी रख सकेंगे

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

इस्पात मंत्रालय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर स्टील उत्पादन को बरकार रखने के लिए संबंधित संयंत्रों में कर्मचारियों की आवाजाही और कच्चे माल की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है। मंत्रालय ने कहा है कि संयंत्र में कच्चे माल की आपूर्ति के लिएं अंतर्राज्यीय स्तर पर ट्रकों की आवाजाही की अनुमति देने के लिए जरूरी निर्देश भी दिए जाएं जिससे संयंत्रों में उत्पादित माल का प्रेषण भी निर्बाध रूप से जारी रखा जा सके। इस संबंध में इस्पात मंत्रालय के सचिव विनय कुमार ने अपने पत्र में कहा है कि देखा जा रहा है कि अनेक राज्यों में कोविड 19 के बचाव के दृष्टिकोण से गैर-जरूरी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों की आवाजाही के साथ ही कच्चे माल लेकर आने वाले ट्रकों पर भी रोक लगा दी गई है। इससे स्टील संयंत्रों को संकट का सामना करना पड़ा रहा है। संयंत्र में उत्पादन के साथ ही

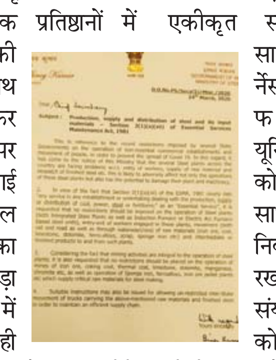

फर्नेस प्लॉट मशीन के खराब होने का खतरा भी उत्पन्न हो गया है।

उन्होंने कहा कि ई एस एम एए 1981 की धारा 2 के तहत कोयला, बिजली, इस्पात या उर्वरकों का उत्पादन, आपूर्ति या वितरण को आवश्यक सेवा माना गया है। इसलिए संयंत्रों में उत्पादन को जारी रखने के लिए स्टील प्लांट्स, दोनों एकीकृत स्टील प्लांट्स के साथ.साथ इंडक्शन फर्नेस या इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस आधारित स्टील यूनिट्स में कर्मचारियों को प्रवेश दिया जाए। साथ ही खदानों में भी निर्बाध रूप से काम जारी रखा जाए। ताकि इस्पात संयंत्रों को लौह अयस्क, कोयला, चूना पत्थर, डोलोमाइट, फेरो.मिश्र जैसे कच्चे माल की आपूर्ति हो सके। साथ ही कच्चे माल की आपूर्ति भी रेल और सड़क मार्ग से सतत जारी रखी जाए। इसके अलावा उत्पादित माल की सप्लाई जारी रखी जाए जिससे स्टील प्लॉट की क्षमता भी बनी रहेगी।

सभी रिजर्वेशन, अनारक्षित टिकट काउंटर व पार्सल दफ्तर 14 अप्रैल को बंद रहेंगे

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

भारतीय रेलवे की प्रीमियम ट्रेनों, मेल /एक्सप्रेस ट्रेनों,अन्य यात्रियों ट्रेनों सहित भारतीय रेलवे की सभी यात्री ट्रेन सेवाओं को 14 अप्रैल को 12 बजे रात तक के लिए रद्द कर दी गई हैं। यह निर्णय बुकिंग कार्यालय, रिजर्वेशन, अनारक्षित टिकट काउंटर और पार्सल कार्यालयों से कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के प्रयासों के तहत रेल उपयोगकर्ताओं को दूर रखने के उद्देश्य से किया गया है। जानकारी के मुताबिक जिन जगहों पर बंद कर निर्णय लिया गया है उसमें सभी अनारक्षित टिकट काउंटर (यूटीएस काउंटर), सभी आरक्षण काउंटर(पीआरएस काउंटर), सभी पार्सल / सामान कार्यालय शामिल हैं। इसके अलावा यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप बुकिंग के को 14 अप्रैल के 24 बजे बंद कर दिया है। रेल प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को संवेदनशील होना चाहिए कि उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है और रिफंड नियमों में छूट का उपयोग करें और काउंटर पर आने से बचें। यात्रियों को आईआरसीटीसी वेबसाइट के माध्यम से अग्रिम आरक्षण अवधि में ई-टिकटों की ऑन-लाइन बुकिंग की सुविधा का उपयोग करने का विकल्प है।

यात्री ट्रेन 14 अप्रैल तक रद्द, मालगाडिय़ां चलेंगी

रायपुर रेल मंडल ने कोरोना संक्रमण के चलते यात्री ट्रेनों को 14 अप्रैल तक के लिए रद्द कर दिया है। इसमें मेल / एक्सप्रेस (प्रीमियम ट्रेनों सहित) पर सभी यात्री ट्रेनें शामिल हैं। इस दौरान मालगाड़ियों का संचालन जारी रहेगा।

सब्जी मंडियों व्यवस्थित करने, निगम-पुलिस की टीम जुटी

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना संक्रमण को देखते हुए शहर के शास्त्री बाजार समेत सभी सब्जी मंडियां व्यवस्थित की जाएगी। नगर निगम की टीम इसमें लगी हुई है। नगर निगम व पुलिस प्रशासन का अमला सब्जी मंडियों में भीड़-भाड़ की स्थिति न बनें, लोग निकट संपर्क से बचें, इसके लिए सब्जी मंडियों में जाकर लोगों को समझाइश भी दे रहा है। लोगों को बताया जा रहा है कि वे सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। अनावश्यक भीड़ का शिकार होकर अपने व औरों के लिए परेशानी का कारण न बनें।

सब्जी लेते वक्त हर व्यक्ति एक-दूसरे से कम से कम 1 मीटर या 3 फीट की दूरी बनाकर करातबद्ध रूप से अपनी बारी का इंतजार करें। कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की हड़बड़ाहट की स्थिति पैदा न करें। आपके द्वारा की गई जल्दबाजी आपके साथ औरों के लिए भी परेशानी का कारण बन सकती है। साथ ही लोगों से यह भी अपील की जा रही है कि वे घरों से बाहर न निकलें। अतिआवश्यक कार्य पडने पर अगर घर से बाहर निकलने की स्थिति पैदा होती है, तो अकेले निकलें। 2 या 4 लोगों के समूह में बिल्कुल भी घर से दूध, दवाई, राशन व सब्जी जैसी सामग्री के लिए न निकलें।

तेलंगाना गए एक मजदूर की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने परिजनों से मंगाई मेडिकल हिस्ट्री

पायनियर संवाददाता < बीजापुर
www.dailypioneer.com

तेलंगाना के वेंकटापुरम में मजदूरी के लिए गए सोनू ताती (45) की दो दिन पहले मौत हो गई। उसका शव उसके गांव तारमपारा कड़ेनार लाया गया है। यहां स्वास्थ्य विभाग ने उसके परिजनों से उसकी मेडिकल हिस्ट्री मंगाई है।

सूत्रों के मुताबिक एक सप्ताह पहले कड़ेनार से कुछ मजदूर मिर्ची तोड़ने तेलंगाना के वेंकटापुरम गए थे। वहां सोनू ताती की तबीयत खराब हो गई। उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां शनिवार को उसकी मौत हो गई। रविवार को उसका शव गांव लाया गया। सोमवार को इसकी सूचना परिजनों ने सीएमएचओ डॉ बीआर पुजारी एवं सीएस डॉ टीआर कुंवर को दी। परिजनों से दवा की पर्ची एवं अन्य कागजात मंगाए गए हैं।

कलेक्टर ने किया हॉस्पिटल का निरीक्षण, जिले में एक भी केस नहीं

कलेक्टर केडी कुंजाम एवं एसडीएम हेमेन्द्र भूआर्य ने सोमवार को जिला हॉस्पिटल का निरीक्षण किया और सीएमएचओ व सीएस से चर्चा की। सीएमएचओ डॉ पुजारी ने बताया कि महाराष्ट्र व तेलंगाना बॉर्डर से आने वाले लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की जा रही है और ये भी पता लगाया जा रहा है कि वे वस्तुतः कहां से आ रहे हैं। उनकी सफर की हिस्ट्री पर भी गौर किया जा रहा है। तारलागुड़ा, तिमेड़ एवं भैरमगढ़ में मेडिकल टीम तैयार है।

मास्क का टोटा

लोगों को पहनने के लिए जिले में मास्क नहीं मिल रहे हैं। मेडिकल स्टोर व हॉस्पिटल में इसका टोटा है। सीएमएचओ डॉ पुजारी का कहना है कि सं मित व्यक्ति के पास जाने से इसका खतरा रहता है। मास्क की ज्यादा जरूरत नहीं है। हाथ साबुन से बार बार धोते रहना चाहिए और सफाई का ख्याल रखना चाहिए।

आंख के ऑपरेशन बंद

एहितयात के तौर पर जिला हॉस्पिटल में आंख के ऑपरेशन पर पूर्ण पाबंदी फिलहाल लगा दी गई है। एकदम जरूरी हुआ, तो दीगर ऑपरेषन किए जा सकेंगे। कोरोना के खतरे को देखते ऐसा किया जा रहा है।

एक भी सेंपल नहीं भेजे गए

सीएमएचओ डॉ बीआर पुजारी ने बताया कि जिले से कोरोना के संदिग्ध के एक भी सेंपल नहीं भेजे गए। किसी में भी कोरोना का लक्षण नहीं पाया गया। उन्होंने कहा कि जिले में सम्यक सावधानी बरती जा रही है। जागरूकता भी फैलाई जा रही है।

कोरोना की चैन तोड़ने, घर पर रहना होगा : एल्मा

जिले में है लॉकडाउन, लोग बेवजह घर से न निकलें : पुलिस अधीक्षक

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस कोविड.19 की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर पी एस एल्मा ने कलेक्टोरेट में कोर कमेटी के सदस्यों और स्थानीय व्यावसायिकों, मीडिया प्रतिनिधियों और बैंकस पेट्रोल पंपस घरेलू गैस सप्लायर एजेंसियों की बैठक ली। उन्होंने कोरोना वायरस कोविड.19 के संबंध में भारत सरकार और राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा.निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी। कलेक्टर कहा कि 24 मार्च से नारायणपुर के समस्त सीमा क्षेत्र में पूर्णता तालाबंदी लॉक डाउन करने के आदेश जारी कर दिए है। जैसा आप सभी को मालूम है कि प्रधानमंत्री द्वारा कल रात्रि 8 बजे राष्ट्र के नाम संबोधन में पूरे भारत देश में आगामी 14 अप्रैल तक लॉक डाउन करने का संदेश दिया था। जिसका लिखित में भी आदेश प्राप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों को बेवजह मास्क लगाने की आवश्यकता नहीं है। सड़कों पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस जवानों और चिकित्सकों और स्टाफ को अस्पतालों में ईलाज के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से मास्क

सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें

पहनें। उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्यों के शहरों से वापस लौटे श्रमिकों को चिन्हांकित कर यह घर आइसोलेशन विशेष निगरानी में है का स्टीकर चस्पा किये जा रहे हैं।

उन्होंने उपस्थित सभी से आग्रह किया कि कोरोना वायरस की चैन तोड़े तभी हम सब चैन से रह सकते हैं। इसके लिए सामाजिक दूरी सोशल डिस्टेंश बनाये रखें। तभी हम इस चैन को तोड़ सकते हैं। इसलिए आप सभी लोगों को घरों में रहने के लिए जागरूक करें। राज्य सरकार द्वारा दिये गये आदेशों का गंभीरता से पालन करें। कलेक्टर ने कहा कि घरों में जाकर दूध बांटने वाले दुध विक्रेता एवं न्यूज पेपर हॉकर प्रातः 6.30 बजे से प्रातः 9.30 बजे तक लॉकडाउन से मुक्त रहेंगे। दुकानदार और पेट्रोल पंप मालिकों से भी कहा कि वे अपने ग्राहकों को भी दूरी बनाने कहें। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने कहा कि लोग बेवजह घर से बाहर न निकलें। जरूरी होने पर परिवार का एक सदस्य ही घर का जरूरी एक.दो दिन के लिए लाये। उन्होंने मीडिया कर्मियों के पास जारी करने कहा और उनसे भी कहा कि वे भी जरूरी होने पर ही प्रचार.प्रसार हेतु घरों से निकलें। उन्होंने अधिकारी.कर्मचारिरयों से कहा कि बाजार के लिए बार.बार न निकलें सभी काम एक बार में निपटायें। बिना काम के बाहर निकलने पर पुलिस द्वारा कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने उपस्थित लोगों से कहा कि वे भी आसपास और सगे.संबंधियों को घर से बाहर न निकलने हेतु मोबाईल के जरिये सरकारी आदेशों का पालन करने और घरों से न निकलने को कहें। आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले की सभी सीमाओं को सील किया गया है। किसी भी माध्यम से जिले से बाहरी लोगों के आगमन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है। जिले में समस्त सार्वजनिक परिवहन सेवायें, जिसमें निजी बसेंए टैक्सी, ऑटो.रिक्शा, बस, ई.रिक्शा इत्यादि का परिचालन भी बंद रहेगा। केवल अत्यावश्यक सेवाएं मेडिकल सेवा वाल, अस्पताल एवं आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हैं। बिजली विभाग, पानी, सिवरेज, बैंक, एटीएम, बीपीओ, टेलीकम्यूनिकेशन विभाग खुले रहेंगे। इसके अलावा फल, सब्जियां, अस्पताल, मेडिकल की दुकानों के साथ पेट्रोल पंप, एलपीजी, सीएनजी खुलें रहेंगे।

कोरोना वायरस के चलते जिले में 31 तक लॉकडाउन

पायनियर संवाददाता < नारायणपुर
www.dailypioneer.com

■ नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : कलेक्टर

कोरोना वायरस (कोविड-19) के चलते कलेक्टर पी.एस. एल्मा ने नारायणपुर के समस्त सीमा क्षेत्र के अन्तर्गत संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने हेतु 31 मार्च 2020 रात्रि 12 बजे तक पूर्णता तालाबंदी (लॉक डाउन) करने के आदेश जारी कर दिए है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी आदेश में दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश जारी किया गया है। नियम तोड़ने वालों पर धारा 188 के तहत कार्रवाई की जाएगी। घरों में जाकर दूध बांटने वाले दुध विक्रेता एवं न्यूज पेपर हॉकर प्रातः 6.30 बजे से प्रातः 9.30 बजे तक लॉकडाउन से मुक्त रहेंगे । आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले की सभी सीमाओं को सील किया गया है। किसी भी माध्यम से जिले से बाहरी लोगों के आगमन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। नारायणपुर जिले में निवासरत नागरिकों को भी जिले की सीमा से बाहर जाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। जारी आदेश में जिले के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद रखने कहा गया है। इस दौरान सभी पदाधिकारी तथा कर्मी अपने घर से सरकारी कार्यो का निष्पादन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख उन्हें कार्यालय में बुला सकेंगे। जिले में समस्त सार्वजनिक परिवहन सेवायें, जिसमें निजी बसें, टैक्सी, ऑटो-रिक्शा, बस, ई-रिक्शा इत्यादि का परिचालन भी बंद रहेगा। केवल अत्यावश्यक सेवाएं मेडिकल सेवा वाले, अस्पताल सेवा वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा आवागमन की अनुमति रहेगी। इसके अलावा निजी वाहन जो इन आदेश के अन्तर्गत आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हैं, उन्हें भी अपवादिक स्थिति में तात्कालिक आवयकताओं को देखते हुए परिवहन में छूट होगी ।जारी आदेश में कहा गया है कि बिजली विभाग, पानी, सिवरेज, बैंक, एटीएम, बीपीओ, टेलीकम्यूनिकेशन विभाग खुले रहेंगे। प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया, डिजिटल मीडिया, डाक विभाग सप्लाई चेन चलेंगी । इसके अलवा फल, सब्जियां, अस्पताल, मेडिकल की दुकानों के साथ पेट्रोल पंप, एलएनजेपी, सीएनजी ऑयल एजेंसी व इनसे जुडें गोदाम चालू रहेंगे।

कोरोना वायरस को रोकने पुलिस आम जनता को दे रही समझाइश

पायनियर संवाददाता < किरंदुल
www.dailypioneer.com

देशभर में कोरोना वायरस के प्रभाव को रोकने लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्य रात्रि से पूरे देश में 21 दिन की लॉक डाउन कर लोगों से विनम्रतापूर्ण इसकी पालन करने की अपील की है। लाकडाउन लगते ही किरंदुल पुलिस हरकत में आ गई और चौक चौराहों में भीड़ इक्कठे होने से रोका जा रहा है। अब देखना होगा की इस 21 दिन की लॉक डाउन में पुलिस पब्लिक की सुरक्षा के लिए क्या-क्या कदम उठाती है । किरंदुल थाना प्रभारी डी के बरवा ने बताया कि कोरोना वायरस को रोकने के लिए पुलिस आम जनता को बार बार समझाइस दी जा रही है कि लोग 21 दिनों तक अपने अपने घरों पर रहें घरों से बाहर न निकले तभी हम कोरोना को फैलने से रोक पाएंगे।आज प्रातः 07 बजे से ही पुलिस बल द्वारा निर्धारितमुख्य बाजार के दोनों ओर बेरी गेट्स लगाकर भीड़ को नियंत्रित किया जा रहा है। दूसरी ओर मुख्य नगरपालिका अधिकारी आर पी नेताम एवं नपा अध्यक्ष मृणाल राय द्वारा किरंदुल की नागरिक को घर से बाहर न निकलने की अपील की जा रही है जिसका लोगों द्वारा समर्थन भी प्राप्त हो रहा है।

छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन ने निःशुल्क मास्क वितरित किया

पायनियर संवाददाता < दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन जिला इकाई दंतेवाड़ा ने पूरे देश में आए महासंकट की घड़ी में विषम परिस्थितियों में काम कर रहे स्वास्थ्य विभाग की टीम पुलिस बल यातायात विभाग व अप्रत्यक्ष रूप से जनता के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सेवा कर रहे हैं यह घड़ी में हमें भी उनका साथ देते हुए उनका सहयोग करना है इसी को ध्यान में रखते हुए। छ ग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन जिला इकाई दंतेवाड़ा के प्रदेश संरक्षक एन आर के पिल्ले जिला अध्यक्ष मुकेश श्रीवास व उनकी पूरी टीम ने मिलकर इस संकट की घड़ी में मैदानी इलाके में जा कर गरीब परिवारों को अभी तक मार्क्स उपलब्ध नहीं हो पाए हैं उन लोगों को निशुल्क मार्क्स प्रदाय कर रहा हैं जिससे

इस संकट की घड़ी में उन परिवारों को कुछ राहत मिल सके और आम जनता से निवेदन व अपील की जा रही है कि घरों के बाहर ना निकले व धारा 144 का पालन करें। इस संकट की घड़ी में पूरे देश को एकजुट होकर एक दूसरे का साथ देने की आवश्यकता है पुलिस बल यातायात विभाग मेडिकल की पूरी टीम अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान बचाने में अपना प्रमुख योगदान दे रहे हैं जिसके लिए हम सब को भी आगे आ घरों से बाहर ना निकल कर सहयोग करने की आवश्यकता है अप्रत्यक्ष रूप से जैसे भी हो हमें एक दूसरे का सहयोग करना होगा तभी जाकर हम इस संकट की घड़ी को पार पा सकते हैं।

सुजीत कुमार सिंह जाएंगे, बालाजी राव होंगे कोंडागांव एसपी

राज्य के 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया है, जिसमें कोंडागांव के पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार सिंह भी प्रभावित हुए

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वाराए भारतीय पुलिस सेवा राज्य पुलिस सेवा अधिकारियों को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यंत तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित किया गया है। राज्य के 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया हैए जिसमे कोंडागांव के पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार सिंह भी प्रभावित हुएए उनका तबादला बीजापुर में पुलिस अधीक्षक के रूप में हुआ है। उनके स्थान पर पुलिस मुख्यालय से उप पुलिस महानिरीक्षक बालाजी राव सोमवार को कोंडागांव के पुलिस अधीक्षक होंगेए एसपी सुजीत कुमार सिंह ने जब कोंडागांव में चार्ज लिया था। चार्ज लेते ही जिले के चर्चित हत्याकांड को कुछ ही दिनों में सुलझा कर आरोपीओ को गिरफ्तार कर लिया गया। व सिलसिले बार लाखों रुपये की चोरी के आरोपियों को भी गिरफ्तार किया था,

पुलिस अधीक्षक कोंडागांव के पद पर रहते हुए सुजीत कुमार जी ने अनगिनत केसों को सुलझाए है।

लॉकडॉउन होते ही गीदम की सड़क पर सन्नाटा पसरा, स्वास्थ्य विभाग लगातार कर रहा घरों से नही निकलने की अपील

पायनियर संवाददाता < गीदम
www.dailypioneer.com

लॉकडॉउन होते ही लोगों ने अपने घरों से निकलना बंद कर दिया है । सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है । चप्पे.चप्पे पर पुलिस बल तैनात है । अनावश्यक निकलने वालों पर नजर रखी जा रही है । वही स्वास्थ्य विभाग घरों से नही निकलने की अपील लगातार लोगों से करता हुआ नजर आ रहा है । इधर लॉकडॉउन से गरीब तबकों के लिए अनाज के लिए प्रभावितों को सामाजिक संस्थाएं उनकी मदद करने में लगातार तत्परता दिखा रही है । बता दे कि कोरोना संक्रमण को रोकने उससे लड़ने व लोगों को इस संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए पूरे देश मे 21 दिन लॉकडॉउन करने का एलान देश के पीएम ने कर दिया है ऐसे में

सामाजिक संस्था, जरूरतमंदों की कर रही मदद

नगर मे कई साल से छोटे.छोटे व्यापार करने आए गरीब तबके के लोगो को परेशानी न हो इसका ध्यान समाजिक संस्थाएं भी रख रही है । हालांकि प्रसाशन भी ऐसे लोगों के लिए राशन की व्यवस्था कर रहा है । गीदम में शिर्डी साई समिति बजरंग दल समिति व हनुमंत सेवा समिति कोविड 19 को लेकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास तो कर रहे है साथ ही नगर में शिर्डी साई समिति द्वारा नागरिकों के लिए निःशुल्क मास्क वितरण भी किया जा रहा है । यह मास्क नगर के दर्जियों द्वारा नगर वासियों के लिए मुफ्त में तैयार किया

गया है जिसे साई समिति द्वारा नगर वासियों के घर.घर जाकर वितरण किया जा रहा है । देश में वर्तमान संकट ने मास्क की आवश्यकता बढा दी है । बड़े शहरों में मास्क के स्टॉक की कमी व कलाबाजांरी देखने को मिल रही थी वही गीदम में भी इस संकट के समय लोगों को मास्क नसीब नहीं हो रहे थे जिसके बाद नगर वासियों को निःशुल्क मास्क उपलब्ध कराने साई

समिति ने योजना बनाई और मास्क वितरण किया । वही बजरंग दल द्वारा गरीब तबके के लोगों के लिए राशन की व्यवस्था भी की जा रही है मंगलवार को बजरंग दल द्वारा नगर में भिक्षुक, मजदूर बंजारा समुदाय समेत गरीबों को राशन उपलब्ध कराया गया । साथ ही लोगों को घरों से नहीं निकलने समेत कोरोना से बचाव सम्बन्धित हर सावधानियां बरतने अपील भी की गई ।

खाद्य पदार्थ, सब्जी, राशन दुकान, दूध, ब्रेड का विक्रय सुबह 8 से शाम 4 बजे तक

जिले में बाहरी लोगों की आवाजाही व परिवहन माध्यमों पर तत्काल प्रभाव से रोक, कार्यालय बंद

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार-भाटापारा
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस रोकथाम तथा आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी कार्तिकेया गोयल ने जिले के समस्त भौगोलिक सीमा क्षेत्रांतर्गत स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए आगामी 31 मार्च की मध्यरात्रि तक पूर्ण तालाबंदी लॉक डाउन के आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के तहत जिले के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है तथा सभी पदाधिकारी तथा कर्मचारी अपने घर से शासकीय कार्यों का निष्पादन करेंगे। किन्तु वे मुख्यालय नहीं छोड़ेंग, जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें कार्यालय बुलाया जा सके। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं ठप इसके अलावा जिले में सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाएं, जिनमें निजी बसें, टैक्सी, ऑटो रिक्शा, ई.रिक्शा, रिक्शा आदि भी शामिल हैं, के परिचालन को भी तत्काल प्रभाव से बंद रखने के आदेश जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी किए गए हैं। इसमें इमरजेंसी मेडिकल सेवा वाले वाहनोंध्व्यक्तियों को आवागमन की अनुमति प्रदान की गई है। साथ ही ऐसे निजी वाहन जो इस आदेश के तहत आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन तथा परिवहन में कार्यरत हैंए को आपवादिक स्थिति में तात्कालिक आवश्यकताओं को देखते हुए छूट दी गई है। इसी प्रकार आवश्यक वस्तुओं व सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले की सभी सीमाओं को सील कर किसी भी माध्यम सड़क, रेल एवं अन्य माध्यम से जिले में बाहरी लोगों के आवागमन पर तत्काल प्रभाव से बंद किए जाने के आदेश जिला दण्डाधिकारी के द्वारा जारी किए गए हैं।'मनरेगा छोड़ तमाम निर्माण कार्य बंद' इसी तरह सभी प्रकार के निर्माण एवं श्रम कार्य केवल मनरेगा को छोड़कर तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेंगे। सभी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल, आमजनता के लिए पूर्णतः बंद रहेंगे। इसके अलावा विदेश की यात्रा कर लौटे ऐसे सभी नागरिक/अन्य राज्यों से आए हुए नागरिक जो होम क्वारंटाइन में निगरानी में रखे गए हैं, उन्हें स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निर्धारित क्वारंटाइन अवधि का कड़ाई से पालन करने के भी आदेश दिए गए हैं। आदेश में सभी नागरिकों को घरों में ही रहने के आदेश दिए गए हैं। बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए बाहर जाने सामाजिक दूरी के दिशा.निर्देशों का पालन करने तथा किसी भी स्थिति में एक से अधिक व्यक्ति को घर से बाहर जाने से प्रतिबंधित किया गया है। घर से बाहर जाने वाले व्यक्ति को अनिवार्य रूप से अपना वैध पहचान पत्र साथ में रखे जाने का भी आदेश दिया गया है।

'इन इकाइयों, उद्योगों व संस्थानों में रहेगी छूट'

आदेश के तहत सभी दुकानोंए व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, कार्यालयों, फैक्ट्री, गोदामों, साप्ताहिक हाट.बाजारों आदि की गतिविधियों पर प्रतिबंध रहेगा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी ने जिलांतर्गत औद्योगिक व व्यापारिक संस्थानों को कतिपय परिस्थितियों में छूट प्रदान की गई है। आदेश में उल्लेख किया गया है कि ऐसी औद्योगिक इकाइयां जो दवाइयों के उत्पादन एवं निर्माण से संबंधित हैंए को प्रतिबंध से छूट दी गई है। इसी प्रकार ऐसी इकाइयां जो आवश्यक वस्तुओं जैसे खाद्य एवं इससे संबंधित पदार्थों, डेयरी यूनिट को भी कतिपय शर्तों के आधार पर प्रतिबंध से पृथक रखा गया है। आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले कार्यालयध्प्रतिष्ठानों को रखा गया प्रतिबंध से बाहर . इसके तहत कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, कोषालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, उनके अधीनस्थ सभी कार्यालय, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसीलए थाने व चौकी के कार्यालयों को प्रतिबंध से बाहर रखा गया है।

लेकिन ये सभी कार्यालय आमजनता के लिए बंद रहेंगे। साथ ही भारत सरकार के अधीनस्थ केन्द्रीय कार्यालय, कानून व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवा से संबद्ध अधिकारी एवं कर्मी, दवा दुकान, चश्मे की दुकान एवं दवा उत्पादन की इकाई व परिवहन,खाद्य आपूर्ति से संबंधित परिवहन सेवाएं, उचित मूल्य की दुकान सार्वजनिक वितरण प्रणाली खुली रहेंगी।

'खाद्य पदार्थ की दुकानें सवेरे 8 से शाम 4 बजे तक खुलेंगी'

जिला दंडाधिकारी ने जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि खाद्य पदार्थ, किराने की दुकान, दूध, ब्रेड, फ ल एवं सब्जी, चिकन, मटन, मछली, अण्डा का विक्रय सुबह 8 बजे से अपरान्ह 4 बजे तक वितरण, भण्डारण तथा परिवहन की गतिविधियां की जा सकेंगी। दुग्ध संयंत्र मिल्क प्लांट को भी प्रतिबंध से पृथक् रखा गया है।

इसी तरह घर पर जाकर दूध बांटने वाले दूध विक्रेता, समाचार.पत्र हॉकर सुबह 6 बजे से 10 बजे तक लॉक डाउन से मुक्त रहेंगे। साथ ही मास्क, सैनिटाइजर, दवाइयां, एटीएम, एलपीजी गैस सिलेंडर का वाहन को भी प्रतिबंध से अलग रखा गया है। अन्य आवश्यक वस्तुओं/सेवाओं के परिवहन वाले वाहनों को प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। इसके अलावा बिजली, पेयजल आपूर्ति, नगरपालिक सेवाएं, जेल, अग्निशमन सेवाएं, एटीएम, टेलीकॉम, इंटरनेट सेवाएं, आइटी आधारित सेवाएं, मोबाइल रिचार्ज एवं सर्विस दुकानें, पेट्रोल.डीजल पम्प एवं एलपीजी/सीएनजी गैस के परिवहन व भण्डारण की गतिविधियां, पशुचारा, पोस्टल सेवाएं, खाद्य, दवा एवं चिकित्सा उपकरण सहित सभी आवश्यक वस्तुओं की ई.कॉमर्स आपूर्ति, टेक अवे, होम डिलीवरी रेस्टोरेंट, पूर्व से विभिन्न होटलों में रूके अतिथियों के लिए डायनिंग सेवाएं, सुरक्षा कार्य में लगी एजेंसियां निजी एजेंसियां भी सम्मिलित, अनवरत उत्पादन प्रक्रिया अपनाने वाले औद्योगिक संस्थान एवं फैक्ट्री जिनमें ब्लास्ट फ र्नेस, बॉयलर आदि शामिल हैं, सीमेंट, शक्कर, स्टील, फर्टिलाइजर एवं माइन्स न्यूनतम अनिवार्य आवश्यकता तक ही सीमित अधिकारियों, कर्मचारियों का उपयोग करेंगे एवं संक्रमण के विस्तार को रोकने शासन द्वारा समय.समय पर सुरक्षा के लिए दिए जा रहे निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे। इसी तरह प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, राज्य सरकार द्वारा विशेष आदेश द्वारा निर्धारित सेवाओं को प्रतिबंध से बाहर रखे जाने का आदेश दिया गया है।

'बैंकों में एक साथ 5 से ज्यादा ग्राहक नहीं आएंगे'

सभी बैंक न्यूनतम अनिवार्य आवश्यकता तक अधिकारीध्कर्मचारियों का उपयोग करेंगे और केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देशों का अक्षरशः पालन करेंगे। बैंकों में अधिकतम पांच ग्राहकों को प्रवेश दिया जा सकेगा। एटीएम में पर्याप्त मात्रा में मुद्रा की उपलब्धता बैंकों के द्वारा सुनिश्चित की जाएगी। अगर किसी व्यक्ति को अपरिहार्य स्थिति में जिले से बाहर जाना आवश्यक हो या बाहर के जिले में प्रवेश करना आवश्यक हो तो संबंधित थाना क्षेत्र से निर्धारित फार्मेट में आवेदन जमा करने की अनुमति दी जा सकेगी। उपरोक्त गतिविधियों के संबंध में संशय की स्थिति उत्पन्न होने पर अंतिम निर्णय जिला दण्डाधिकारी द्वारा लिया जाएगा। उपर्युक्त आदेश के उल्लंघन करने वाले व्यक्ति /प्रतिष्ठान को भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188 के तहत दण्डनीय होंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

भैंसा पसरा सब्जी मार्केट बंद, लोगों की सुविधा के लिए नगर के हर वार्ड में सब्जी की दुकान

बलौदाबाजार। जिला मुख्यालय के भैंसा पसरा स्थित सब्जी मार्केट को बंद करा दिया गया है। अत्यधिक भीड़.भाड़ में कोरोना संक्रमण की प्रबल संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा यह फैसला किया गया है। लोगों की सुविधा के लिए नगरपालिका परिषद की सभी 21 वार्डों में सब्जी की दुकान लगायें जाएंगे। नगरपालिका द्वारा सब्जी विक्रेताओं को वार्ड वार स्थल आवंटित कर कल 25 तारीख से सब्जी की दुकान लगाने के निर्देश जारी किये गये हैं। बाकायदा उन्हें नगरपालिका द्वारा परिचय पत्र भी जारी किया गया है ताकि कोई उन्हें परेशान ना करें। कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल ने शहर के नागरिकों को अपने.अपने वार्डों की दुकान में सब्जी लेकर कोरोना वायरस से लड़ाई के महाअभियान में हिस्सेदारी निभाने की अपील की है। भाटापारा नगरपालिका क्षेत्र में भी गली.मोहल्लों में सब्जी की दुकान खोल दी गई है।

उल्लेखनीय है कि भैंसा पसरा में सब्जी की सघन मार्केट होने के कारण हजारों की भीड़ वहां हर समय जमा होती है। शाम के समय तो यह भीड़ और ज्यादा हो जाती है। यह भीड़ एक प्रकार से कोरोना वायरस को आमंत्रित करती नजर आती है। लोगों को सुरक्षित रखने की जवाबदारी का निर्वहन करते हुए प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से इसे आगामी आदेश तक के लिए बंद कर दिया है। कलेक्टर कार्तिकेय गोयल के निर्देश पर संयुक्त कलेक्टर अरविंद पाण्डेय एवं एसडीएम लवीना पाण्डेय ने सब्जी मार्केट संघ के अध्यक्ष एवं नगरपालिका अधिकारियों के साथ चर्चा कर इसका समाधान निकाला है। कोरोना से बचाव के साथ.साथ लोगों की सुविधा का भी ख्याल रखा गया है। लोग अब अपनी सुविधा के अनुसार अपने वार्ड में ही पसंद के अनुरूप सब्जी खरीद कर सकेंगे। प्रत्येक वार्ड में 4.4 सब्जी विक्रेताओं को उनकी सुविधा के अनुसार स्थल आबंटित किया गया है। इसके अलावा प्रशासन द्वारा ठेले में ले जाकर घर.घर सब्जी बेचने का प्राथमिकता दी जा रही है।

नगरपालिका कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड ऋमांक 1 में पम्प हाऊस के सामने, वार्ड ऋमांक 2 में इंदिरा कॉलोनी प्राथमिक शाला के पास, वार्ड ऋमांक 3 में रंगमंच दुर्गा मंदिर चबूतरा, वार्ड ऋमांक 4 में महात्मां गांधी गार्डन के सामने, वार्ड ऋमांक 5 में सामुदायिक भवन के सामने, वार्ड ऋमांक 6 में दशहरा मैदान,वार्ड ऋमांक 7 में पुराना बस स्टैण्ड, वार्ड ऋमांक 8 में देवराहा तालाब पार पटेल पारा,वार्ड ऋमांक 9 में शिव चौक, वार्ड ऋमांक 10 में मनोहर दास वैष्णव स्कूल के पास, वार्ड ऋमांक 11में दशरमा रोड रंगमंच, वार्ड ऋमांक 12 में सामुदायिक भवन रामसागर पार, वार्ड ऋमांक 13 में बेसिक शाला, वार्ड ऋमांक 14 में बालक शाला, वार्ड ऋमांक 15 में गणेश चौक चर्च के पास, वार्ड ऋमांक 16 में नगर भवन, वार्ड ऋमांक 17 रिसदा रोड मंदिर के पास, वार्ड ऋमांक 18 में कन्या उमावि के पास, वार्ड ऋमांक 19 सद्भावना चौक गार्डन चौक, वार्ड ऋमांक 20 में 29 क्वार्टर के सामने पूर्व विधायक निवास तथा वार्ड ऋमांक 21 में नया बस स्टैण्ड के पीछे तथा भाटापारा रोड कृष्णायन कॉलोनी में भी सब्जी दुकान लगाने के लिए अधिकृत किया गया है।

मास्क बनाने में लगी हैं स्व-सहायता समूह की महिलाएं

पायनियर संवाददाता < बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के मार्गदर्शन में जिला के कई चिन्हाकित स्व सहायता समूह की महिलाएं अपने घर मे ही मास्क बना रहीं हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए इन दिनों शहर के मेडिकल स्टोर्स में मास्क की कमी बनी हुई हैं। जरूरतमंदों को मास्क नही मिल पा रहा हैं। ऐसे में मास्क की कमी दूर करनें अब स्वसहायता समूह की महिलाएं मास्क बनाने में लगीं हैं।समूह की महिलाएं प्रतिदिन सिलाई मशीन से 400 मास्क तैयार कर रहें। यह लोग हरा एवं सफेद कपड़ों का थ्री लेयर मास्क बना रहे है। जो उपयोग करनें में बहुत अच्छा हैं। इसे धोकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। यह पूरा कार्य जिला पंचायत के नियंत्रण में किया जा रहा हैं। जिला पंचायत सीईओ आशुतोष पाण्डेय ने बताया कि सभी विकासखण्डों के 11गाँव से 12 महिला स्व सहायता समूह की महिलाएं इस काम में लगीं हुई हैं। जिसमें कुल 63 महिला काम कर रहीं हैं। इस समूहों में अभी तक 2040 मास्क बना चुकी है। जिसमें से 1680 बेचा जा चुका हैं। इनका विक्रय सभी सभी विकासखण्डों में स्थित जनऔषधि मेडिकल स्टोर्स के माध्यम से सुनिश्चित किया जा रहा हैं। इनका मूल्य भी शासन के द्वारा तय किये गए निर्धारित मूल्यों में ही बेचा जायेगा ।इस बन्द के दौरान महिलाओं को इनसे रोजगार भी मिलता रहें।आने वाले कुछ दिनों में 10 हजार मास्क बनाने का लक्ष्य रखा गया हैं। इसी सोच से जिला प्रशासन तत्परता से कार्य करनें में लगा हैं।

उपभोक्ताओं को एक साथ दो महीने का मिलेगा राशन

बलौदाबाजार। छग खाद्य विभाग के द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत माह अप्रैल 2020 में एक साथ 2 माह का खाद्यान्न वितरण का आदेश जारी किया गया है। इसके लिये 2 माह का आबंटन एक साथ जारी किया गया है। माह अप्रेल 2020 में माह अप्रैल 2020 और मई 2020 दोनों माह का राशन एक साथ उपलब्ध होगा। हितग्राही अपनी सुविधा के अनुसार एक.एक माह का चावल क्रमशः उठाव कर सकते हैं अथवा दोनों माह का चावल एक साथ माह अप्रैल मे ही प्राप्त कर सकेंगे। माह अप्रैल और मई दोनों माह के लिये नमक और शक्कर का वितरण एकमुश्त माह अप्रैल में ही किया जायेगा। इसके लिये 31 मार्च तक उचित मूल्य की दुकानो मे खाद्यान्न भंडारण के निर्देश जारी किये गये हैं।कोरोना वायरस से बचाव के मद्देनजर राशन दुकानों को आवश्यक निर्देश जारी किये गये हैं। हितग्राहियों को कम से कम 1 मीटर की दूरी पर खड़े रहकर ही खाद्यान्न प्राप्त करना चाहिये साथ ही साथ उचित मूल्य की दुकानों को सेनिटाइज रखने के लिये जिले के सभी राशन दुकानों को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के द्वारा खाद्य और सम्बंधित विभागों को इसकी जरुरी मॉनीटरिंग करते हुए आवश्यक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिये गये हैं।

बलौदा बाजार। गैस एजेंसी में जमकर भीड़ कोई प्रशासनिक अधिकारी वहां नहीं पहुंचा, करोना वायरस सबसे ज्यादा डर यही है।

सरपंच ने कोरोना वायरस से बचने ग्रामीणों से सावधानी बरतने अपील किया

नगरी। आज जिस तरह पूरे विश्व में कोरोना नाम का वायरस बड़ी तेजी से एक महामारी की तरह फैल रहा है जो कि अब भारत तक में अपना कब्जा जमा लिया है जिसकी रोकथाम जागरूकता और स्वच्छता ही से ही किया जा सकता है आज हमें एक साथ एकजुट होकर कोरोना वायरस के खिलाफलड़ने की जरूरत है जिसके लिए ग्राम फ्ररसियां की सरपंच सुषमा तारम सजगता के साथ कोरोना वायरस से बचने के लिए जागरूकता मुहिम को बकायदा जन जन तक पहुंचा रही है वे सुबह से ही घर से निकल कर गांव के प्रत्येक नागरिक और प्रत्येक घर में जाकर संक्रमण व वायरस के बारे में प्रत्येक नागरिक को जानकारी दे रही है जिसमें हाथ की धुलाई, मार्क्स, का उपयोग व घर से बिना वजह के निकलने के लिए सख्त मना कर रही है साथ ही बाहर से आए हुए व्यक्ति यों की जानकारी लेकर कोरेना वायरस के संबंध में जांच करवा कर उनसे बातचीत कर रही है वहीं इस दौरान उन्होंने गांव में चल रहे रोजगार गारंटी के कामकाज में लोगों को मार्क्स की उपयोगिता व बकायदा सभी लोगों का साबुन से हाथ धोने की की विधि को बताया साथ ही छोटा सा भी सर्दी जुकाम होने पर डॉक्टर को दिखाने की बात कही।

सीएमओ ने नगर में कोरोना के बचाव के लिए मुनादी कराया

कसडोल। विश्वभर में फैले संक्रमणशील कोरोना वायरस के बचाव तथा रोकथाम के लिए नगर पंचायत कसडोल के सीएमओ ने शहर के 15 वार्डो को तीन बीट में विभाजित करते हुए विभिन्न कर्मचारियों की पदस्थापना की है, साथ ही नपा के सीएमओ द्वारा नगर में कोरोना के बचाव हेतु मुनादी भी कराया गया है। उल्लेखनीय है कि ये कर्मचारी अपने.अपने वार्डो पर विशेष नजर रख कोरोना से बचाव और बाहरी व्यक्तियों के आगमन पर नजर रखेगी।

यहाँ सीएमओ ने सहायक राजस्व निरीक्षक सुनील कुमार शर्मा, केसियर अनूप मिश्रा तथा सहायक राजस्व निरीक्षक भावना साहू को तत्काल आगामी आदेश तक प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही इन कर्मचारियों के साथ दो दो सहायक कर्मचारियों की भी पदस्थापना की गई है। ये कर्मचारी लोगों को कोरोना वायरस के बचाव हेतु विभिन्न जानकारियां दिया जाएगा। जिसमें लोगों को घर पर ही रहने तथा जब घर से बहुत जरूरी काम के लिए निकलने, घर पर भी एक दूसरे के बीच लगभग 1 मीटर की दूरी बनाए रखनेए अन्य राज्य से आने वाले व्यक्तियों को यदि बुखार खांसी सर्दी हो तो अनिवार्य रूप से पास के स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर जांच कराएं तथा इन्हें अपने घर में ही 14 दिन तक अलग कमरे में रहने की सलाह दिया जाएए पूरे नगर पंचायत क्षेत्र में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 लगाई गई है जिसके अनुसार एक स्थान पर 5 या उससे अधिक लोग एक साथ नहीं रह सकतेए किसी भी व्यक्ति के ऊपर अगर कोरोना के लक्षण पाए जाए तो उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसडोल में जांच कराएं, नगर पंचायत में कहीं भी कोई भी सामुदायिक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन नहीं किया जा सकता है और यह भी कहा कि आज्ञा उल्लंघन पर भारतीय दंड संहिता 188 अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सभी लोगों का मास्क लगाना अनिवार्य नहीं केवल उन्हें जो किसी तरह से बीमारी, सर्दी जुकाम है वही मास्क लगाएं एवं प्रतिघंटे डेटॉल से हाथ धोते रहने संबंधित जानकारी देंगे। इसके अलावा बीट प्रभारी द्वारा संबंधित वार्ड में नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु साफसफाई, दवाइयों का छिड़काव, मार्किंग, होम आइसोलेटेड व्यक्तियों की पहचान आदि की जानकारी दिया जाएगा।

इनका कहना है

कोरोना वायरस के कारण शहर में मुनादी करा दी गई है। साथ ही 15 वार्डो के लिए 5.5 वार्डो पर तीन बीटों में बांटकर कर्मचारियों को नियुक्त की गई है। जिससे किसी भी संदिग्ध की सूचना तत्काल देकर सीएचसी कसडोल में जांच कराया जा सकें। नपा द्वारा विशेष मॉनिटरिंग की जा रही है। जिससे किसी तरह का उल्लंघन लोंगो द्वारा नही किया जाए।

-राधाचरण तिवारी, सीएमओ नपा कसडोल

सेनिटाइजर की समस्या को अपने स्तर पर समाधान करने वाला राज्य का प्रथम जिला बना बलौदाबाजार

बलौदाबाजार। कोरोना वायरस से मुकाबला करने में तरल सेनिटाईजर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हाथ में इसके लेपन से वायरस का संक्रमण कुछ समय के लिए रूक जाता है। कोरोना हमले के बाद इसकी अत्यधिक मांग होने की वजह से अस्पतालों में इसकी आपूर्ति बाधित हुई थी। आर्डर के उपरांत भी इसकी आपूर्ति नहीं हो पा रही थी। इस कठिनाई का हल जिला प्रशासन के प्रयासों से निकाल लिया गया है। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल ने स्पिरिट के जरिये सेनिटाइजर बनाने के लिए जिला अस्पताल को लाईसेंस प्रदान कर दिया है। संभवतः बलौदाबाजार राज्य में प्रथम जिला है जिसने सेनेटाईजर की समस्या का तोड़ निकाल लिया है। लाइसेंस मिलने के बाद जिला अस्पताल में स्पिरिट से सेनिटाइजर बनाने का काम शुरू कर दिया गया हैं। प्रथम खेप के रूप में लगभग सवा 4 सौ लीटर तरल सेनिटाइजर तैयार की गई है। अपने इस्तेमाल के बाद इसे पुलिस विभाग, जेल सहित अन्य जरूरतमंद विभागों को भी बेचा जा रहा है। कुछ महिला स्व सहायता समूह से भी इसे बेचने को लेकर समझौता हुआ है। वे जिला अस्पताल से इसे खरीद कर जरूरतमंद लोगों को बेचेंगी। इससे उनकी भी अतिरिक्त आमदनी का रास्ता खुल गया है। इस प्रकार यह सेनिटाईजर आपात स्थिति में जरूरत को पूरी करने के साथ ही महिला समूहों की अतिरिक्त आमदनी का बढ़िया जरिया बन गया है।

जिला अस्पताल में तैयार किया गया सेनिटाइजर : जिला अस्पताल में कल शाम सेनिटाईजर तैयार किया गया। दो सौ लीटर स्पिरिट से लगभग सवा 4 सौ लीटर सेनिटाइजर बनाया गया। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल एवं एसपी नीतू कमल स्वयं इस दौरान मौजूद थे। स्पिरिट से सेनिटाइजर बनाने वाले प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों ने इसे बनाया। बाकायदा इसका परीक्षण भी किया गया। स्पिरिट का सान्द्रण कम करने से इच्छित क्षमता का सेनिटाईजर बनाया जाता है। बाजार से अपेक्षित कम दाम पर गुणवत्ता पूर्ण सेनिटाइजर मिल गया है। संपूर्ण स्वास्थ्य विभाग की जरूरत पूरी होने के साथ ही पुलिस सहित सभी विभागों को इसे विक्रय किया जा रहा है। जिला पंचायत के माध्यम से कुछ स्व.सहायता समूहों से इसके विक्रय को लेकर भी समझौता हुआ है। ये समूह जनपद पंचायतों के जरिए ग्राम पंचायतों तक इसे मुहैया करायेंगी। महिला समूहों के प्रोत्साहन के लिए उन्हें अत्यंत रियायती दर 70 रूपये प्रति लीटर पर उपलब्ध कराया गया है। महिलाएं इसे 200 रूपये प्रति 1 सौ एमएल के हिसाब से बेचेंगी। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ आशुतोष पाण्डेय, अपर कलेक्टर जोगेन्द्र नायक, एडिशनल एसपी निवेदिता पॉल, सिविल सर्जन डॉ अभय सिंह परिहार, संयुक्त कलेक्टर इंदिरा देवहारी,जिला आबकारी अधिकारी नवीन प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

कोरोना दूर भगाने जिला प्रशासन कर रही है सघन कार्यवाही

टैक्सी, आटो एवं दो पहिया वाहनों की हो रही है जब्ती

■ 144 के उल्लंघन पर 7 दुकानों पर लगाया गया 15 हजार जुर्माना

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

जिले में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कलेक्टर नीलकंठ टीकाम के आदेशानुसार प्रषासन की मुस्तैद कार्यवाही आज और तेज हो गई है। इस क्रम में पुलिस, परिवहन, ट्रैफिक, नगरपालिका सहित अन्य विभागो की संयुक्त टीम द्वारा चार आटो वाहन को जब्त कर लिया गया। इसके साथ ही बेवजह घुमंतु बाइक चालकों को भी वाहन सहित थाने पर ले जाया गया है, इस संबंध में संयुक्त टीम द्वारा आम जनता से अपील की गई है कि वे युवाओं को अनावष्यक रुप से घर से बाहर निकलने न दे क्योंकि धारा 144 के तहत वाहन जप्ती की कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में जिला परिवहन अधिकारी गौरव पाटले ने जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश में संचालित सभी सार्वजनिक परिवहन यान, टैक्सी, ऑटो और ई-रिक्शा का संचालन तत्काल प्रभाव से आगामी 31 मार्च तक स्थगित कर दिया गया है।

नगरपालिका ने 7 दुकानों पर 15 हजार जुर्माना वसूला :- मुख्य नगरपालिका अधिकारी सूरज सिंह सिदार द्वारा कोर कमेटी की बैठक में जानकारी दिया गया कि, आज नगर में धारा-144 के उल्लंघन पर नगरपालिका की टीम दिनेश डे, दिनेश साहू, दुर्जन सोरी, दयाशंकर साहू ने बीज दुकान, हार्डवेयर, होटल, दुकान मे एवं किराना दुकान मे अधिक भी? जमा करने हेतु फाईन किया गया, इस टीम ने सुबह 8बजे से 12 बजे तक 7 दुकानो पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया, इसी प्रकार मेडिकल अपषिष्ट को लापरवाही पूर्वक डिस्पोजल करने पर बंधा तालाब के समीप स्थित नेताम हास्पिटल पर भी 5 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया, इस संबंध में नगरपालिका द्वारा लोगो को आवष्यक कार्य के अलावा घर से बाहर न निकलने की सघन मुनादी भी कराई जा रही है, नगर में कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नगरपालिका के ही द्वारा सभी वार्डो में मैलाथाईन गैस का धुंआ एवं प्रोफेनाफोस एवं बैक्ट्रीनाष का छिड़काव भी किया जा रहा है, इससे सभी प्रकार के सूक्ष्म जीवाणु एवं बैक्टिरिया खत्म हो जाते है, साथ ही सार्वजनिक नालियों में भी ब्लीचिंग

डालने की कार्यवाही की जा रही है। इसके साथ ही नगरपालिका सीमा के अंदर मुख्य बाजार में भी शाक-भाजी खरीदने का समय निर्धारण कर दिया गया है, इसके अनुसार प्रातः 8 बजे से 2 बजे तक ही शाक-सब्जी सहित अन्य आवष्यक वस्तुओं की खरीदी-बिक्री की जा सकेंगी।

कलेक्टर नीलकंठ टीकाम ने इस संबंध में बताया कि कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए शासन द्वारा सभी निर्देषित संभावित उपाय जिले में अमल में लाए जा रहे है, वायरस के संभाव्य प्रसार को देखते हुए इसके संक्रमण को रोकने के लिए कड़े सामाजिक अलगाव के उपयोग को अपनाना आवष्यक हो गया है अतः जिले के उड़ीसा राज्य से लगे सभी अंतर्राज्यीय सीमाओं को सील कर जिले को लॉकडाउन कर दिया गया है।

जिले से बाहर गए 244 ग्रामीणों का हुआ चिकित्सकीय परीक्षण :- कोर कमेटी की बैठक में सीईओ जिला पंचायत डीएन कष्यप ने बताया कि जिले के सभी 5 जनपद पंचायतो से कुल 950 व्यक्ति अन्य राज्य में गए हुए थे, जिनमें से 294 व्यक्तियों की वापसी हो चुकी है तथा उनमें से 244 कामगारो का मेडिकल चेकअप किया जा चुका है, और वे स्वस्थ पाए गए है साथ ही सभी कामगारो को दो हफ्तो तक घर से बाहर न निकलने की हिदायत भी दी गई है और संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव को भी आगाह किया जा चुका है। इसी प्रकार बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसके कनवर ने बताया गया कि जिला मुख्यालय में आने वाले अब तक 433 लोगो का चिकित्सकीय परीक्षण किया गया और जिला मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कोरोना हेल्प डेस्क के तहत हेल्प लाईन नंबर 07786-242180 जारी किया गया है। वायरस के संबंध में किसी भी प्रकार के संदेह होने पर कोई भी व्यक्ति उक्त नंबर पर संपर्क कर सकता है। ज्ञात हो कि चैत्र नवरात्रि 25 मार्च से 2 अप्रैल तक रहेगी अतः मंदिरो में भी श्रद्धालुओ की आवाजाही पर भी प्रतिबंधात्मक आदेश जारी रहेगा। विश्व व्यापी कोरोना संकट के मद्देनजर शासन के निर्देशानुसार कोण्डागांव जिले में भी जिला, ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कोर कमेटी का गठन कर लिया गया है, इसे देखते हुए आज मुख्यालय स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कलेक्टर नीलकंठ टीकाम द्वारा पुनः कोर कमेटी की आवष्यक बैठक लेकर जिले की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि चूंकि संपूर्ण जिले में धारा 144 प्रभावषील है इसे देखते हुए जारी आदेषो का उल्लघंन करने वाले व्यक्तियों पर कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। इसके लिए नगरपालिका द्वारा रोजाना मुनादी भी करवाया जा रहा है। इसके अलावा अनावश्यक घूमने वाले, बाइक सवार व्यक्तियों पर भी कार्यवाही की जायेगी। इसमें चालको पर कार्यवाही होने के साथ-साथ वाहन जप्ती की प्रक्रिया शामिल रहेगी साथ ही पुलिस विभाग द्वारा बिना हेलमेट सवार चालको पर भी जुर्माना किया जायेगा। बैठक में इसके साथ ही उनके द्वारा जिले में सेनेटाइजर, मास्क इत्यादि की उपलब्धता के संबंध में भी जानकारी चाही गई।

कोंडागांव पुलिस की ओर से दिनभर की जाती रही अपील

जनता कर्फ्यू के तीसरे दिन लगातार तीसरे दिन भी सन्नाटा पसरा रहा

पायनियर संवाददाता ➤ कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

जनता कर्फ्यू के तीसरे दिन यानी मंगलवार को जिला मुख्यालय कोंडागांव में लगातार तीसरे दिन भी सन्नाटा पसरा रहा। कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका के चलते पुलिस-प्रशासन ,व यातायात विभाग की अपील पर कोंडागांव सहित गांवों में भी दूकाने बंद रही, सुबह के समय जरूरी सामान की दुकानें खुली जो पुलिस व यातायात विभाग की ओर से दोपहर में की गई अपील के बाद बंद हो गई, बंद में मेडिकल स्टोर, सब्जी-भाजी, व रासन, किराना हॉस्पिटल, पेट्रोल पंप, दूध डेयरी, की दुकानें शामिल नहीं थी। पुलिस, यातायात व मीडिया के ऑफिस भी खुले रहे।

दोपहर में पूरे नगर में सन्नाटा पसर गया। कुछेक लोगों की आवाजाही के अलावा दिनभर पुलिस व ट्रैफिक की गाडियां कोरोना से बचाव से सावधानी रखने की अपील करते घूमे। शाम को फिर आवश्यक सामान की कुछेक दुकानें खुली, जिला प्रशासन की ओर से आमजन में इस संक्रमण को रोकने और बचाव को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है, लोगों को लगातार सावधानी बरतते हुए घरों से नहीं निकलने की सलाह दी जा रही है।

दोपहर 12 बजे तक तो बाजार में जरूरी सामान के लिए लोगों की आवाजाही हो रही थी। बाद में पुलिसकर्मी बाजारों, व चौक चौराहों में निकले और दुकानदारों से दुकानों को बंद करने का आग्रह किया, जिसमें दुकानदारों ने भी सहयोग करते हुए तत्काल दुकानें बंद कर दी और अपने घरों को चले गए। बाजार-सडकों पर लोग मिले तो पुलिसकर्मियों ने उनको समझाइश देकर उन्हें घर जाने की सलाह दी। बस स्टैंड में दुपहिया वाहन, कार, टेक्सी आदि चौपहिया वाहनों के चालकों व मालिकों की भीड मिली तो पुलिस ने उन्हें वहां से रवाना कर दिया।

महामारी को रोकने आमजनता का सहयोग जरूरी : एसपी

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सुजीत कुमार सिंह के आदेशानुसार सिटी कोतवाली टीआई राजेन्द्र मंडावी एवं यातायात जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सिंह धुरंदर अपने दल बल के साथ जनता को भीड़ न बढ़ाने हेतु सहयोग की अपील करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने धारा 144 के तहत बाजार पूरी तरह से बंद रहने के साथ आवाजाही भी प्रतिबंधित रहने की बात कही, उन्होंने कहा कि नगर एवं आसपास के क्षेत्र में पुलिस की लगातार गश्त रहेगी, प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मी भी तैनात रहेंगे जो दुकानों को बंद रखने और आवाजाही नहीं करने के लिए लोगों को समझाइश देंगे, उन्होंने लोगों से बाजार में नहीं निकलने की अपील दोहराते हुए कहा है कि अनावश्यक घूमते मिलने पर कानूनी कार्रवाई भी अमल में लाई जा सकती है। इस महामारी को रोकने के लिए आमजनता का सहयोग जरूरी है।

कलेक्टर-एसपी ने बाहर निकलने पर डिस्टेंस रखने की अपील की

■ 'लॉक डाउन में प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य अमले का करें सहयोग

पायनियर संवाददाता ➤ सूरजपुर
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन एवं धारा 144 लगने के बावजूद लोगों के द्वारा गंभीरता से निर्देशों का पालन नहीं होने से 'कलेक्टर दीपक सोनी' एवं 'पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा' ने ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों का सघन दौरा कर स्वयं मोर्चा संभाल लिया है। कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए शासन एवं प्रशासन गंभीर हैए देशए प्रदेश एवं जिले में लॉकडाउन एवं धारा 144 का पालन करने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के लोगों को जागरूक किया जा रहा है। बावजूद कुछ लोग इस संक्रमण बीमारी के प्रति जागरूक नहीं दिख रहे हैंए जिससे 'जिले के मुखिया एवं पुलिस कप्तान' ने खुद कमान संभालते हुए लगातार विभिन्न विकासखंडों का दौरा कर मोर्चा संभालते हुए बुधवार 25 मार्च

2020 को लटोरी, खड़गवां, प्रतापपुर और भैयाथान के बड़े कस्बे में भ्रमण किया एवं लोगों को घर से अनावश्यक न निकलने की सख्त हिदायत दे रहे है। पुलिस के अधिकारी.कर्मचारी जो शहर व गांव के प्रमुख स्थानों, चौक.चौहारों तथा विभिन्न स्थलों पर तैनात है उसने मिल चर्चा कर हालात के बारे में जानकारी ली।

देश में बिगड़ते हालात को देखते हुए पूरे देश में 21 दिनों तक लॉकडाउन की घोषणा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के द्वारा की गई है परंतु लोग इसे मनोरंजन एवं छुट्टी का दिन मान कर अन्य दिनों की तरह घूम फिर रहे है। 'कलेक्टर एवं एसपी' ने आवश्यक सुझाव एवं समझाइश देते हुए उन्हें शासन प्रशासन के निर्देशों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

'कलेक्टर दीपक सोनी' ने बताया कि कोरोना वायरस को रोकने हेतु शासन प्रशासन एवं स्वस्थ विभाग द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। आम जनता को अधिक से अधिक समय घर पर रहने कहा गया हैए कुछ आवश्यक सेवाओं और वस्तुओं के लिए ही घर से बाहर निकलने तथा शासन.प्रशासन के निर्देशों का पालन करना आमजनों के लिए आवश्यक है।

'लॉक डाउन में प्रशासन, पुलिस व स्वास्थ्य अमले का करें सहयोग :- 'सूरजपुर कलेक्टर दीपक सोनी एवं पुलिस अधीक्षक राजेश कुकरेजा' ने जिले वासियों से अपील की है कि लॉक डाउन की अवधि में नागरिक घबराए नहीं है। लॉक डाउन के दौरान सिर्फ इमरजेंसी सेवाओं के लिए ही घर से बाहर निकलें। आमजन आवश्यक वस्तुओं की खरीदी के समय दुकानों पर अनावश्यक भीड़ ना लगायें और सोशल डिस्टेंस बनाए रखे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में अन्य राज्य से आये लोगों का स्केनिग जारी

पायनियर संवाददाता ➤ जैजैपुर
www.dailypioneer.com

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैजैपुर में शासन की आदेशानुसार अन्य राज्य से आये लोगो का स्केनिग किया जा रहा है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैजैपुर मे अन्य राज्य मे रहने वाले लोग अपने जन्म स्थल पर आये है जिनका स्केनिग चेक किया गया जिसमे लगभग 545 लोगों ने अपना पंजीयन कराया है। आज पूरे देश मे कोरोना वायरस कि खौप छायी हुई है और हमारे देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी ने अपने देशवासियो की सुरक्षा के लिए 14 अप्रेल तक देश मे इस कोरोना वायरल से लड़ने के लिए कर्फ्यू लगाया है । जहॉं पर अपने देश कि जनता की रक्षा किया जाय। कोरोना वायरस में सर्दी खांसी लगातार होते रहने पर इसकी नियत्रण के लिए यह कदम उठाया है जिसे सभी लोगो ने स्वीकार किया और उनका कर्फ्यू काफी कारगर साबित हुआ।

आज 21 दिनों के लिए पूरे देश मे लॉकडाउन लागू किया गया है। वैश्विक महामारी कोरोना का कोई और रास्ता नही है। अगर इसे संक्रमण को तोड़ना है तो सोशल डिसटेसिंग करनी होगी यह सभी जनता के लिए है। नगर पंचायत जैजैपुर में प्रधानमंत्री का आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है ऐसा लगता है कि जैजैपुर के थानेदार के वजह से लोगों का आना जाना सड़कों पर है यदि इसे सख्ती से पालन नहीं किया तो एक ब्यक्ति से पूरे क्षेत्र में कोरोना का कहर दिखाई देगा । यहॉं तक कि लोग बाइक से इधर से उधर घूमते फिरते नजर आ रहे है। जहॉं पर सभी दुकानदारों ने समर्थन किया लेकिन बाहर से आने जाने एवं नगर के कुछ लोग बाइक से फर्राटे भरते नजर आ रहे हैं इन पर सख्ती करना जरूरी है यदि एक जनता पर कोरोना वायरस संक्रमण किया तो यह वायरस पूरे क्षेत्र को ले डूबेगा। उपर के आदेश का पालन करना एवं अपने सुरक्षा के लिए इनका निर्वहन करना आम जनता के हित में लाभ ही होगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 21 मार्च से 25 मार्च 2020 तक अन्य राज्य से अपने ग्राम आये स्केनिंग चेक कराने वालों की संख्या 545 है। अभी भी यह सिलसिला चल रहा है लेकिन अभी तक किसी का पाजेटिव परिणाम इस क्षेत्र में नहीं मिला है। आगे यह देखते है कि जैजैपुर मे नियंत्रण कामयाब होता है या फिर यहॉं पर कोरोना वायरस का संक्रमण हो चुका है।

दुर दराज से यहॉं पर व्यवसायिक दृष्टि से रेत.पत्थर एवं ईट ट्रेक्टर से लाया जा रहा है इस पर भी रोक लगाना चाहिए रात दिन यह कार्य टेउक्टर से किया जा रहा है लेकिन पुलिस प्रशासन इस तरह के कार्य को देखते हुए भी इस पर प्रतिबंध नही लगा रहा है वही पर आम बाइक पर भी रोक लगाने से कोरोना वायरस पर नियंत्रण मिल सकता है।

पीडीएस वस्तुएं धान की मिलिंग डीजल-पेट्रोल सहित कई सेवाओं को राज्य सरकार ने आवश्यक सेवा किया घोषित

पायनियर संवाददाता ➤ जशपुरनगर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम हेतु किए जा रहे उपायों के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली की वस्तुओं, धान की मिलिंग, डीजल.पेट्रोल, एलपीजी सहित कई सेवाओं को आवश्यक सेवा घोषित किया है। खाद्य विभाग द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के प्रावधानों के तहत जिन सेवाओं को आवश्यक सेवायें घोषित किया गया है। उनमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली वस्तुओं एवं उनके उपार्जन एवं भण्डारण में आवश्यक सामग्रियों जैसे बारदाने सल्फास कीटनाशक, डनेज आदि के संचालन, भण्डारण और वितरण को इसमें शामिल किया गया है।

इसी तरह राज्य सरकार ने खाद्यान्नों तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रदाय की जाने वाली वस्तुओं की लोडिंग.अनलोडिंग, विकेन्द्रीकृत उपार्जन योजना के तहत उपार्जित धान की मिलिंग एवं भण्डारण के लिए लोडिंग.अनलोडिंग एवं परिवहन, धान की मिलिंग करने वाली राईस मिलें, अधिसूचित पेट्रोल, डीजल, सी एन जी पम्पो, प्रदाय इकाईयों द्वारा पेट्रोल, डीजल, सी एन जी प्रदाय, एल पी जी घरेलु तथा व्यवसायिक को इसमें शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त अन्य कोई सेवा जो संबंधित जिला कलेक्टर द्वारा आवश्यक घोषित किया जाएगा को इसमें शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार के राहत भरे फैसले

कोरोना वायरस संक्रमण रोकने के उपायों के दौरान आम जनता को नहीं होगी कोई कठिनाई

पायनियर संवाददाता ➤ कोरबा
www.dailypioneer.com

राज्य शासन द्वारा कोरोना वायरस का फैलाव रोकने के लिये युद्धस्तर पर किये जा रहे प्रयासों के साथ आम जनता की सहूलियत का भी पूरी संवेदनशीलता से ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर आम जनता के लिए अनेक कल्याणकारी फैसले लागू किये गए हैं। इन फैसलों से गरीबों, स्कूली बच्चों, आम नागरिकों और व्यापारी वर्ग सहित सभी लोगों को 31 मार्च तक लॉक डाउन के दौरान बड़ी राहत मिलेगी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जो कल्याणकारी कदम उठाए गए हैं वे इस प्रकार हैं :- राज्य सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के राशनकार्ड धारकों को अप्रैल एवं मई माह 2020 का चावल का एकमुश्त वितरण करने का निर्णय लिया है। इसके लिए खाद्य विभाग द्वारा आबंटन जारी करते हुए अंत्योदय, प्राथमिकता और अन्नपूर्णा श्रेणी के राशनकार्ड धारकों को माह अप्रैल एवं मई 2020 के चांवल के साथ नमक और शक्कर का भी एकमुश्त वितरण माह अप्रैल 2020 में करने के निर्देश जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के निर्देश पर अवकाश अवधि में स्कूली बच्चों को मध्यान्ह भोजन दिए जाने का निर्णय लिया गया है। इस योजना में मध्यान्ह भोजन हेतु 40 दिन का सूखा दाल और चावल बच्चों के पालकों को स्कूल से प्रदाय किया जाएगा। प्राथमिक शाला के प्रत्येक बच्चे को 4 किलोग्राम चावल और 800 ग्राम दाल तथा उच्चतर माध्यमिक शाला के प्रत्येक बच्चे को 6 किलोग्राम चावल और 1200 ग्राम दाल दी जाएगी।

आंगनबाड़ी केन्द्र के बच्चों के लिए टेक होम राशन वितरण के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश के सभी आंगनबाड़ी और मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों को 31 मार्च 2020 तक बंद किया है। राज्य सरकार ने इस अवधि में 03 से 06 वर्ष आयु के समान्य, मध्यम और गंभीर कुपोषित बच्चों को गर्म भोजन के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में 125 ग्राम रेडी टू ईट प्रतिदिन के मान से 750 ग्राम टेक होम राशन (रेडी टू ईट) का अनिवार्य रूप से वितरण के निर्देश दिए हैं शेष हितग्राहियों को भी पात्रता अनुसार रेडी-टू-ईट का वितरण यथावत जारी रहेगा।

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में अनुज्ञा, परमिट, लायसेंस इत्यादि नवीनीकरण कराने की समय-सीमा एक माह की वृद्धि की गई है। राजस्व न्यायालयों में प्रकरणों की पेशी एक अप्रैल या उसके पश्चात रखने के निर्देश दिए गए हैं। वाणिज्यिक कर (पंजीयन) विभाग ने छत्तीसगढ़ बाजार मूल्य की पुनरीक्षित दरें जो एक अप्रैल से लागू होती है, उसे एक माह बढ़ाकर अब एक मई कर दिया है।

पंजीयन कार्यालयों में मार्च के माह में होने वाली भीड़ की समस्या को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया गया है।

प्रदेश के नगरीय निकायों में सम्पत्ति कर जमा करने की अंतिम तिथि 31 मार्च को बढ़ाकर अब 30 अप्रैल तक कर दिया गया है। कोरोना वायरस (कोविड-19) की रोकथाम के उपायों के तहत छत्तीसगढ़ सरकार ने अल्कोहल आधारित हैण्ड सैनिटाईजर (हैण्ड रब सॉल्यूशन) के औद्योगिक निर्माण के लिए दो डिस्टिलरी को लाइसेंस दिया है। कोरोना के उपचार में लगे स्वास्थ्य विभाग के अमले को विशेष भत्ता देने का फेसला। राज्य के सभी निजी संस्थानों, कारखानों, अस्पतालों, मॉल, रेस्टोरेंट आदि के नियोजकों से मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए श्रमिकों एवं कर्मचारियों की छंटनी नहीं किए जाने और कोरोना वायरस से पीड़ित होने या अन्य कारणों से बीमार होने पर संवैतनिक अवकाश प्रदान करने के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर उनसे घरों से भी कार्य लिए जाने के निर्देश दिए हैं। निम्नदाब उपभोक्ताओं की मीटर रीडिंग - बिलिंग पर 31 मार्च तक रोक, 'हाफरेट पर बिजली योजना'' के तहत् मिलेगा एक मुश्त दो माह का लाभ।

ट्रक में चोरी कर भरे गये 25 नग मवेशी जब्त, 3 गिरफ्तार

पायनियर संवाददाता ➤ गुण्डरदेही
www.dailypioneer.com

मुखबिर की सूचना पर एसपी एम एल कोटवानी एएसपी डी आर पोर्ते, डीएसपी दिनेश कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशन पर थाना रनचिाई द्वारा विशेष टीम गठित कर आरोपी होरीलाल निवासी मुंडरा थाना क्षेत्र रनचिराई के द्वारा अपने व्यारा से ट्रक में क्रूरतापूर्ण मवेशियो को ठूंस ठूंस कर भरा जा रहा था। इसके साथ ही पुलिस को सूचना मिली थी कि मवेशियों को कत्लखाना नागपुर भेजने की तैयारी आरोपियों के द्वारा किया जा रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक की विधिवत जॉंच किये तो प्रार्थी सुंदर लाल यादव 35 वर्ष ग्राम मुंडरा थाना रनचिराई का भी एक बछिया बरामद हुआ। ट्रक में चोरी कर भरे गये 25 नग अन्य मवेशी कीमती 1,00.000 पाये गये। पूछताछ के बाद आरोपीगण करण सोनी 32 साल, होरी लाल सोनी 23 साल, टिकेश्वर साहू 18 साल बबलू यादव व उनकी साथी तथा ट्रक सीजी 40 छ 1965 का चालक व मालिक सभी को पशुओं का अवैध परिवहन के लिये भरकर रखना पाया गया। प्राथी सुदर लाल कि रिपोर्ट पर आरोपियों के विरुद्ध कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के प्रति कुरुरत अधिनियम पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में उक्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है, तथा शेष फ रार आरोपियों की पतासजी की जा रही है। प्रकरण में स्थानीय पशु तस्करों की संलिप्तता पायी गई है, जो विवेचनाधिन है।

संपादकीय

वायरस पर नियंत्रण, वैक्सीन पर शोध आवश्यक

भारत ने कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए लाकडाउन का रास्ता अपनाया है। इससे दवा का विकास होने तक कुछ समय मिल जाएगा। यह दुनिया भर के डाक्टरों व वैज्ञानिकों द्वारा एक युद्ध है। सुरक्षा व प्रयोग में विलम्ब के कारण लगता है कि वाणिज्यिक प्रयोग के लिए दवा जल्दी उपलब्ध नहीं होगी। उत्पादन के लिए दवा की कीमत भी उचित होनी चाहिए। कोरोनावाइरस की चुनौती और गंभीर है क्योंकि कोई इसका चरित्र, परिवर्तन की गति तथा इसकी संक्रमण क्षमता के बारे में कुछ नहीं जानता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ ने शोध के मामले में एकजुटता की मांग की है। वर्तमान समय में स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर रोगी को वर्तमान औषधियां दी जा रही हैं क्योंकि नई औषधियां विकसित करने में समय लगेगा। एचआईवी के खिलाफप्रयोग होने वाली औषधियां पहले से उपलब्ध हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय प्रयोग होने वाली मलेरिया औषधि के साथ ही इबोला में प्रयोग होने वाली एंटी-वाइरल औषधि का प्रयोग भी हो रहा है। दर्जनों देशों में हजारों रोगियों को इनसे लाभ हो सकता है। डब्लूएचओ रोगियों का एक ग्लोबल डेटाबेस बना रहा है जिसका प्रयोग रोगियों पर विभिन्न दवाओं के प्रयोग की जांच के रूप में किया जा सकता है।

ईमानदारी से कहा जाए तो वर्तमान औषधियों के प्रयोग से एक कारगर समाधान निकाला जा सकता है क्योंकि वे अन्य बीमारियों के लिए संस्तुत और सुरक्षित हैं। कुछ विशेषज्ञ कोरोना वाइरस के पुराने स्ट्रेनों के खिलाफकारगर गैर-संस्तुत दवाओं का प्रयोग करने के पक्ष में हैं जो जानवरों पर अध्ययन में ठीक पाई गई हैं। इनमें सार्स और मर्स शामिल हैं। इन औषधियों का प्रयोग स्वास्थ्यरक्षा कर्मियों के लिए भी किया जा सकता है जिनको संक्रमण का खतरा बहुत अधिक है। इनसे इलाज का समय भी घटाया जा सकता है जिससे महत्वपूर्ण चिकित्सा ढांचे पर ज्यादा जोर नहीं पड़ेगा। थाईलैंड व भारत के जयपुर में एचआईवी औषधियों का प्रयोग लाभदायक पाया गया है। मलेरिया की औषधि क्लोरोक्वीन श्वसन तंत्र पर कारगर पाई गई है। इससे शरीर पर वाइरस संक्रमण रोकने में सहायता मिल सकती है। भले ही यह सीधे वाइरस पर कारगर न हो, पर शरीर को मजबूत बना कर वाइरस संक्रमण से बचाव में कारगर है। विश्वास किया जाता है कि इससे न्यूमोनिया जैसी जटिलताओं से बचने में सहायता मिलती है। इसके साथ ही क्लोरोक्वीन के तत्वों की प्रभावशीलता संक्रमण के पहले या बाद में समाप्त नहीं होती है। कुल मिला कर कहें तो ये सारे उपाय चिकित्सा के बजाय निवारक किस्म के हैं तथा कोरोनावाइरस से निपटने के लिए वैश्विक शोध व लगातार फंडिंग जरूरी है। जैविक-युद्ध रणनीति के बारे में षडयंत्र जैसी बातें भी हो रही हैं और बड़ी दवा कंपनियों की इसमें संलिप्तता बताई जा रही है। लेकिन कोविड-19 ने बता दिया है कि ऐसे युद्धों में कोई भी सुरक्षित नहीं रहा सकता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था नीचे गिर रही है और पूरी मानवजाति पर संकट है। सहयोगी शोध के माध्यम से सरकारों ने अच्छी शुरुआत की है। हालांकि, एक चीज स्पष्ट है कि यदि कोई वाइरस मानवजाति को इतने संकट में डाल सकता है तो हमें अजेय व सबसे अच्छी नस्ल समझने का घमंड छोड़ देना चाहिए। हमें केवल मनुष्यों व भारतीयों की तरह व्यवहार करते हुए लाकडाउन व सामाजिक दूरी बनाए रखने पर कठोरता से अमल करना चाहिए। याद करें कि दुबई से लौटी दिल्ली की रोगी नं. 10 ने सारे पड़ोसियों को संक्रमित किया क्योंकि उसने किसी मानक का पालन नहीं किया था।

कोरोना संघर्ष के लिए मूलभूत बदलाव जरूरी

हम ऐसे ऐतिहासिक समय में हैं, जब राष्ट्रीय नेतृत्व का परीक्षण इस बात से होगा कि वह कितनी सद्भावना, गति व व्यापक आयाम प्राप्त कर पाता है। हमें सामूहिक रूप से इस समस्या से निपटना होगा।

बिंदू डालमिया
लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

इस रविवार, 22 मार्च को शाम के ठीक पांच बजे हमें एक विरली घटना देखने को मिली, जब पूरा देश अपनी बालकनियों व छतों पर एकत्र होकर उन वीर लोगों का तालियां, थालियां व शंख आदि बजा कर अभिनन्दन कर रहा था जिन्होंने बाकी लोगों के लिए अपना जीवन खतरे में डाल दिया है। यह किसी उत्सव जैसा लगा जैसे हम किसी मध्ययुगीन समय में पहुंच गए हों। सामूहिक रूप से घंटियों और शंखों की आवाज से कोविड-19 जैसी काली शक्ति के खिलाफ युद्ध घोषणा सुनाई दी जिसने हमारे जीवन व आजीविका पर अभूतपूर्व भयावहता से हमला किया है।

2020 की यह विभीषिका 26-11 के आतंकी हमले, 1929 की महामंदी, 2008 के वित्तीय संकट या किसी अन्य समय के झटके से बहुत अधिक गंभीर है जिसने मानव जीवन व वित्तीय संसाधनों को झकझोर दिया हो। वैश्विक महामारी के विस्तार ने चिकित्सा समुदाय व नीति-निर्माताओं को संकट में डाल दिया है कि वे इतने व्यापक आयाम वाली समस्या से कैसे निपटें। इस राक्षसी जीव का विस्तार बहुत है और यह अर्थशास्त्र के किसी नियम में नहीं बंधा है। हालांकि, आज सारी मानवजाति एकजुट है और उम्मीद करनी चाहिए कि अब से 6 महीने बाद यह कष्टदायक दौर भी बीत जाएगा।

हम इस समय ऐसे क्षण में हैं, जब हमें व्यक्तिगत अलगाव की सीमाओं से आगे जाकर आत्माभिव्यक्ति के लिए नई रणनीति बनानी होगी। हम अर्थव्यवस्था में तेजी से आ रही गिरावट से कैसे निपटेंगे, स्वयं को बीमारी के प्रभाव से बचाने के लिए अलग कैसे रखेंगे, बेरोजगारी के आसन्न संकट से कैसे निपटेंगे और सबसे बुरी बात है कि भयानक खतरे में घिरे होने तथा मौत के इतने करीब होने की भावना से कैसे मुक्ति पाएंगे? 87 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बस एक सिद्धान्त पर चलती है कि 'एक व्यक्ति का खर्च दूसरे की आमदनी' होता है और यह किसी बिजनेस गतिविधि का सिद्धान्त है। बंद होती दुनिया में सामाजिक दूरी के वर्तमान आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन आसान नहीं है क्योंकि जीवन का ऐसा संकट वित्तीय संकट में परिलक्षित हो रहा है जिससे चिकित्सकीय रूप से निपटने में कम से कम एक साल लगेगा।

भौतिक आवागमन सीमित होने के कारण मांग-सप्लाई की अर्थव्यवस्था चक्रीय सुस्ती या मंदी की तुलना में बहुत अधिक प्रभावित हुई है तथा वैश्विक वृद्धि दर के 1.25 प्रतिशत तक गिरने की आशंका प्रकट की जा रही है। दो प्रतिशत से कम वृद्धि को अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष-आईएमएफ 'मंदी' के रूप में परिभाषित करता है। इसमें औद्योगिक उत्पादन में कमी, व्यापार में कमी, पूंजी प्रवाह में जटिलता, तेल का उपभोग घटना, बेरोजगारी दर बढ़ना तथा प्रति व्यक्ति निवेश व उपभोग घटना शामिल है।

आशा की किरण केवल स्वास्थ्यरक्षा व दवा उद्योग, ई-कामर्स मंचों तथा किसी डिजिटल बिजनेस के लिए है जो ग्राहकों को घर पर आनलाइन उत्पाद व सेवायें उपलब्ध कराते हैं। वीडियो स्ट्रीमिंग सेवायें नेटफ्लिक्स, आनलाइन किराना स्टोर, एडटेक, ई-हेल्थ व फिनटेक् आदि इनमें शामिल हैं। वैश्विक महामारी कोविड-19 आने के बहुत पहले से रियल इस्टेट, एयरलाइनें व टेलीकाम जैसे क्षेत्र संकट का सामना कर रहे थे और पहले के कुछ मुनाफे वाले क्षेत्र भी हाशिए पर पहुंच गए थे। इन सबसे भारत का बैंकिंग संकट और गहराएगा तथा सकारात्मक संपदा के भी गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों-एनपीए में बदलने का खतरा रहेगा। बाकी दुनिया के साथ भारत को भी वित्तीय विस्तार के बारे में सोचना होगा, जबकि इसके साथ-साथ राजस्व वसूली का लक्ष्य अब तक सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका होगा। अब इस कमी को विनिवेश लक्ष्यों से पूरा करना भी मुश्किल होगा, हालांकि तेल के दाम गिरने के कारण लगभग 50 बिलियन डालर की बचत हो सकती है। यदि 2008 के वित्तीय संकट ने एक दशक की वैश्विक वृद्धि व आमदनी को बरबाद कर दिया था तो कोविड-19 वैश्विक रूप से राष्ट्रीय व व्यक्तिगत उपलब्धियों को और गहरी व लंबी चोट पहुंचाएगा। इससे ऐतिहासिक रूप से संप्रभु व कार्पोरेट कर्ज सबसे ज्यादा स्तर पर पहुंच जाएगा।

लेकिन सारी दुनिया को किसने 'क्वेरैंटीन' में रख दिया है? स्थितियां सुधरने तथा रोग का इलाज मिलने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ द्वारा चीन को जवाबदेह ठहराये जाने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार संस्थायें भी जिम्मेदार हैं क्योंकि उन्होंने कीमती पांच सप्ताह का समय बरबाद किया जब महामारी पर लगाम लगाई जा सकती थी। दुनिया को उस समय सक्रिय कदम उठाने चाहिए थे। सर्वोच्च न्यायालय के वकील जीवी राव के अनुसार, 'अंतरराष्ट्रीय व घरेलू कानूनों का सिद्धान्त है कि प्रदूषक ही जिम्मेदार है। इस कारण चीन को मजबूर किया जाना चाहिए कि वह वाइरस से प्रभावित सभी देशों को मुफ्त चिकित्सा सहायता दे तथा आर्थिक मुआवजे का भुगतान करे।'

ऐसा खासकर इसलिए है क्योंकि सारे देशों में चीन ने वैश्विक व्यापार का सबसे ज्यादा लाभ उठाया है। इस प्रकार दोषी देश के रूप में उस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध लगा कर उसे आर्थिक अलगाव में डाला जाना चाहिए। कोरोना वाइरस के भयानक संक्रमण तथा उसके और विस्तार के सामने नरसंहार या आतंकवाद के कृत्य भी फीके पड़ जाते हैं।

यह गंभीर बात है और मेरे बिंदु पर पुनः गौर करें। मेरा कहना है कि चीन द्वारा इस मुद्दे पर जानबूझ कर बरती गई लापरवाही व्यापक नरसंहार के समान है। हालांकि, घातक महामारी का जन्म किसी देश से हो सकता है, पर उस देश की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह तथ्यों के बारे में झूठ न बोले तथा पूरी मानवता को संकट में न डाले। चीनी अर्थव्यवस्था इस संकट से सबसे पहले मुक्ति पा कर सुधरने लगेगी अतः उसे विश्व व्यवस्था में प्रभुत्व जमाने का मौका मिल जाएगा। हमें किसी एक देश से औषधीय या एलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं की सप्लाई पर अति-निर्भरता से बचना होगा। आदर्श रूप से युद्ध जैसे अपराध के लिए दोषी को आर्थिक रूप से अलगाव में डाला जाना चाहिए।

यह भारत सरकार के लिए परीक्षा का समय है कि वह जीवन व बिजनेस सुगमता कैसे संभव बनाती है। कनाडा व अमेरिका तथा अन्य अधिकांश देश अब सार्विक मूलभूत आय के प्रस्ताव की ओर बढ़ रहे हैं। अब नीति-निर्माताओं के लिए राजकोषीय घाटा बढ़ना चिन्ता का विषय नहीं होना चाहिए। उनको पुराने आर्थिक सिद्धान्त छोड़ कर वित्तीय सहायता से आजीविका संबंधी मामलों का समाधान करना होगा। अमेरिका जैसी सर्वाधिक विकसित अर्थव्यवस्था ने सभी वयस्कों को 1000 डालर देने का निर्णय किया है जिसे लोग अपनी जरूरतों पर खर्च करेंगे तथा कुछ हिस्सा बचा लेंगे। लेकिन इससे मांग नहीं बढ़ेगी।

वित्त मंत्रालय को सर्वाधिक प्रभावित असंगठित क्षेत्र, होटल एवं पर्यटन पर ध्यान देना चाहिए जिनमें 40 मिलियन लोगों को रोजगार मिलता है। रेस्तराओं में 7.3 मिलियन व उड्डयन में 3,50,000 कर्मचारियों को काम मिलता है। इसके साथ ही टैक्सी सेवाओं में 5 मिलियन से अधिक ड्राइवरों तथा सिनेमा व मनोरंजन उद्योग व आनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों में 5,00,000 लोगों को रोजगार मिला है। कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार देने वाले रियल इस्टेट क्षेत्र को 35 प्रतिशत नुकसान होने की आशंका है।

लेकिन सरकार का मूल काम प्रतिक्रिया की गति बढ़ाते हुए तरलता सरल बनाना है ताकि एनबीएफसी व एमएसएमई क्षेत्रों को सहायता मिले। इसके साथ ही हाकरों, वेंडरों व दैनिक वेतनभोगियों को नकद भुगतान तथा असंगठित क्षेत्र व संकटग्रस्त तबकों को भोजन वितरण व शरणस्थल सुनिश्चित किए जाने चाहिए। इन तबकों को तत्काल वित्तीय सहायता जरूरी है। कार्यकारी पूंजी का मुक्त प्रवाह सुनिश्चित करने के साथ ही सरकार को संकट से प्रभावित बिजनेसों के लिए एक गारंटर की भूमिका निभानी चाहिए, कर्ज का विस्तार करना चाहिए, छोटी फर्मों के डूबे कर्जों के मानक बदलने चाहिए तथा जनधन योजना व मनरेगा मजदूरों को प्रत्यक्ष नकदी हस्तांतरण करना चाहिए।

इतिहास का यह क्षण राष्ट्रीय नेतृत्व की परीक्षा है कि वह कितनी तेजी से सद्भावना व व्यापक आयाम प्रदर्शित करते हुए सहायता करता है। यह समय हमें अपनी प्राथमिकतायें पुनः तय करने तथा जमीनी स्तर से पुनः शुरुआत करने का है। हमें व्यक्तिगत व सामूहिक रूप से संकट-पूर्व स्तर तक पहुंचने के प्रयास करने होंगे और स्वयं को युद्धकाल जैसे नुकसान के बावजूद इस आशा और विश्वास से भरे रखना होगा कि फिर आर्थिक समृद्धि का समय आएगा।

देश बंदी में देश के खेत-खलिहानों के कुछ जरूरी सवाल और समाधान

राजाराम त्रिपाठी
9425258105

कल सुबह छत्तीसगढ़ के छोटे से कस्बे कोंडागांव में लाक-डाउन (जिसे मैं हिंदी में देश बंदी कहता हूं) तोड़ने के अपराध में नगरपालिका ने पहली कानूनी कार्यवाही करते हुए एक दुकानदार पर दो हजार का जुर्माना किया गया, बकायदा रसीद भी काटी गई। हम सभी को लगा कि यह अच्छी और जरूरी कार्यवाही थी, लोगों ने इस कार्यवाही की तारीफ भी की। सुनने में यह घटना बेहद सामान्य लग सकती है, पर अगर संपूर्ण देश की कृषि के संदर्भ में महाराजा इसके निहितार्थ देखे जाएं, तो यह घटना सामान्य नहीं है।

यह दुकान जिस पर जुर्माने की कार्यवाही की गई दरअसल एक छोटा सा किसान-केंद्र था, यानी की खाद, बीज, दवाई ,कृषि यंत्रों की छोटी सी दुकान, जहां कल तड़के सुबह, पास के गांव के कुछ किसान खाद-दवाई, बीज आदि लेने आए थे, निश्चित रूप से यह किसान दुकान की पुराने ग्राहक तथा परिचित रहे होंगे और उन किसानों के अनुरोध पर ही इतनी सुबह दुकानदार ने दुकान खोलकर उन्हें बीज खाद दवाई देने का जोखिम उठाया होगा।अब आते हैं हम माननीय प्रधानमंत्री जी की इक्कीस दिवसीय लाक- आउट की घोषणा पर, इस संदर्भ में सबसे पहले तो अब यह कहना चाहेंगे कि हम प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार की हर घोषणा का न केवल समर्थन करते हैं, बल्कि उनका शत् प्रतिशत पालन भी कर रहे हैं, तथा आगे भी निश्चित रूप से करेंगे। किंतु हमारा यह मानना है कि इस लाक-आऊट के संदर्भ में निश्चित रूप से कुछ ऐसे महत्वपूर्ण बिंदु हैं,, देशहित में जिन पर ध्यान दिया जाना बेहद जरूरी है।

मुझे नहीं पता यह हमारी बातें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अथवा संबंधित उच्चाधिकारियों तक पहुंच पाएंगी भी या नहीं। मुझे यह भी नहीं पता कि मेरी बातें, मेरी इस पोस्ट से सीधे संबंधित देश के उन करोड़ों किसान भाइयों तक पहुंच पाएगी अथवा नहीं जो कि इन 21 दिनों में सीधे-सीधे सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले हैं, क्योंकि हमारे ज्यादातर किसान भाई इंटरनेट, सोशल मीडिया पर कहीं नहीं हैं, और समाचार पत्र आने वाले दिनों निकलेंगे और हम तक पहुंचेंगे अथवा नहीं, और यह कि ये समाचार पत्र भी कोरोना-वायरस की छुआछूतसे सुरक्षित होंगे अथवा नहीं यह भी स्पष्ट नहीं है , अन्य बहुत सारी चीजों की तरह। कोरोना महामारी की भयावहता तथा इससे जुड़े खतरों से कोई भी पढ़ा-लिखा समझदार व्यक्ति इनकार नहीं कर सकता। लेकिन इससे सर्वविध समुचितबचाव के साथ ही देश के गांवों, किसानों के जीवन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। जैसे कि प्रधानमंत्री की घोषणा में इस देश के शत-प्रतिशत जनसंख्या की भोजन की थाली में भोजन, तथा लगभग साठ प्रतिशत जनसंख्या को प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार देने वाले जनसंख्या के रोजगार के मूलाधार कृषि तथा किसानों की व्यवस्था के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा गया है।

1-क्या इन इक्कीस दिनों में देश के गांवों के किसान तथा उनके परिजन अपने खुद के घर से लगी बाड़ी में तथा अपने खेतों में भी, अपनी फसलों की देखभाल करने भी ना जाए तथा खेतों में भी काम काज पूर्णतः बंद रखें?

2- क्या साल भर खून पसीना एक कर की गई कड़ी मेहनत करने की उपरांत खेतों में कटने को तैयार खड़ी फसल को काटने, खलिहान में सुरक्षित लाकर रखने के लिए भी किसान (कोरोनावायरस से बचाव की सभी जरूरी सावधानियां (सोशल डिस्टेंसिंग) रखते हुए भी) घर से बाहर ना निकलें ?

और इस बीच अगर बारिश ,पानी ,बीमारियों, जानवरों से उन फसलों का नुकसान होता है तो क्या देश की जनता कोरोना वायरस से मरने के बजाय आगे फिर भूख से तिल तिल कर न मरेगी?

3- एक कहावत है कि दुनिया में और सब चीजें बेशक इंतजार कर सकती हैं सिवाय खेती के तो जिन फसलों को लगाने की तैयारी किसानों ने कर रखी है उन खेतों का तथा और बीज और पौधों का क्या होगा। किसानों को खाद बीज दवाई कैसे मिलेगी। इस बीच फसलों की सिंचाई की क्या व्यवस्था रहेगी? क्या यह सब देश के लिए जरूरी नहीं है।

हमारा मानना है कि इसमें प्रधानमंत्री द्वारा कहा कहीं गई, पर्याप्त तथा पर्याप्त से भी अधिक सोशल डिस्टेंसिंग रखते हुए भी भली भांति यह समस्त कार्य संपन्न किए जा सकते हैं। हम यह नहीं कहते कि एक महीने पहले सरकार के द्वारा क्या किया जाना था 15 दिन पहले क्या किया जाना था, यह हुआ या नहीं हुआ किंतु एक बात समझ से परे है , कि संपूर्ण देश में लाक-डाऊन करने के लिए नोटबंदी की तर्ज पर रात 8.00 बजे उद्बोधन करके रात 12:00 बजे से लागू करने के बजाय यदि यह कार्य जनता को विश्वास में लेकर पर्याप्त हर स्तर पर पर्याप्त तैयारी करके समुचित तरीके से भी तो किया जा सकता था। क्योंकि इस तरह घोषणा करने के तुरंत बाद बहुसंख्य लोगों ने सारे निर्देशों को ताक पर रखकर जल्दबाजी में सामानों की खरीदारी करने बाजार का रुख किया और पिछले 4-5 दिनों तक के जनता कर्फ्यू सोशलडिस्टेंसिंग की पूरी मेहनत मिट्टी में मिल गई।

4- बैंकों से भारी ऋण लेकर जिन किसानों ने फूलों, मसालों औषधीय पौधों की खेती,मंहगे पोली हाउस, नेट हाउस, नर्सरिया, तथा पौध गृह स्थापित किए हैं ,इन छोटे और नाजुक पौधों में रोज खाद, पानी, देखभाल किया जाना बेहद जरूरी होता है ,और खाद, पानी न दिए जाने पर बेशक इनकी पूरी फसलें चौपट होनी तय है। इनके लिए भी कोई व्यावहारिक सुरक्षित विकल्प क्यों नहीं सुझाया जा सकता है।

क्या इस अवधि में सुरक्षा, बचाव की जरूरी ऐतिहात बरतने के साथ ही, खाद,बीज, की दवाई की आपूर्ति जारी नहीं रखी जा सकती। कम से कम किसान तथा किसानों के परिजनों को आपस में समुचित दूरी बनाते हुए खेतों में कार्य करने का जरूरी छोटा सा प्रशिक्षण, समझाइस देकर कार्य करने की अनुमति दी जा सकती है । वैसे भी जब आप शहरों में नाकाबंदी कर देंगे तो गांव में किसी बाहरी आदमी के पहुंचने की संभावना ही समाप्त हो जाएगी।

इसी तरह पाली हाउस, और सभी नर्सरिओं के छोटे पौधे जो कि बिना पानी के अभाव में शीघ्र ही मर जाते हैं, की सिंचाई,और देखरेख की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। कृषि से संबंधित इन सभी बिंदुओं के संदर्भ में सरकार के द्वारा त्त्काल देशहित में स्पष्ट दिशा निर्देश दिए जाने चाहिए।

5- बस्तर तथा ऐसे ही अन्य वन क्षेत्रों में रहने वाली जनजातीय समुदायों के महुआ, आम, इमली, तेंदूपत्ता, एकत्र करने का प्रमुख समय है। साल भर में यही कुछ दिनों का समय होता है, जब यह परिवार घरों से निकल करअपने साल भर तक परिवार को चलाने के लायक रोजगार अपने इन परंपरागत अन्नदाता जंगलों से प्राप्त कर पाते हैं। जिन गांव में बाहर से शहरों से कोई भी व्यक्ति नहीं आया है, कम से कम उनकी पहचान कर, उन वनवासियों के लिए कोई उचित समाधान दिया जाना उचित होगा।

6- राज्य सरकारें शहरों में रहने वाले दिहाड़ी मजदूरों, ठेला, खोमचे वालों को राशन तथा नगद राहत राशि आदि सहायता देने की बातें तो कर रही है किंतु गांव में रहने वाले अपंजीकृत कृषि मजदूर जो रोज हुआ खोकर खोदकर पानी पीते हैं उनके रोजगार को लेकर क्या समाधान होगा, यह भी सोचना जरूरी है।

7- कुल मिलाकर ,इस समय की महती आवश्यकता है कि, सरकार कोरोना वायरस से बचाव हेतु वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सभी सुरक्षा तथा बचाव के निर्देशों का अधिकतम कड़ाई से पालन करवाते हुए, उपरोक्त बिंदुओं पर क्षेत्रीय परिस्थितियों के अनुसार ऐसे व्यावहारिक समाधान निकालेजायें, जिससे कि सांप भी मर जाए और लाठी भी ना टूटे , और जनता को इसके बारे में भली-भांति जागरूक करके, जरूरी प्रशिक्षण देकर, उसे विश्वास में लेकर, यह बड़ी आसानी से क्या जा सकता है। क्योंकि हम सबका लक्ष्य है कि कोरोना महामारी से हमारे देश में और जनहानि न होने पाए, साथ ही देश को इस अवधि की बंदी से होनेवाली गंभीर दीर्घकालिक हानियों से भी बचाया जाना चाहिए। और इस कार्य में, कोरोना महामारी के खिलाफ इस आर-पार की जंग में हम सब देश तथा सरकार के हर निर्णय, निर्देशों के अक्षरशः पालनार्थ पूरी मजबूती के साथ खड़े हैं।

फरमाया

बहुत से लोग अभी भी लॉकडाउन को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। कृपया स्वयं को व अपने परिवार को बचाएं। निर्देशों का गंभीरता से पालन करें।

– **नरेंद्र मोदी**
प्रधानमंत्री

वेंटीलेटरों व सर्जिकल मॉस्क का पर्याप्त भंडार रखने के बजाय सरकार ने उनके आयात की मंजूरी क्यों नहीं दी। क्या यह आपराधिक साजिश नहीं?

– **राहुल गांधी**
कांग्रेस नेता

मैं आभारी हूं कि बहुत से मुख्यमंत्रियों ने लॉकडाउन को गंभीरता से लिया है। उन्हें आगे बढ़कर अपने राज्य के सभी शहरों व कस्बों को बंद करना चाहिए।

– **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

नगरों को हरा-भरा बनाएं

नगरीय वानिकी एक विचित्र किस्म की सामाजिक वानिकी है, जिसने जबर्दस्त क्षमता दर्शायी है और यह वृक्षों को लेकर सामाजिक चेतना का एक और संकेतक है। आज इसकी आवश्यकता है। नगरीय वन का मुख्य उद्देश्य छाया, स्क्रीनिंग और आनंद है। नगरीय नवीकृत भूक्षेत्र भी एक सामाजिक स्तर होता है। आर्थिक रूप से उपयोगी प्रजातियां चुनी जाती हैं, जैसे कि मोरिंगा, नीम, जामुन, यूकेलिप्टिस, मलिन बस्तियोंअथवा निम्न आय वाले क्षेत्रों के लिए। मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग आमतौर से उन्हें उनकी अस्थायीदुकानों व घरों के लिए चारा अथवा छाया उपलब्ध कराने वाली कुछ प्रजातियों को छोड़कर पेड़ों की चिंता नहीं करते। समृद्ध इलाकों के नगरीय वन आमतौर से सुनियोजित व बेहतर वृक्षों से परिपूर्ण होते हैं। नगरीय वृक्ष नगरवासियों को लाभ देने, जलवायु सुधार एवं इंजीनियरिंग, वास्तु एवं मनोविनोद जैसे इस्तेमाल के चलते महत्वपूर्ण होते हैं। मगर कुछ शहरों को छोड़कर, नगरीय क्षेत्रों का प्रबंधन आमतौर से कौशल व अनुभव के अभाव को परिलक्षित करता है, साथ में वित्तीयन व उचित निगरानी का व निश्चित रूप से जानकारी, शिक्षा एवं साझीदारों में प्रशिक्षण का भी अभाव रहता है।

– **अमित राजपूत,** कानपुर

राजनीति का सच

वर्तमान में सक्रिय राजनीतिकों की वर्तमान पीढ़ी में से अधिकतर, अनेक स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदानों के उपरांत भारत को प्राप्त हुई स्वतंत्रता के बाद पैदा हुए हैं। उन आरम्भिक वर्षों में, भ्रष्टाचार घुमंतू पशु की तरह होता था। जब जवाहरलाल नेहरू प्रधानमंत्री थे, भ्रष्टाचार की एक मालूली सी मात्रा भी किसी के लिए पद से हाथ धो बैठने के लिए पर्याप्त होती थी, चाहे वो नौकरशाह हो या नेता। नेहरू व उनके उत्तरवर्ती लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद, भारत का प्रशासन अल्प नेताओं के हाथों में चला गया। ऐसे लोग अपने चाटुकारों की मंडली से परे देख नहीं पाते थे। यह स्थिति आज भी जरी है, खासकर तब जबकि बात सेवानिवृत्ति पशाचत प्राप्त होने वाले पदों की आती है, चाहे नेता हों या नौकरशाह। इस तरह नियुक्त होने वाले लोगों को अपने राजनीतिक आकाओं या भावी आकाओं को खुश करना होता है। वे प्रशासन को तिलांजलि दे देते हैं और अपने आका को प्रसन्न करने पर ध्यान केंद्रित रखते हैं। कथित अति विशिष्ट व्यक्तियों में से बहुतों में खामियां हैं। देश के प्रति वफादारी उनके मस्तिष्क से बहुत दूर है। यही आज की राजनीति का सच है।

– **कपिल श्रीवास्तव**, सुल्तानपुर

सावधानी जरूरी है!

कोरोनावयरस की महामारी से निबटने के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों के बावजूद कु छ जाहिल किस्म के लोग मान नहीं रहे हैं। कहीं शाहीन बाग कहीं अन्य जगहों पर वे कहते हैं कि कोरोना उनका कुछ नहीं करेगा। यह बेहद मूर्खतापूर्ण बात है। उन्हें पता नहीं कि जमावड़ा लगार वे किना भयावह खतरा अपने व अपने परिवार के लिए पैदा कर रहे हैं। लाकडाइन और जनता कर्फ्यू के दौरान बिहार में लोगों को बसों पर लदा देखा गया। इस पर फौरन रोक लगनी चाहिए। बेहतर होगा कि प्रशासन उन शहरों व जिलों में कर्फ्यू लगा दे जहां लोग शहरबंदी का पालन नहीं कर रहे हैं। यह लाकडाउन उनका जान बचाने के लिए किया गया है। लेकिन लोगों पर जब तक सख्ती न की जाए वे बाज नहीं आते हैं। सरकार को जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिउ मगर शहरबंदी को सख्ती से लागू करना चाहिए। यदि भारत में भी ज्यादा संख्या में संक्रमण फैल गया तो स्थिति संभाले नहीं संभलेगी। इसलिए सावधानी जरूरी है।

– **सविता पांडे**, कानपुर

कोरोना वायरस को लेकर स्वास्थ्य सचिव ने ली कलेक्टर-एसपी की वीडियो कांफ्रेसिंग

पायनियर संवाददाता ⮜ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव हेतु प्रदेश के स्वास्थ्य सचिव निहारीका बारिक सिंह ने विडियो कान्फ्रेसिंग लेकर कलेक्टरों से बातचीत की। कलेक्टर बेमेतरा शिव अनंत तायल ने वीसी में शामिल होकर जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे उपाय के संबंध मे जानकारी दी। कलेक्टर ने बताया कि बेमेतरा जिले मे कोरोना का कोई भी केस नही पाया गया है। एहतियात के तौर पर यदि कोरोना के संदिग्ध मरीज पाए जाने पर उनको भर्ती करने के लिए जिला चिकित्सालय मे संक्रमण को ध्यान मे रखते हुए आईसोलेटेड वार्ड तैयार किया गया है। जहाँ उनका इलाज सुनिश्चित किया जायेगा। कलेक्टर ने आम लागों से सतर्कता बरतने की अपील की। शासन द्वार भी इससे बचने के लिए जन.जागरुकता एवं विशेष प्रयास किए जा रहे है। कलेक्टर तायल ने आम लोगों से अफ्वाहो पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। उन्होने कहा कि सही जानकारी ही संक्रमण से बड़ा बचाव है। गलत अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ एफ्आईण्आरण् दर्ज किया जायेगा। विडियो कान्फ्रेंसिंग के दौरान पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर, अपर कलेक्टर संजय कुमार दीवान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ सतीश शर्माए सिविल सर्जन डॉ एस के पाल, एसडीएम बेमेतरा जगन्नाथ वर्मा, बेरला.दुर्गेश वर्मा, मुख्य नगरपालिका अधिकारी होरीसिंह ठाकुर, जिला चिकित्सालय से डा ज्योति जसाठी, ओंकार देवांगन उपस्थित थे।

नोबल कोरोना को लेकर श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के हित मे निर्देश जारी

नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण के रोकथाम एवं बचाव हेतु प्रदेश के श्रम विभाग द्वारा दिशा निर्देश प्रसारित किये गये है। वर्तमान उत्पन्न असाधारण परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए आपके संस्थान, स्थापना में कार्यरत् कर्मचारी, श्रमिक स्थायी, अस्थायी, ठेका आदि के स्वास्थ्य, सुरक्षा, वेतन, भश्रा एवं अन्य सुविधाओं के संबंध में कार्यवाही किये जाने हेतु सचिव, छ ग शासन, श्रम विभाग, नवा रायपुर द्वारा निम्नानुसार निर्देश जारी किया गया है। आपके अधीनस्थ कार्यरत, कर्मकार, श्रमिक आदि को सहूलियत के हिसाब से कार्य लिया जावे और आवश्यक होने पर उनके निवास से भी कार्य करने हेतु व्यवस्था किया जावे। यदि कोई कर्मचारी, कर्मकार, श्रमिक आदि इस बीमारी से पीड़ित हो तो उनके स्वास्थ्य लाभ हेतु संपूर्ण सहयोग के साथ.साथ आवश्यकतानुसार सवैतनिक अवकाश प्रदाय किया जावे। वर्तमान असाधारण परिस्थिति में आपके संस्थान में कार्यरत किसी भी कर्मचारी, कर्मकार,श्रमिक आदि की सेवाएं समाप्त, छटनी, सर्विस ब्रेक न किया जावे, और न ही किसी कर्मचारी, कर्मकार, श्रमिक आदि के वेतन अथवा देय स्वत्वों में कोई भी कटौती की जावें। वर्तमान असाधारण परिस्थिति में यदि किसी भी संस्थान, कारखाना, स्थापना को अपने सामान्य गतिविधि, कार्यक्रम, कार्य में बदलाव, स्थागित रखने के कारण उदाहरण स्वरूप जैसे.हॉस्पिटल, नर्सिंग होम में सर्जिकल.नॉन सर्जिकल कार्य किसी भी कर्मचारी, कर्मकार, श्रमिक आदि को न तो निकाला जायेगा और न ही वेतनभत्ते आदि कटौती किया जायेगा। ऐसे समस्त परिस्थितियों में सवैतनिक अवकाश दिया जाकर मानवीय दृष्टिकोण अपनाया जाये। नोबेल कोरोना वायरस महामारी से उत्पन्न संकट कालीन परिस्थिति में विभिन्न श्रम कानूनों के दृष्टिगत कार्मचारी, कर्मकार, श्रमिक आदि एवं उनके परिवार के सदस्यों को वैधानिक समाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदाय की जावे। जिला श्रम अधिकारी ने बेमेतरा जिले के समस्त नियोजक, अभिभोगी, कारखाना बंधक, प्रोपराईटर, संस्था.प्रतिष्ठान प्रमुख ;औद्योगिक संस्थान, कारखाना, दुकान एव वाणिज्यिक स्थापनाए, निजी अस्पताल एवं नर्सिंग होम, टॉकिज एवं रेस्टोरेंट, मॉल, रोजगार पत्र संस्थान, निजी शैक्षणिक एवं कोचिंग संस्थान, ट्रांसपोर्ट उप म, निजी सुरक्षा एवं प्लेसमेंट एजेंसी, रियलस्टेट, कन्स्ट्रक्शन कंपनी इत्यादि को शासन की निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है।

कोरोना आइसोलेशन की निगरानी में युवती, पिता खोला किराना दुकान, बालोद शहर की 2 किराना दुकानें हुई सील

पायनियर संवाददाता ⮜ बालोद
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के चलते जिला लॉक डाउन हो चुका हैं। जिला प्रशासन के द्वारा जारी किए गए आदेश एवं एडवायजरी का पालन नही करने वालों पर प्रशासन अब सख्ती बरत कार्यवाही करना शुरू कर दिया हैं। इसी के मद्देनजर मंगलवार रात को पालिका एवं राजस्व की सयुंक्त टीम ने शहर के 2 किराना दुकान को सील किया। आमापारा स्थित तथागत प्रोविजन एवं जनरल स्टोर्स एवं शिकारीपारा स्थित देशमुख किराना दुकान को आदेश की अवहेलना करने पर सील किया गया हैं। देशमुख किराना दुकान को तो रात में भी खोले जाने की वजह से सील किया गया हैं। लेकिन शहर के आमापारा स्थित तथागत प्रोविजन एवं जनरल स्टोर्स को तो इसीलिए सील किया गया है, क्योंकि दुकान संचालक के घर को होम आइसोलेशन विशेष निगरानी में रखा गया हैं। घर और दुकान दोनों एक साथ लगे हुए हैं। लेकिन लापरवाही बरतते हुए पिता ने दुकान खोली रखी। जिसके चलते पालिका एवं राजस्व की सयुंक्त टीम ने दुकान को सील किया है और घर से बाहर नहीं निकलने की कड़ी हिदायत दी गई हैं। बता दे कि लॉक डाउन और जिला प्रशासन की एडवायजरी का पालन नही करने वाले बड़े दुकानदारों पर भी जल्द कार्यवाही की जा सकती हैं। हालांकि पालिका सहित राजस्व एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट और सतर्क नजर आ रहा हैं। सुबह से लेकर रात तक राजस्व एवं पुलिस की टीम शहर के प्रमुख चौक-चौराहे तथा आदेश की अवहेलना करने वाले दुकानदारों पर कड़ाई से सख्ती बरत रहा हैं।

आदेश की अवहेलना करने वाले बाइक चालकों पर चल रहा पुलिस का डंडा

लॉक डाउन और एडवायजरी का पालन नहीं करने वालों पर पुलिस सख्त

बालोद। लॉक डाउन और जारी एडवायजरी का पालन नहीं करने पर अब पुलिस प्रशासन ने कड़ाई से सख्ती बरतना शुरू कर दिया हैं। जारी आदेशों की अवहेलना करने वाले लोगों पर पुलिस ने अपना डंडा चलाना शुरू कर दिया हैं। ऐसा ही कुछ नजारा बुधवार को दल्लीराजहरा मार्ग स्थित कॉलेज के सामने मुख्य मार्ग पर देखने मिला। जब एसडीओपी अमरनाथ सिदार सहित पुलिस की टीम धारा.144 एवं लॉक डाउन का पालन नही कर सड़कों पर बेवजह घूमने वाले लोगों, वाहन चालको पर डंडा चलाती नजर आई।

यहां यह बताना लाजिमी हैं कि कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव एवं सावधानी हेतु जो लॉक डाउन और आदेश जारी किया गया हैं, ये हम सब की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया हैं।

और जो आज हम पर सख्ती बरती जा रही है वो इसीलिए की हम जारी आदेश की अवहेलना कर रहे हैं। हम अगर बिना चूक किये एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज अदा कर शासन-प्रशासन की मदद करे और जारी किए सभी आदेशों का पालन करे तो हमें किसी भी प्रकार की कठिनाइयों का सामना नहीं करना होगा और हम सभी कोरोना की इस जंग में जीत जाएंगे।

वार्ड नं 12 के नवयुवकों ने किया मोहल्ले को लॉकडाउन

पायनियर संवाददाता ⮜ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

वार्ड नंबर 12 बिलसपुरिया धपई के नवयुवकों के द्वारा अपने मोहल्ले को कोरोना वायरस से बचाने हेतु एक अच्छी पहल की जा रही है । वंहा के नवयुवक जागरूक होकर माननीय प्रधानमंत्री जी के कहे अनुसार अपने परिवार व अपने मोहल्ले वाले को 21 दिनों तक पूरी तरह से दूर कर दिए व मोहल्ले में कोई आ न पाए हेतु उसे रोकने के लिए फाटक बना दिये जो भी इस रास्ते से आते दिखाई दे रहे है उन्हें प्रधानमंत्री जी की बात याद दिला कर लोगो को वापस जंहा से आये है वंहा जाने की समझाइश दी जा रही है। अगर हमारे देश के सभी नवयुवक इस तरह से जागरूक हो जाये तो निश्चित ही हमारे शासन, प्रशासन के साथ पुलिस व डॉक्टर नर्स राहत के सांस लेंगे और बहुत जल्द ही कोरोना जैसी महामारी हमारे देश से गायब हो जाएगी । इन नवयुवको सुनील सागर, अनिल सागर अमन, रमन, रवि, सुनील, प्रकाश, राहुल, गणपत, संपत ने कर्तव्य पालन कर देश के सामने मिसाल पेश की है ।

कोरोना वायरस से बचाव के लिए लोक सेवा केंद्र

बेमेतरा। कलेक्टर शिव अनंत तायल के निर्देश पर जिले में संचालित समस्त लोक सेवा केंद्र, ग्रामीण लोक सेवा केंद्र, सामान्य सेवा केंद्र, आधार केंद्रों को वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए 31 मार्च 2020 तक अथवा आगामी आदेश पर्यन्त तक पूर्णतः बंद रखे जाने का आदेश जारी किया गया है। ई.डिस्ट्रीक मैनेजर महेन्द्र वर्मा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं भारत सरकार व छत्तीसगढ़ शासन द्वारा समय समय पर जारी निर्देशों के अनुसार जिला सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा जिले में संचालित समस्त लोक सेवा केंद्र, ग्रामीण लोक सेवा केंद्र, सामान्य सेवा केंद्र एवं आधार केंद्रों को 31 मार्च 2020 तक अथवा आगामी आदेश पर्यन्त तक पूर्णतः बंद कर दिया गया है। किसी भी स्थिति में आपके केंद्र में भीड़ भाड़ की स्थिति उत्पन्न नहीं हो एवं किसी प्रकार के संक्रमण फैलने की संभावना नहीं हो इस कारण यह निर्णय लिया गया है।

लोकवाणी में इस बार पानी की परवाह विषय पर होगी बात

बेमेतरा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लोकवाणी में इस बार पानी की परवाह विषय पर प्रदेशवासियों से बात करेंगे। इस संबंध में कोई भी व्यक्ति आकाशवाणी रायपुर के दूरभाष नम्बर 0771 2430501, 2430502, 2430503, पर 25, 26 एवं 27 मार्च को अपरान्ह 3 से 4 बजे के बीच फोन करके अपने सवाल रिकार्ड करा सकते हैं। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री प्रदेश की जनता से रु-ब-रु होने, प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को लोगों के बीच अपनी बात साझा करते हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मासिक रेडियोवार्ता लोकवाणी की 9वीं कड़ी का प्रसारण आगामी रविवार 12 अप्रैल को होगा। लोकवाणी का प्रसारण छत्तीसगढ़ स्थित आकाशवाणी के सभी केन्द्रों, एफ एम रेडियो और क्षेत्रीय न्यूज चैनलों से सुबह 10.30 से 10.55 बजे तक होगा।

कोरोना संक्रमण को लेकर दहशत फैलाने, फेक न्यूज जारी करने वालों पर कानूनी कार्यवाही संभव

पायनियर संवाददाता ⮜ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण के संबंध में राज्य शासन द्वारा संतुलितए तथ्यपरक तथा पुष्ट समाचार जारी करने का आग्रह विभिन्न समाचार माध्यमों सोशल मीडिया से किया गया था लेकिन कतिपय व्यक्तियों तथा संस्थाओं द्वारा अवांछित समाचार प्रकाशित तथा प्रसारित करने की शिकायतें मिल रही हैं। राज्य शासन द्वारा गठित राज्य स्तरीय फेक न्यूज नियंत्रण एवं विशेष मॉनिटरिंग सेलष् ने इन खबरों को गंभीरता से लिया है। प्रदेश के विभिन्न स्थानों से ऐसी खबरें जारी की जा रहीं हैए जिससे जनमानस में भ्रम अथवा दहशत का वातावरण बन रहा है और लोग उसकी पुष्टि के लिए सम्पर्क कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा ऐसी विभिन्न खबरों को फेक न्यूज बताया गया है। राज्य शासन द्वारा गठित प्राज्य स्तरीय फेक न्यूज नियंत्रण एवं विशेष मॉनिटरिंग सेलष् ने अपील की है कि विभिन्न समाचार माध्यम तथा वेबसाइट आदि ऐसी कोई भी खबर प्रकाशित तथा प्रसारित नहीं करें। विभिन्न माध्यमों से प्रसारित अपुष्ट खबरों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने के पर्याप्त प्रावधान हैं। इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया में भी गलत/भ्रामक/तथ्यहीन सामग्री पोस्ट करने पर इन्फ रमेशन टेक्नालॉजी एक्ट की धारा 2;1 तथा इन्फ रमेंशन टेक्नालॉजी एक्ट की धारा 79 के अन्तर्गत इन्टरमीडिएडरी गाईड लाइन के तहत कार्यवाही की जा सकती है। इन धाराओं में व्यापक जनहित को प्रभावित करने के लिए होस्ट, डिस्प्ले, अपलोड,ए मोडिफाई, पब्लिश, ट्रांसमिट, अपडेट,शेयर करने की गतिविधियां भी गैर.कानूनी मानी गई हैं। इस समय वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संक्रमण से निपटना पूरी दुनिया के लिए एक चुनौती है और यह समय व्यापक जनहित में पत्रकारिता के उच्च मापदण्ड स्थापित करने का भी है।

लॉकडाउन की स्थिति मे पुलिस विभाग करेगा सहयोग

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से निबटने जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा हर संभव प्रयास किए जा रहे है। कोरोना के चलते लॉकडाउन की स्थिति मे कोई भी बेमेतरा जिले से बाहर या राज्य से बाहर के नागरिक हमारे जिले मे किसी कारण से अटके होंए तो किसी भी माध्यम से या अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विमल कुमार बैस के मोबाइल नंबर 9479191400 पर सूचित कर सकते हैए उनकी हर संभव मदद की जाएगी ।

अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना-11 दम्पत्तियों को 27 लाख स्वीकृत

पायनियर संवाददाता ⮜ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

प्रदेश के आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अस्पृश्यता निवारण हेतु अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना नियम 1978 के तहत विवाह करने वाले दम्पत्ति को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2019.20 मे बेमेतरा जिले के 11 दम्पत्ति को संयुक्त रूप से ढाई.ढाई लाख रूपए के मान से 27 लाख 50 हजार रु स्वीकृत किये गये है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास बेमेतरा ने बताया कि इनमें क्रमशः. राजा रत्नाकर ग्राम.लोहडंगिया, थाना.नांदघाट, एवं सरिता पटेल, विरेन्द्र कुमार सतनामी ग्राम.खपरी, पो आ.नांदघाट एवं रानी देवांगन, लोचकुमार डहरिया ग्राम.भोथिडिह पो आ.मोहरेंगा एवं सुमन रजक,राकेश गायकवाड़ ग्राम. गोपालपुर पो आ.कुंवा एवं चंद्राणी निषाद, अश्वनी कुमार सतनामी ग्राम.मुरकुटा पो.कुंरा एवं पूजा वर्मा, रोशन सिंह बघेल दुर्ग एवं नीतू बाल्मिक, ज्वाला सतनामी ग्राम.बैजी पो.बेमेतरा एवं पदमनी कुर्मी, हीरालाल चतुर्वेदी ग्राम. गोपालपुर पो.कुंवा एवं सविता साहू, सुनील जंघेल ग्राम.भरदागोड़ पो.बुंदेली एवं रिंकेश्वरी लहरे, कोमल कोशले ग्राम,पो.सरदा एवं प्रिया रानी गुप्ता, तेजसिंह सतनामी ग्राम, पो.बदनारा एवं भुनेश्वरी साहू शामिल है।

ज्ञातव्य हो कि समाज में जाति, पाति, ऊंच.नीच के आधार पर अनुसूचित जाति के लोगों के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार को समाप्त करने के उद्देश्य से नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम . 1955 में अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का प्रावधान किया गया है। कानून द्वारा विवाह हेतु निर्धारित न्यूनतम आयु प्राप्त अनुसूचित जाति के लड़के अथवा लड़की द्वारा सामान्य वर्ग ;संवर्णद्ध के लड़की अथवा लड़के से विवाह करने पर हितग्राही की पात्रता होगी। योजना के तहत संवर्ण लड़के अथवा लड़की के द्वारा अनुसूचित जाति की लड़की अथवा लड़के से अंतर्जातीय विवाह के साहसिक कार्य हेतु वर्तमान में प्रति जोड़ा ढाई लाख रूपए एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाने का प्रावधान है।

ज्ञात हो कि प्रदेश के आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन संचालित की जा रही है। जिसके अंतर्गत कानून द्वारा विवाह हेतु निर्धारित न्युनतम आयु प्राप्त अनुसूचित जाति के लड़के अथवा लड़की द्वारा सामान्य वर्ग सवर्ण के लड़की अथवा लड़के से विवाह करने पर इस योजना का लाभ दिया जाता है।

जिला मुख्यालय के देवी मंदिरों में केवल माई का ज्योति कलश प्रज्वलित हुआ

मंदिर में किसी भी श्रद्धालुओं का नहीं स्थापित हुआ मनोकामना ज्योति कलश

पायनियर संवाददाता ⮜ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय में स्थित देवी मंदिरों में पहली बार नवरात्रि पर्व में किसी भी श्रद्धालुओं का मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना नहीं हुई केवल मंदिर के द्वारा ही की सामूहिक रूप से एकमात्र ज्योति कलश की स्थापना विभिन्न शुभ मुहूर्त में स्थापित किया गया चेत नवरात्रि भी अधिकांश देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योति कलश एवं तेल का हर साल दोनों पर्व में स्थापित होता रहा है किंतु इस साल कोरोना वायरस के चलते भीड़भाड़ को ध्यान में रखते हुए मंदिर समितियों के द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि किसी भी श्रद्धालुओं के मनोकामना ज्योति कलश की स्थापना नहीं किया जाएगा जिसके चलते चैत के नवरात्रि के प्रथम दिन विभिन्न मंदिरों में विभिन्न शुभ मुहूर्त मे आचार्यो के सानिध्य में केवल मंदिरों में एक एक ज्योति कलश की स्थापना किया गया

महामाया मंदिर में अभिजित मुहूर्त पर राम जी पाठक आचार्य के सानिध्य में अभिजीत मुहूर्त व पर ज्योति कलश की स्थापना की गई यहां पर आचार्य के द्वारा दुर्गा सप्तशती सहित अन्य पाठ किए जाएंगे इसी तरह शीतला मंदिर में आचार्य बलदेव शास्त्री महाराज के सानिध्य में अभिजीत मुहूर्त पर मंदिर का एकमात्र ज्योति कलश की स्थापना किया गया यहां भी आचार्य के द्वारा पाठ किया जाएगा इसी तरह मां भद्रकाली मंदिर में भी ब्रह्म मुहूर्त पर आचार्य राम कुमार शास्त्री के उपस्थिति में मंदिर का एकमात्र ज्योति कलश की स्थापना किया गया।

घरों में इस साल नहीं हो पाया जोत जंवारा, ज्योति कलश की स्थापना : यह पहला अवसर है कि जिले के कई घरों में प्रतिवर्ष क्वांर नवरात्रि पर्व एवं चैत नवरात्रि पर्व पर मनोकामना ज्योति कलश के साथ.साथ लोग श्रद्धा भाव से जोत जवारा की स्थापना करते रहे किंतु इस साल अधिकांश लोग चाहते भी अपने घरों में मनोकामना ज्योति कलश अथवा जोत जवारा की स्थापना नहीं कर पाए कई लोग तो ज्योति अपने घरों में जो जवारा स्थापित करने के लिए अपने रिश्तेदारों तथा परिचितों को निमंत्रण पत्र भी भेज चुके थे और उसकी तैयारी भी बड़े जोर शोर से करते हुए घरों में रंग रोगन भी कर लिए थे किंतु अंतिम समय में कोरोना वायरस के कारण लोगों ने अपनी इच्छा को दबाते हुए उसे स्थगित कर दिया गया

विधायक ने दिया एक माह का वेतन साथ ही मास्क वितरण किया

बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने वार्ड नं 04 सुंदर नगर में आम जनता को नोवल कोरोना वायरस से सुरक्षा के उपाय बताते हुए वार्ड में मास्क एवं सेनेटाइर्जर का वितरण किया तथा वार्ड वासियों से घर मे रहने तथा टीवी के माध्यम से बताये जा रहे शासन की ओर से उपायों को अपनाने की अपील की साथ ही लोगों को बताया कि आवश्यक सुविधओं के लिए किराना तथा सब्जी की दुकानें समय समय पर खुलवाये जायेगी जिससे लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं की मूल भूत चीजे खरीद सके इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शंकुतला साहू एवं वार्ड पार्षद रानी सेन आशीष रामद्ध ठाकुर पार्षद उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि विश्वव्यापी प्रसार कर रहे 'नोवल कोरोना वायरस महामारी की रोक थाम हेतु अपने मार्च माह में प्राप्त होने वाले बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र की जनता के स्वस्थ्य सुरक्षा' में आवश्यक समानो क्रय तथा उन्हें आम जनता में वितरित किये जाने हेतु समर्पित करने की घोषणा की है, इस अवसर पर विधायक आशीष छाबड़ा ने बताया कि उनके मार्च माह के वेतन का उपयोग बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में मास्क, सेनेटाइर्जर, मेडिकल स्प्रिट इत्यादी समानो की खरीदी कर आम जनता को वितरित किया जायेगा जिससे बेमेतरा विधानसभा की जनता को कोरोंना वायरस के खिलाफ लड़ाई लड़ने में सहायता प्राप्त हो उन्होंने ने सभी नागरिकों से विन्नम अपील की है कि वे अपने घरों में रहे भीड़ में ना जावे तथा सुरक्षा हेतु बताये जा रहे आवश्यक निर्देशों का पालन करे व किसी अफवाह में न आये न ही अफ्वाह फैलाये हम सभी मिलकर कोरोना वायरस के खिलाफ इस लड़ाई में जीत हासिल करेंगे तथा अपने क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा करेंगे।

पार्षद ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 21 हजार रुपये देने की बात कही

एक तरफ जहां पूरा देश वैश्विक महामारी कोरोनो से भयभीत ओर पीड़ित हो रहा वही शासन प्रशासन आम जनता को इसके बचाव के उपाय सुझाव बता इसके रोकथाम में लगी है वही जनता को इससे सुरक्षित रखने जहाँ शासन प्रशासन आवश्यक कदम उठा रही वही ऐसा ही प्रयाश साजा नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 8 बाबा रामदेव वार्ड की महिला पार्षद ज्योति राठी ने आज अपने वार्ड में घर घर दस्तक दे कोरोना से सुरक्षा हेतु वार्डवासियों को मास्क डेटॉल का बाटल एडेटॉल साबुन वितरण कर जनता से शासन प्रशासन के सुरक्षा उपायों को मानने घरों से बाहर नही निकलने लगातार हाथों की धुलाई सफाई करने घर तथा आस पास सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की पार्षद श्रीमती ज्योति राठी ने कहा कि हम सबकी जागरूकता ओर एकता से इस महामारी की रोकथाम सम्भव है हम सबके लिए सर्वप्रथम देश हित है पार्षद ज्योति राठी ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में 21000 हजार रुपये प्रदान करने की जानकारी दी। पार्षद के इस पहल का वार्ड सहित नगरवासियों ने स्वागत किया है।

क्विक न्यूज

ग्रामीण इलाकों में लॉक डाउन का नहीं दिख रहा असर

कोरबा। चीन से शुरुआत होकर और अनेकों देशों को अपनी चपेट में लेने वाले तथा इन दिनों भारत में भी गंभीर महावारी के रूप में उभरी कोरोना वायरस संक्रमण की रोकथाम के लिए युद्धस्तर पर जारी प्रयासों के बीच लॉकडाउन का असर तो शहरी एवं कस्बाई क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में यह बेअसर साबित हो रहा है। ग्रामी.ा बेपरवाह होकर घरों से बाहर गली-मोह.ों में एकजुट नजर आ रहे है। यहाँ तक कि सरकार द्वारा लागू धारा 144 का भी खुलेआम उल्लं.ान करते हुए निजी तथा शासकीय निर्मा.ा कार्य ग्रामी.ा इलाकों में बदस्तूर जारी है। .ाात हो कि भारत देश व प्रदेश सहित कोरबा जिले में भी गत 22 मार्च से 144 धारा के साथ शहरी सहित ग्रामीण क्षेणो में भी लॉकडाउन लागू है जहाँ नोवल ोरोना वायरस संक्रमण को मात देने शासन-प्रशासन द्वारा पूरी तरह एहतियात बरती जा रही है।

संक्रमण की रोकथाम के लिए 24 घंटे संचालित होगा कंट्रोल रूम

सक्ती। जांजगीर चांपा कलेक्टर जनक प्रसाद पाठक ने 25 मार्च को जिला कार्यालय में कोर कमेटी के सदस्यों की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए केन्द्र सरकारए राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य विभाग की एडवायसरी का कड़ायी से पालन करवाया जाय। कोरोना वायरस के रोकथाम के संबंध में सूचना व शिकायत प्राप्त करने के लिए जिला कार्यालय में कंट्रोल रूम प्रारंभ कर दिया गया है। कंट्रोल रूम का 24 घंटे संचालित होगा। कंट्रोल रूम का संपर्क नंबर 07817.222123 है। कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए जरूरी सूचना व शिकायत दर्ज करवा सकता है। कंट्रोल रूम में नामजद डियूटी लगाई जा रही है। प्राप्त सूचना व शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

लैलूंगा विधायक ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में दिया एक माह का वेतन

रायगढ़। लैलूंगा विधायक चक्रधर सिंह सिदार ने राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कोरोना वायरस के लिए महत्वपूर्ण कदमो की सराहना करते हुए इस गम्भीर संकट के समय मे मुख्यमंत्री सहायता कोष में अपना एक माह का वेतन देने की घोषणा की और प्रदेश सरकार के निर्देशों का उचित क्रियान्वयन करने की विनम्र अपील की और इस भीषण समय मे शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पूर्णता पालन करने का आग्रह किया है। इस गंभीर संकट के समय मे हम सब एक जुट हो कर घर मे रह कर शासन की मदद कर सकते हैं।

रायगढ़ में प्रशासन की सख्ती का दिखा असर, सड़कें सूनी, बाजार शांत

24 घंटे के भीतर पुलिस की कड़ाई का दिखा असर, लोगों से की अपील, पुलिस व जिला प्रशासन का सहयोग करें

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोना से लड़ने के लिए अब प्रदेश की पुलिस सख्ती से कार्रवाई करने में जुट गयी है। प्रशासन की इन सख्ती का असर अब पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश सहित रायगढ़ में भी देखा गया। लॉक डाउन बाद से अब रायगढ़ की सड़के सूनी दिखी और बाजार भी शांत दिखे। सड़कों पर एक्का-दूक्का ही गाड़िया चलते हुए नजर आयी। रायगढ़ पुलिस के द्वारा चौक चौराहे पर बैरिकेट लगाकर अनावश्य रूप से वाहनों में घूम रहे लोगों को पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए घरों में वापस भेजा। साथ ही जरुरी काम से जा रहे लोगों से पूछताछ कर उन्हें उनके गंतव्य स्थान तक जाने दिया गया। पुलिस ने लोगों से अपील करते हुए चेताया कि लॉक डाउन का पालन करे और जरुरत हो तभी वो घर से निकले।

प्रशासन द्वारा लगातार अपील किया जा रहा है कि अनावश्य रूप से घरों से ना निकले, लॉक डाउन का पालन करे। वहीं पुलिस प्रशासन के द्वारा थाना प्रभारियों और पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया है कि अनावश्य रूप से वाहनों में घूम रहे लोगों को वापस घरों में भेजें और उनका आईडी भी चेक करें जो व्यक्ति नियमों का उगंघन करे उस कार्रवाई करें।

वहीं एसडीएम आशीष देवांगन, एडिशनल एसपी अभिषेक वर्मा, सीएसपी अविनाश सिंह ठाकुर, तहसीलदार व जिला प्रशासन के अधिकारी लगातार लोगों को घरों में रहने की अपील कर रहे हैं। वहीं कल पुलिस सख्ती के कारण अनावश्यक रूप से घरों से बाहर निकलकर पुलिस से झूठ बोलने वालों को काफी मंहगा पड़ा है। रायगढ़ में जिला-प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए मोर्चा संभाल रखा है। खासतौर पर रायगढ़ पुलिस 24 घण्टे अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद है। जगह-जगह पुलिस मुनादी कर के लोगों से अपील कर रही है कि अनावश्यक अपने घरों से न निकले। हालांकि कल से पुलिस ने सख्ती भी बरतना शुरू कर दिया है। ऐसे में जिले के एसपी संतोष सिंह ने खुद मोर्चा संभाल लिया और कल सुबह से ही वो खुद सड़कों पर उतर आए और लॉक डाउन का पालन कर पुलिस और जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपील कर रहे हैं।

जगह जगह पुलिस के जवान मुस्तैद

वहीं कई स्थानों पर चक्रधर नगर, हेमु कल्याणी चौक, शहीद चौक, रामनिवास टॉकीज चौक, सुभाष चौक, गौरीशंकर मंदिर चौक, हटरी चौक, रेलवे स्टेशन, सत्तीगुढ़ी चौक, कोतरा रोड समेत कई स्थानों पर पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है हर जगह पुलिस के जवान मौजूद हैं और बेवजह अपने वाहनों पर घूम रहे लोगों को चेताते हुए, नहीं मानने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की गई। लोगों की आईडी चेक की जा रही है। पुलिस की सख्ती के चलते आज रायगढ़ की सड़के विरान देखी गई।

अति आवश्यक उद्योगों को छोड़कर शेष उद्योगों को बंद करने के निर्देश

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के मद्देनजर राज्य शासन के वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा खाद्य प्रसंस्करण, चिकित्सा, दवाईयों तथा उपकरण को छोड़कर अन्य उद्योगों के उत्पादन तथा संचालन बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। विभाग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है भारत सरकार द्वारा आवश्यक सेवाओं की सूची में शामिल उद्योगों जैसे-खाद्य प्रसंस्करण, चिकित्सा और आवश्यक दवाईयों तथा उपकरण से संबंधित संस्थानों और सेवाओं का संचालन करने तथा शेष औद्योगिक संस्थानों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक उत्पादन एवं संचालन बंद किया जाए। इनमें ऐसे संस्थान शामिल नहीं है, जिनमें उत्पादन की प्रक्रिया लगातार चलती हो यथा ब्लास्ट फर्नेस प्रक्रिया से लौह निर्माण आदि। सभी कलेक्टरों और जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधकों को जारी निर्देश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा औद्योगिक संस्थानों में कोविड-19 संक्रमण की गंभीरता तथा देश एवं प्रदेश में इस संक्रमण विस्तार के खतरे को ध्यान में रखते हुए इसकी रोकथाम के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। राज्य में

वाणिज्य व उद्योग विभाग द्वारा विस्तृत दिशा-निर्देश जारी

स्थापित समस्त औद्योगिक-व्यापारिक इकाईयों को निर्देशित किया गया है कि वे केवल उन इकाईयों जो भारत शासन द्वारा आवश्यक सेवाओं की सूची में अनुमत हो, यथा-खाद्य प्रसंस्करण, चिकित्सा से संबंधित आवश्यक दवाएं एवं उपकरण से संबंधित औद्योगिक संस्थानों-सेवाओं का प्रचालन किये जावे।

शेष औद्योगिक संस्थानों (उन संस्थानों को छोड़कर जिनमें उत्पादन प्रक्रिया अनवरत प्रकृति की हो यथा-ब्लास्ट फर्नेस प्रक्रिया से लौह निर्माण) को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक उत्पादन एवं संचालन बंद करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार औद्योगिक संस्थानों में नियमित एवं अनियमित अधिकारियों-कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन-भत्ते समय पर देने, अनवरत प्रकृति के उत्पादन वाली इकाईयों-संस्थाओं में न्यूनतम अनिवार्य आवश्यकता तक ही अधिकारियों-कर्मचारियों का उपयोग करने महामारी से सुरक्षा के लिए दिए जा रहे निर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करने, इन संस्थान में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों के स्वास्थ्य की सतत् निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण के विषय में भारत शासन एवं राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी समस्त दिशा.निर्देशों का व्यापक प्रचार प्रसार नियमित रूप से किया जाए। अति आवश्यक वस्तुओं का उत्पादन करने वाली तथा कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी तथा इन इकाईयों के संपर्क में आने वाले प्रवासियों के हित को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर जिला कलेक्टर से पूर्वानुमति के पश्चात इकाई का संचालन किया जा सकता है। इसके लिए संबंधित जिले के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से पूर्वानुमति के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जा सकता है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी डयूटी पर तैनात

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

जांजगीर चांपा जिले में राज्य सरकार के निर्देश पर कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम एवं आवश्यक सावधानी के लिए सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को तत्काल प्रभाव से बंद किया गया है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा पंजीकृत हितग्राही गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों के घर तक रेडी टू ईट का पैकेट पहुंचाया जा रहा है। साथ ही कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम तथा आवश्यकत सावधानियों के लिए जागरूक कर रही है। इसके लिए घर पर ही रहनेए बाहर ना निकलने के लिए भी समझाया जा रहा है। शारीरिक स्वच्छता एवं साबुन से बार.बार हाथ धोने का तरीका भी बताया जा रहा है।

कोरोना वायरस कोविड 19 के संक्रमण पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी और मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद किया गया है। इस अवधि में आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 3 से 6 वर्ष तक आयु वर्ग के सामान्य, मध्यम और गंभीर कुपोषित बच्चों को गर्म भोजन के स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में 150 ग्राम रेडी टू ईट प्रतिदिन की मात्रा में 750 ग्राम के पैकेट का वितरण किया जा रहा है। ज्ञातव्य है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोरोना वायरस कोविड .19 एक संक्रामक बीमारी है।

लाक डाउन में जरूरतमंद लोगों को भोजन पैकेट उपलब्ध करवाने की तैयारियां

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर के करीब 30 युवाओं के युवा मित्र मंडल ने वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव हेतु पूरे शहर सहित अंचल में लाग डाउन की स्थिति में कर्फ्यू सा आलम को देखते हुए जरूरतमंद एवं ऐसे गरीब परिवार जो की पूर्णता पूरे देश में कर्फ्यू की स्थिति के चलते अपना जीविकोपार्जन न कर पाने के कारण अपने एवं अपने परिवारजनों के लिए दो वक्त की रोटी भी व्यवस्था नहीं कर पा रहे हैं ऐसे लोगों के लिए शहर के युवाओं ने एक सकारात्मक पहल करते हुए जन सहयोग से 500 राशन सामग्री के पैकेट तैयार किए गए हैं, जिसमें आवश्यकता अनुरूप

जरूरत की सामग्रियां एवं कच्चा राशन दिया जा रहा है जिससे यह गरीब एवं जरूरतमंद परिवार अपनी पूर्ति कर सकें तथा इस कार्य के लिए बकायदा युवाओं की टीम ने वॉलिंटियर के रूप में अपना कार्य प्रारंभ करते हुए अपने संपर्क नंबर सार्वजनिक किए हैं तथा कोई भी ऐसे व्यक्ति या की परिवार जिन्हें इन भोजन पैकेट की आवश्यकता है वह संपर्क कर सकते हैं, तथा युवा मित्र मंडल शक्ति के यह वॉलिंटियर बकायदा उनके स्थानों पर जाकर उन्हें यह पैकेट उपलब्ध करवाएंगे, शक्ति शहर में इस पहल की लोग सराहना कर रहे हैं तथा यह एक अच्छा प्रयास है कि युवाओं ने इस संकट की घड़ी में ऐसे लोगों को भोजन उपलब्ध करवाने हेतु यह प्रयास किया है, वैसे तो राज्य सरकार एवं केंद्र की सरकार भी अपने. अपने स्तर पर इस संकट की घड़ी में लोगों को निःशुल्क पीडीएस का राशन भी उपलब्ध करवा रही ह, किंतु इसके बावजूद बहुत से परिवार एवं व्यक्ति इन सभी के बावजूद शासन की योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते तथा प्रतिदिन कमा खाकर अपनी जीविकोपार्जन चलाते हैं।

लॉग डाउन के बाद कर्फ्यू सा आलम, नवरात्रि में देवी मंदिरों के पट बंद

पायनियर संवाददाता < सक्ती
www.dailypioneer.com

शक्ति शहर सहित पूरे अंचल में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 24 मार्च की रात्रि राष्ट्र के नाम दिए गए संदेश में वर्तमान में कोरोना वायरस के संक्रमण से देश को बचाने के लिए सोशल डिस्टेंस एवं घरों में रहकर ही 24 मार्च से आगामी 21 दिनों तक सावधानीपूर्वक इसका मुकाबला करने कहा गया है, जिस पर 25 मार्च को शक्ति शहर में भी चारों ओर कर्फ्यू सा आलम नजर आया, चूंकि 25 मार्च को भारतीय संस्कृति के अनुसार चैत्र नवरात्रि पर्व एवं हिंदू नववर्ष का शुभारंभ हुआ है किंतु इसके बावजूद शहर के प्रसिद्ध आदि शक्ति मां महामाई दाई मंदिर, मां भीमेश्वरी देवी बेरी वाली मंदिरों में भक्तजनों के लिए पट खुले ही नहीं, वहीं दूसरी ओर शक्ति शहर के श्री रामचंद्र मारवाड़ी पंचायती मंदिर ट्रस्ट, श्री राधाकृष्ण मंदिर सेवा समिति शक्ति द्वारा भी पूर्व में ही अपने मंदिरों के बाहर आगामी आदेश तक भक्तों के दर्शन के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है, तो वहीं शहर के व्यापारी बंधु भी अपनी दुकानों के बाहर बड़े.बड़े फ्लेक्स बैनर लगाकर लोगों को आगामी आदेश तक दुकान बंद रहने की जानकारी दे चुके हैं, मंदिर प्रबंधन द्वारा संक्रमण से बचाव हेतु पूर्व से ही मंदिरों में दर्शन हेतु प्रतिबंध लगा दिया गया है, किंतु नवरात्रि पर्व के चलते देवी मंदिरों में मंदिर के पुजारियों एवम प्रबंधन द्वारा मनोकामना ज्योति कलश विधिवत प्रज्वलित जरूर करवाए गए।

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए चलाया जा रहा अभियान

पायनियर संवाददाता < कोरबा
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण हेतु नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वृहद अभियान का संचालन किया जा रहा है। आयुक्त राहुल देव ने सम्पूर्ण कोरबा नगर निगम क्षेत्र को 20 बीटों में बांटकर प्रत्येक बीट हेतु अधिकारी कर्मचारियों की तैनाती की है, जो जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कोरोना वायरस के संबंध में जारी विभिन्न प्रतिबंधात्मक आदेशों का पालन कराते हुए संक्रमण से बचाव व नियंत्रण संबंधी सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कर रहे हैं। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, महापौर राजकिशोर प्रसाद व कलेक्टर किरण कौशल द्वारा बचाव व नियंत्रण संबंधी सभी कार्यों पर निरंतर नजर रखी जा रही है। महापौर ाजकिशोर प्रसाद, कलेक्टर किरण कौशल एवं आयुक्त राहुल देव के सतत मार्गदर्शन में नगर निगम कोरबा क्षेत्र में कोविड.19 के संक्रमण से बचाव व नियंत्रण के सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं, नगर निगम कोरबा, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर

आयुक्त ने निगम क्षेत्र को 20 बीटों में बांट कर अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती

कोरोना वायरस के विरूद्ध लड़ी जा रही इस लड़ाई में पूरी सजगता के साथ कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में राज्य शासन द्वारा कोविड.19 के संक्रमण से बचाव हेतु घोषित लाकडाउन के दौरान वृहद पैमाने पर अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए गए हैए जिसके परिपालन में आयुक्त राहुल देव ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र के समस्त 08 जोन क्षेत्रों को 20 बीट में विभाजित कर प्रत्येक बीट हेतु अधिकारी कर्मचारियों की तैनाती की है, जो आज से ही अपने निर्धारित दायित्वों का निर्वहन करना प्रारंभ कर चुके हैं।

प्रधानमंत्री के अपील का पालन करे

जैजैपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश में सभी देशवासियों से मार्मिक अपील की है कि सोशल डिस्टेंसिंग अर्थात एक दूसरे से दूरी बना करके अपने घर में रहना ताकी कोरोनावायरस को हराया जा सके ।हम मोदी जी के अपील का पुरजोर समर्थन करते हैं । और हमारे नगर के जनताओं से विनम्र निवेदन करते हैं कि जिस तरह से हमारे नगर के जनता ने जनता कर्फ्यू का समर्थन किया था उसी तरह मोदी जी के 21 दिन के लॉक डाउन का समर्थन करें।यह हमारे अपने तथा अपने परिवार अपने नगर एवं अपने देश की रक्षा करना पहला एवं महत्वपूर्ण कर्तव्य है ।

-इसका एक मात्र उपाय सभी लोग आगामी 14 अप्रैल तक अपने घर पर ही रह कर मोदी जी की देश हित में ऐतिहासिक लॉकडाउन के अपील का सम्मान करते हुए राष्ट्रहित में अपना योगदान प्रदान करें।

-सोनसाय देवांगन, अध्यक्ष नगर पंचायत जैजैपुर

अब तक 16 के खिलाफ अपराध कायम

पायनियर संवाददाता < रायगढ़
www.dailypioneer.com

कोरोवा वायरस को रोकने के लिए अगले 21 दिन के लिए पूरे देश को लॉकडाउन कर दिया गया है। वहीं रायगढ़ में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। काफी हद तक लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं। वहीं पुलिस के द्वारा भी लॉक डाउन का पालन कराने के लिए जगह जगह तैनात है और नियमों का उगंघन करने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। जहां इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बताया कि नियम तोड़ने के एवज में जो निर्धारित समय के बाद भी दुकान खोल रहे हैं या फिर अन्य किसी तरह से नियमों को तोड़ रहे हैं। उनके खिलाफ अपराध कायम किया गया है। जिले में अब तक सोलह ऐसे लोगों पर कार्रवाई की गई है। वहीं मोटर व्लीकल एक्ट के तहत जिले में लगभग चार सौ पर कार्रवाई की गई है। उनका कहना है कि जिसे बहुत ज्यादा जरूरी काम है। उसमें परिवार से एक ही आदमी निकले। सुबह पांच से नौ बजे तक किराना दुकान, फल, सब्जी, पेट्रोल पंप, गैस सभी सुविधा मिलेगी और सब्जी दुकानों में अफवाहों पर ध्यान न दे। लगातार इसकी सप्लाई रहेगी। सबसे महत्पूर्व बात यह है कि इस दौरान किसी भी प्रकार की भीड़ इक्ट्ठी न हो। स्पंज आयरन की कंपनी शाकबंरी प्लांट को नियमों की अवहेलना करने पर उसे सील कराया गया है और पुलिस को किसी भी तरह से सूचना मिल रही है कि कोई अगर बाहर से आकर रूका हुआ है तो उसका पूरी तरह से वैरीफाई कराया जा रहा है। ताकि इस कोरोना वायरस को रोका जा सके।

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत भी हुई कार्रवाई, अफवाहों पर न ध्यान न देने की अपील

पेज 1 के शेष...

कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा..

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दो महीने का राशन पूरी तरह से मुफ्त दिया जाएगा. इसे लेकर सभी राशन दुकानों को निर्देशित कर दिया गया है. वहीं मुख्यमंत्री ने दूसरे प्रदेशों में फंसे राज्य के मजदूरों के लिए भी एक बड़ा ऐलान किया है. सीएम बघेल ने अपने संदेश में कहा है कि जो भी लोग इस वक्त जहाँ पर फंसे हैं वहीं पर रहे. उन्हें किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी. वे संबंधित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात कर रहे हैं. अगर आवश्यकता पड़ी तो वे मजदूरों के खाते में छत्तीसगढ़ सरकार पैसे ट्रांसफर करेगी.

वहीं उन्होंने राज्य के लोगों से यह अपील की है कि लोगों 21 दिनों को तप का दिन माने. नवरात्रि के पर्व में हम अपने ईष्ट के पास रहते हैं. बस इसी तरह से हमें अपने घर में रहना है. इन 21 दिनों को आप कानून की सख्ती न समझे, बल्कि यह समझे कि यह जीवन की सुरक्षा है।

जीवन को बचाने के जो भी उपाय किए जा रहे हैं वे सब कर रहे हैं. उन्होंने गाँव वालों से कहा कि कोई भी बाहर आना-जाना न करें. न ही किसी को एक गाँव से दूसरे गाँव में आन दीजिए. अभी आप सभी को सजग और सतर्क रहने की जरूरत है।

कोरोना वायरस से 18,589 मौतें...

39,885 हो गयी है। इसके अलावा कोरोना वायरस ने इटली, ईरान, अमेरिका और दक्षिण कोरिया समेत विश्व के कई और देशों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसके संक्रमण के आधे से अधिक मामले अब चीन के बाहर के हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार चीन के बाद इटली में इस जानलेवा वायरस ने व्यापक स्तर पर अपने पैर पसार लिये हैं और यहां कोरोना से मरने वाली की संख्या चीन से करीब दोगुना हो चुकी है। विश्व के कुछ अन्य देशों में भी स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। इसके अलावा स्पेन में भी कोरोना के कारण गंभीर स्थिति बनी हुई है जहां कोरोना से मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,808 हो गयी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक स्पेन में कोरोना से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 39,885 हो गयी है। अमेरिका में भी कोरोना का गंभीर प्रकोप है। विश्व भर में फैली इस बीमारी से अमेरिका में अब तक 53,740 लोगों के इस वायरस से संक्रमित हुए हैं जबकि 706 लोगों की मौत हो चुकी है। कोरोना संक्रमण के मामले में अमेरिका का पूरे विश्व में तीसरा स्थान है। कोरोना वायरस से अब तक पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में 3502, यूरोपीय क्षेत्र में 10189, दक्षिण-पूर्वी एशियाई क्षेत्र में 65, पूर्वी भूमध्ययागरीय क्षेत्र में 1877, अमेरिका के नजदीक पड़ने वाले क्षेत्रों में 565 और अफ़्रीकी क्षेत्र में 26 लोगों की मौत हुई है।

कोरोना वायरस से ईरान में अब तक 1934, फ्रांस में 1100 और ब्रिटेन में 422 मौतें हुई हैं। दक्षिण कोरिया समेत विश्व के कई और देशों को अपनी गिरफ्त में ले लिया है। इसके संक्रमण के आधे से अधिक मामले अब चीन के बाहर के हैं। पूरे विश्व में अबतक सवा लाख से अधिक लोगों को स्वस्थ्य किया जा चुका है।

लॉकडाउन के बीच मनेगी नवरात्रि

पायनियर संवाददाता < कोरबा
www.dailypioneer.com

इस बार 25 मार्च से 2 अप्रैल तक चैत्र नवरात्रि होगी। सर्वमंगला मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में मनोकामना ज्योत नहीं जलेंगे। न ही मेला लगेगा। कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने मंदिर प्रबंधन ने यह निर्णय लिया है। वहीं जसगीत व भजन कीर्तन भी भीड़ को रोकने के लिए आयोजित नहीं किए जाएंगे। सर्वमंगला मंदिर सहित अ.य देवी मंदिरों में नौ दिनों तक पूजा-अर्चना होगी मगर लोगों की आवाजाही पर रोक है। पंडितों व ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने .ारों में रहकर देवी आराधना करने की बात कही है। इस बार नवरा.ा में किसी भी तिथि का क्षय नहीं है अर्थात नवरा.ा पूरे 9 दिन ही होंगे। यही नहीं इस अवधि में पड़ने वाले ,4 सर्वार्थ सिद्धि योग, 4 रवि योग तथा एक गुरु पुष्य योग इसे ओर भी शुभ बना रहे हैं। इस संयोग भरे नवरात्र में की गई पूजा अर्चना का विशेष लाभ प्राप्त होगा। नवरात्र

का पर्व ऋतु परिवर्तन का भी सूचक है। सर्दियों से गर्मियों की यात्रा आरंभ होने का समय है। मौसम बदलने से हर तरह के संक्रमण भी समाप्त होने लगते हैं। रामनवमीं में नहीं विवाह का मुहूर्त अक्सर यह मान्यता रहती है कि नवरात्रों में बिना मुहूर्त देखे विवाह कर लिया जाए परंतु इस वर्ष, 14 मार्च से 2 अप्रैल तक मलमास के करण ऐसे मांगलिक कार्य नहीं हो सकेंगे। अप्रैल में पहला वैवाहिक मुहूर्त 15 अप्रैल से आरंभ होगा। वैसे भी कोरोना वायरस के चलते अभी शादी, विवाह व अन्य मांगलिक कार्य से भी लोग बच रहे हैं।

लॉक डाउन में फंसा ट्रेलर चालक ओडिसा से आया है सरिया लेकर

पायनियर संवाददाता < कोरबा
www.dailypioneer.com

नेशनल थर्मल पॉवर कार्पोरेशन के कोरबा प्रोजेक्ट प्रबंधन ने लॉकडाउन का परिपालन करते हुए बाहर से आए हार्डवेयर को खाली कराने से मना कर दिया। संबंधित ट्रेलर इस वजह से एनटीपीसी के आउटर पर खड़ा हुआ है। सामान लेकर आने वाले चालक की इन कारणों से परेशानी बढ़ गई है। मौजूदा स्थिति में वह वापस भी नहीं लौट सकता। उसने समाधान के लिए कई स्तर पर प्रयास किया है। ट्रेलर क्रमांक आरजे-48जीबी- 0329 आज सुबह ही इस क्षेत्र में पहुंचा। राजस्थान पासिंग यह वाहन व्यवसायिक उपयोग में चल रहा है। खबर है कि ओडिसा के एक स्टील उद्योग से निर्मित सरिया की कई टन मा.ाा इसमें लोड की गई। इसके लिए एनटीपीसी की ओर से पिछले दिनों इनवाइस और दूसरी प्रक्रियाएं पूरी की गई थी। उक्तानुसार कंसाइन औपचारिकताओं को पूरा किया गया। इस आधार पर निर्मा.ाी इकाई की ओर से संबंधित सामान की आपूर्ति की दिशा में काम किया गया। इसके तहत इस ट्रेलर में सरिया लोड की गई और इसे कोरबा के लिए भेजा गया। जानकारी है कि एनटीपीसी परियोजना क्षे.ा में हो रहे निर्मा.ा कार्य में इसका उपयोग किया जाना है। वाहन के साथ भेजे गए चालक ने आज अपने यहां पहुंचने और लाए गए सामान की अनलोडिंग से पहले इसे कांटा.ार में तौल कराने की जानकारी ली। उसे यहां से जवाब मिला कि 31 मार्च तक के लिए लॉकडाउन है इसलिए इस अवधि तक बाहर से आए ऐसे किसी भी सामान को स्वीकार करने के लिए अगले आदेश की प्रतीक्षा करनी होगी। चालक ने रायगढ़ में संबंधित पार्टी को इसकी जानकारी दी। कई स्तर पर बातचीत होने के बावजूद काम नहीं हो सका। ट्रेलर में लाई गई सरिया की अनलोडिंग नहीं हो पाने की खबर मिलने के कार.ा वाहन बाहरी क्षे.ा में रोकना पड़ा।

क्विक न्यूज

पुलिस ने दो बिगड़े नवाब की कराई कंबुच्ची

कोरबा। अब तक भले ही यह कहा जाता रहा कि कोरोना से डरे नहीं पर हालात ऐसे निर्मित होते जा रहे हैं कि अब डर जरूरी है। लोगों के जान बचाने के अभियान में पुलिस के जवान योद्धा की तरह मैदान में डटे हैं। जीवन रक्षा के लिए ही हमें घरों में रहने कहा जा रहा। इसके बावजूद कुछ ऐसे भी है, जो इस गंभीर मौके पर भी बाज नहीं आ रहे । समझाइश काम ना आते देख पुलिस ने अब सख्ती बरतनी शुरू कर दी है ।कोतवाली टीआई दुर्गेश शर्मा सुनालिया चौक के पास रात को लोगों को घरों में रहने समझाइश दे रहे थे, इस बीच दो बिगड़े नवाब हुज्जत बाजी करते हुए पुलिस से अभद्रता की, इसका खामियाजा भी भुगतना पड़ा । पुलिस ने उन्हें सबक सिखाते हुए कंबुच्ची कराई। रात को धारा 144 का पालन करने में पुलिस सुनालिया चौक में जुटी थी । इस बीच कार में दो बिगड़े नवाब गुजरे। उन्हें रोक कर पुलिस कर्मी बाहर नही घूमने की समझाइस दे रहे थे।

जरूरतमंद लोगों को मास्क का वितरण

कोरबा। सिविक सेंटर में कोरोना वायरस से बचाव हेतु जरूरतमंद लोगों को मास्क वितरण किया गया। इस दौरान भवानी क्लास स्टोर के संचालक श्री शंकर अग्रवाल एवं गौरी अग्रवाल जी द्वारा कपड़े के सैकड़ों मास्क बनवाकर वितरण किया गया। इस जनहितकारी योजना में चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री सुमेर डालमिया जीए साईं सेवा समिति से श्री महेश अग्रवाल जीए श्री विजय चंद्रा जी उपस्थित थे। नगर पालिक निगम में नेता प्रतिपक्ष श्री हितानंद अग्रवाल, बालको थाना प्रभारी श्री लखन पटेल जी, बालको प्रबंधन से श्री हीरामणि शर्मा जी एवं श्री आशीष मिश्रा जी ने अपने शुभ हाथों से मास्क का वितरण किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राजू त्रिपाठी, श्री संतोष अग्रवाल, श्री अजय अग्रवाल, श्री नवीन अग्रवाल ने अपनी प्रमुख भूमिका निभाई।

सांसद ज्योत्सना ने सहयोगार्थ दिया एक माह का 1.85 लाख वेतन

कोरबा। कोविड.19 कोरोना की रोकथाम हेतु सहयोग के रूप में कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत ने अन्य सांसदों से एक कदम आगे ब?कर अपने एक माह का वेतन 1.85 लाख रुपए मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराया है। श्रीमती महंत ने कहा है कि मुख्यमंत्री के कुशल मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में छत्तीसग? शासन भी कोविड.19 से बचाव एवं नागरिकों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत है। ऐहतियातन लिए गए दूरगामी फैसलों का बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त होगा। इस महामारी के लिए मुख्यमंत्री व शासन के निर्णयों का स्वागत करते हुए इस पुनित कार्य में स्वेच्छापूर्वक अपने एक माह का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में चेक के जरिए उन्होंने जमा कराया है।

लॉकडाउन बेअसर, अब सता रहा कालाबाजारी का डर

सोशल डिस्टेंस पर प्रशासन गंभीर नहीं, सड़कों पर बेधड़क दौड़ती नजर आई मोटरसाइकिल

■ पुलिस ने बरसाए लाठी और डंडे

पायनियर संवाददाता ◀ भाटापारा
www.dailypioneer.com

शहर में लॉकडाउन बेअसर

करोना को लेकर जिला प्रशासन ने 31 मार्च तक लॉकडाउन का एलान किया है लेकिन लोगों पर इस लॉकडाउन का कोई असर देखने को नहीं मिल रहा है प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मार्मिक अपील के बावजूद सड़कों पर बेवजह लोग घूमते नजर आये,लोगों की आवाजाही पूरे दिन जारी रही,इसके साथ ही निर्धारित समय के बाद भी जरुरी सेवाओं की संस्थाने जैसे किराना स्टोर, सब्जी फल की दुकाने सरेआम खुली नजर आई जिसे बाद में प्रशासन द्वारा चेतावनी देकर बंद भी कराया गया।

कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में अलर्ट के साथ सावधानी के लिए तमाम विभागों ने एडवायजरी जारी की है, जिला प्रशासन ने भी 31 मार्च तक पूरी तरह से लॉकडाउन के आदेश जारी किये हैं लेकिन इसके बाद भी यहाँ देखने में आ रहा है कि लोगों का अपने घरों से बाहर निकलना जारी हैण् भाटापारा समेत कई इलाको में ऐसे लापरवाह लोग अपने साथ दूसरों की जिंदगी भी खतरे में डाल रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर पहले रविवार को देश भर में जनता कर्फ्यू लगाया गया, सभी राज्य सरकारों के साथ देश भर की जनता ने भी जनता कर्फ्यू का पालन और समर्थन किया, लेकिन सोमवार से लेकर आज तक की स्थिति पर नजर डाले तो नजारा कुछ और ही है सडको पर बेखौफ मोटरसाइकिल और कारे दौड़ रही है जरुरी सामान जैसे किराना स्टोर, दूध, फ ल बाजार के खुलने का समय तो निधारित है लेकिन उन संस्थानों के मालिकों द्वारा प्रशासन के नियमों की धज्जिया उड़ाई जा रही है,किसी भी दुकान मे सोशल डिस्टेंस का पालन गंभीरता से नहीं किया जा रहा है खासकर किराना दुकानों में सबसे ज्यादा भीड़ देखने को मिल रही है यदि बात करे स्थानीय पुलिस प्रशासन की तो वह केवल सड़कों पर बेवजह घूम रहे लोगों पर कार्यवाही करने में ही व्यस्त नजर आ रहे है।

अब कालाबाजारी का डर

वैसे तो शहर में लॉकडाउन का कोई खास असर नहीं दिखा, लेकिन किराना और सब्जी की दुकान पर खरीददारी करते लोग इस कदर खरीददारी करते दिखे जैसे कल कोई सामान ही नहीं मिलेगा, छोटे.मोटे किराना दुकानदारों ने तय कीमत से ज्यादा पर सामानों की बिक्री भी की, वही सब्जियों के दाम की बात करे तो एकाएक दाम में तेजी भी आई है, ऐसी स्थिति में अब प्रतीत होता है कि आने वाले एक दो दिनों में कालाबाजारी भी शुरू हो जाएगी,जो की प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनोती साबित होगी।

पुलिस ने बरसाये डंडे

वर्तमान स्थिति को देखते हुए पुरे प्रदेश में तालाबंदी की गयी है,साथ ही तमाम विभागों के द्वारा एडवायजरी भी जारी की जा रही ह, और लोगों से बेवजह घर से नहीं निकलने की अपील भी शासन प्रशासन द्वारा की जा रही है, लेकिन बावजूद इसके शहर के लोग इसका गंभीरता से पालन नहीं कर रहे है,और धारा 144 का उलंघन कर रहे है,जिसके चलते अब शहर पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ रहा है,साथ ही ऐसे लोगों के वाहन की जप्ती की कारवाई भी जारी है,केवल ऐसे ही लोगों को बाहर निकलने दिया जा रहा है जिनके जवाब संतोषजनक साबित हो रहे है।

जिलों की सीमाओं को सील कर सरहदों पर पुलिस के जवान तैनात

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

नोवल कोरोना वायरस की संक्रमण के बचाव हेतु स्वास्थ्यगत अपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कदम उठाये जा रहे है। इसी तारतम्य मे कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने दूसरे राज्य तथा दूसरे जिलों की सीमाओं को छुने वाले सीमाओं को सील कर दिया है और सभी सरहदों पर पुलिस के जवान तैनात कर दिये है। केवल निजी वाहनों को भी जिले के सीमा में घुसने के अनुमति है । वह भी काम बताकर जिले की सीमा में घुस सकेगें ।

इसी तरह शहर की भीतर भी बेवजह घूमने पर कार्यवाही की जा रही है। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. भुरे ने बताया कि जिले में धारा 144 लागू है। इस दौरान उन्होने चौक-चौराहों में भीड़ एकत्रित नही होने, कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, आवश्यक खाद्य पदार्थ, किराना समान एवं डेलीनिड्स, की सामाग्री को लेने हेतु घर से एक ही व्यक्ति को प्रस्थान करने की समझाईश दी है। उन्होंने दुकान, व्यवसायिक संस्थान किराना दुकान, सब्जी, डेयरी एवं डेलीनिड्स सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही खुला रखने, मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप को सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रखने तथा अस्पताल शासकीय निजी इमरजेंसी सेवाएं पूर्ण कालिक रूप से संचालित करने के निर्देश दिये है। इन सेवाओं के अलावा अन्य दुकान, व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेगें। जिला कलेक्टर ने कहा कि जिले में बाहरी लोगों के आवागमन को प्रतिबंधित किया गया है। अतः जिले में कोई बाहरी व्यक्ति का प्रवेश न करें न ही जिले का कोई व्यक्ति जिले की सीमा से बाहर जाए। सभी धार्मिक स्थलों मे पुजारी द्वारा पूजा अर्चना की जाएगी, श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहेगा। मनरेगा और धान परिवहन के कार्य जारी रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये है।

महंत से प्रेरित होकर आनंद ने मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 51000 देने की घोषणा की

पायनियर संवाददाता ◀ सक्ती
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत एवं कोरबा लोकसभा की सांसद ज्योत्सना महंत द्वारा पूरे देश में वर्तमान में चल रही कोरोना वायरस संक्रमण की महामारी से निपटने हेतु छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में अपने 1 माह का वेतन दिए जाने की घोषणा पर अमल करते हुए एवं उनके पद चिन्हों पर चलते हुए नगरपालिका शक्ति के विधायक प्रतिनिधि एवं महंत समर्थक, अग्रवाल सभा सक्ती के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने भी 25 मार्च को अपनी ओर से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में 51000 की राशि देने की घोषणा किए साथ ही विधायक प्रतिनिधि आनंद अग्रवाल ने 51000 की राशि का चेक विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत के माध्यम से मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में प्रेषित किया हैए विधायक प्रतिनिधि आनंद अग्रवाल ने क्षेत्र के ऐसे सेवाभावी लोगों एवं संस्थाओं से भी आग्रह किया है कि वह भी वर्तमान समय में देश की इस बड़ी समस्या से निपटने हेतु छत्तीसगढ़ प्रदेश के मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में यथासंभव आर्थिक सहायता अवश्य प्रदान करें, ताकि छत्तीसगढ़ सरकार आने वाले समय में प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से प्रदेशवासियों को निजात दिलाने हेतु और अधिक तत्परता से पहल कर सके तथा विधायक प्रतिनिधि आनंद अग्रवाल द्वारा मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में दी गई इस 51000 की सहायता राशि पर लोगों ने उनका आभार व्यक्त करते हुए साधुवाद दिया है।

बलौदाबाजार सहित नगरीय निकायों में सार्वजनिक हैंडवाश की सुविधा'

पायनियर संवाददाता ◀ बलौदाबाजार
www.dailypioneer.com

जिला मुख्यालय बलौदाबाजार सहित सभी 9 नगरीय निकायों में हैंडवाश की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नगरीय प्रशासन विभाग एवं कलेक्टर कार्तिकेया गोयल के निर्देशानुसार प्रमुख चौक.चौराहों पर हाथ धोने की समुचित व्यवस्था रखी गई है। बलौदाबाजार नगरपालिका क्षेत्र के गार्डन चौक, अम्बेडकर चौक और सब्जी मार्केट में हाथ धोने की सुविधा है। बड़ी संख्या में नागरिक एवं आसपास के दुकानदार इसका लाभ उठा रहे हैं। नगरीय निकायों द्वारा इन स्थलों पर हाथ धुलवाने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। ये कर्मचारी लोगों को साबुन और लिक्विड से हाथ धुलवाकर उन्हें साफसफाई से रहने का संदेश दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गंदे हाथों में कोरोना वायरस के कीटाणु चिपके होते हैं। ऐसी हाथों का नाक,आंख अथवा मुँह से संपर्क होने पर ये शरीर के भीतर पहुंच जाते हैं और अपना कारनामा शुरू कर देते हैं। अपने हाथों की बार-बार साफसफाई और भीड़-भाड़ तथा लोगों से दूर रहना ही कोरोना के संक्रमण से बचने की रामबाण दवा है।

सरपंच ने 30 पाव महुआ शराब बरामद कर नष्ट कराया

पायनियर संवाददाता ◀ रायगढ़
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से लोगों में जहां दहशत है। सरकार लॉक डाउन कर लोगों को घरों से निकलने मनाही कर रही है। वहीं शराब दुकानों को भी बंद कर दिया गया है ऐसे में गांवो में शराब कोचिये काफी सक्रिय हो गए हैं। रायगढ़ पूर्वी अंचल के बेलेरिया कुकुरदा, महापगी, कारीछापर में अवैध रूप से महुआ शराब निर्माण कर विक्रय किया जा रहा है। यह पिछले कई सालों से चल रहा है। इन दिनों कोचिए काफी सक्रिय हैं। महापगी में सरपंच अनंतराम चौहान ने कन अपने पंचों को साथ ले कर गांव में नवामुड़ा मोहल्ले में अवैध शराब विक्रय की सूचना पर दबिश दी और लगभग 30 पाव पॉलीथिन पैक महुआ शराब को जप्त कर बीच बस्ती में सब के सामने आग लगा दी। वहीं शराब बना रहे व विक्रय कर रहे इन कोचिये को सख्त चेतावनी दी गई है। अगर दुबारा शराब विक्रय करते पाए गए तो वैधानिक पुलिस कार्यवाही की जाएगी।

रानी दुर्गावती स्व सहायता समूह द्वारा मास्क बनाने का कार्य जोरों पर

पायनियर संवाददाता ◀ कोरबा
www.dailypioneer.com

रानी दुर्गावती स्व सहायता समूह ओमपुर रजगामार के द्वारा कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए मास्क की कमी होने पर मास्क बनाने का कार्य जोरों से चल रहा है।'

कोरबा 25 मार्च। कोरोना वायरस महामारी का रूप ले करके उनका संक्रमण गांव गांव में फैल ना जाएए इस विषय को ध्यान में रखते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए रानी दुर्गावती स्व सहायता समूह ओमपुर रजगामार के स्वयंसेवी महिलाओं के द्वारा अपने घरो मे काफी संख्या में वॉशेबल मास्क तैयार कर वितरण करने का काम किया जा रहा है। इस बात की जानकारी स्व सहायता समूह की अध्यक्ष मंजूषा रानी चौरसिया के द्वारा दिया गया है । ग्राम संगठन रजगामार के सचिव व रानी दुर्गावती स्व सहायता समूह ओमपुर रजगामार के अध्यक्ष मंजूषा रानी चौरसिया ने बताया कि हमारे बिहान समूह के बीपीएम अलींगजोर तिर्की के मार्गदर्शन में हमारे समिति के सचिव पिंकी कुम्हारए सुशीला दासए अर्चना चौहान सहित कई महिला वॉशेबल मास्क बनाने का कार्य अपने घरों में बैठ करके कर रही है।

कोयला सचिव का आदेश मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ समेत कुछ राज्यों में जारी रहेगा कोयला उत्पादन

पायनियर संवाददाता ◀ कोरबा
www.dailypioneer.com

जब देश करोना वाइरस की चपेट में आकर, परीक्षा के दौर से गुजर रहा है और ज्यादातर लोग अपने घर में सुरक्षित बैठे है तब सिर्फ चिकित्सक और उनके साथी ही नहीं परन्तु कोयला खदान के मजदुर से लेकर अधिकारी तक देश के इस कठिन समय में अपना कर्त्तव्य निभाते हुए सतत बिजली मुहैया कराने के प्रयास कर रहे हैं। सोमवार को देश के कोयला सचिव अनिल कुमार जैन ने आदेश जारी करते हुए कोयला उत्पादन करने वाली सारी खदानों को एसेंशियल सर्विस मेंटेनेंस एक्ट 1981 के तहत अपना कार्य जारी करने को कहा है। यह आदेश सरकारी व खंगी कोयला कंपनियों पर लागू होगा।

अपना कर्तव्य निभा रहे कोयला खदानों में काम करने बालों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चिकित्सकों के निर्देश अनुसार इस कठिन समय में उनका ध्यान रखा जाए। कोयला सचिव अनिल कुमार जैन ने यह परिपत्र छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड, उड़ीसा, वेस्ट बंगाल, मेघालय और महाराष्ट्र जैसे कोयला उत्पादक राज्यों को जारी किया है। इस निर्णय से देश को गर्मी के महीनों में बिजली की किल्लत का डर नहीं रहेगा। अस्पताल और दवाई की दुकानों को भी बिजली कटौती का सामना नहीं करना पड़ेगा और मरीजों को इससे काफी सहूलियत रहेगी। इसके अलावा कोयला की खदानों में काम करने वाले लाखों कर्मियों को अब नौकरी जाने या तनखा कटाने जैसा खतरा भी नहीं रहेगा। भारत में कोयला खदान और उत्पाद के वहन पर लाखों मजदूर और कर्मचारियों के परिवार निर्भर करते हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को बनाए रखने के लिए कोयला एक महत्वपूर्ण इनपुट हैए विशेषकर ऐसे समय में जब संक्षिप्त बिजली कटौती से भी बड़े संकट उत्पन्न हो सकते हैं और कोरोनावायरस फैलने का डर पैदा हो सकता है। ग्रीष्मकाल के आगमन के साथ घरों से बिजली की मांग बढ़ रही है। इसके अलावाए अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य देखभाल संस्थान बिजली की आपूर्ति में किसी भी व्यवधान का सामना नहीं करने की स्थिति में हैं। कोल इंडिया ने 2018.19 में 607 मिलियन टन कोयले का उत्पादन किया। विशाल कोयला भंडार होने के बावजूदए भारत अपनी कोयला मांग को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहा है। भारत को 2018.19 में 235.24 मिलियन टन कोयले का आयात करना पड़ा, जो 2017.18 में 208.27 मिलियन टन था। कोयला उत्पादक कंपनियां अपने कर्मचारियों को दस्ताने और सैनिटाइज़र प्रदान करने के साथ-साथ औद्योगिक ग्रेड के जूते,जैकेट और अन्य के रूप में अनिवार्य गियर्स के अलावा अत्यंत सावधानी बरत रही हैं।

माई कलश की स्थापना, पुजारी ही करेंगे पूजा

चैत्र नवरात्रि पर मंदिरों के पट कुछ समय के लिए खुले, फिर बंद हो गए

पायनियर संवाददाता ◀ मुंगेली
www.dailypioneer.com

चैत्र नवरात्रि पर भी कोरोना वायरस की छाया स्पष्ट नजर आने लगा है आज से चैत्र नवरात्रि का पर्व आरंभ हो गया है, जिसके तहत मंदिरों के पट कुछ समय के लिए खुले माई कलश स्थापना के पश्चात मंदिर परिसर में प्रशासन की पहल पर सुरक्षा को ध्यान रखते हुए बंद कर दिया गया, ताकि मंदिरों में भीड़ भाड़ न हो सके । जिले में आस्था के इस पर्व पर लोगों की भारी भीड मंदिरों में रहती है, नगर के प्राचिन मंदिर महामाया दाउपारा, महामाया सोनार पारा, महामाया मलहापारा, काली मंदिर खर्रिपारा, शक्तिमाई मंदिर, अष्टभुजी दुर्गा मंदिर हथनिकला में लोगों का तांता अनवरत बना रहता है, चैत्र और क्वांर की नवरात्र में इन मंदिरों में प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में ज्योति कलश जलाया जाता है, परंतु इस बार जिला प्रशासन ने कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते मात्र माई ज्योति कलश जलाया जाना है, इस बार की नवरात्र में ज्योतिकलश के लिए कटे रसीदों को शासन की निर्देशों के अनुसार वापस किया जाना है।नोवल कोरोना वायरस की संक्रमण के बचाव हेतु स्वास्थ्यगत स्थिति को देखते हुए जिले में धारा 144 लागू है। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने आपदा प्रबंधन एक्ट के धाराओं के तहत प्रदत्त शाक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 144 लागू की है। इस दौरान उन्होने चौक-चौराहों में भीड़ एकत्रित नही होने, कोई भी व्यक्ति अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने, अनावश्यक खाद्य पदार्थ, किराना समान एवं डेलीनिड्स, की सामाग्री को लेने हेतु घर से एक ही व्यक्ति को प्रस्थान करने की समझाईश दी है। उन्होंने दुकान, व्यवसायिक संस्थान (किराना दुकान, सब्जी, डेयरी एवं डेलीनिड्स) सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक ही खुला रखने, मेडिकल स्टोर, पेट्रोल पंप को सुबह 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक खुला रखने तथा अस्पताल (शासकीय निजी), इमरजेंसी सेवाएं पूर्णकालिक रूप से संचालित करने के निर्देश दिये है। इन सेवाओं के अलावा अन्य दुकान, व्यवसायिक प्रतिष्ठान बंद रहेगें। उन्होंने कहा है कि जिले में बाहरी लोगों के आवागमन को प्रतिबंधित किया गया है। अतः जिले में कोई बाहरी व्यक्ति का प्रवेश न करें न ही जिले का कोई व्यक्ति जिले की सीमा से बाहर जाए। सभी धार्मिक स्थलों मे पुजारी द्वारा पूजा अर्चना की जाएगी, श्रद्धालुओं का प्रवेश वर्जित रहेगा। मनरेगा और धान परिवहन के कार्य जारी रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिये है।

चंडी मंदिर और शीतला मंदिर में नवरात्रि सामान्य रूप से मनाने का निर्णय लिया

पायनियर संवाददाता ◀ गुंडरदेही
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस सं मण से बचाव के लिए मानव एवं देश हित में चंडी मंदिर समिति और शीतला समिति द्वारा नवरात्रि पर्व सामान्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया। श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में जलाए जाने वाले ज्योति कलश नहीं जलेंगे और मंदिरों में भीड़ जमा नहीं होने दिया जाएगा ताकि कोरोना वायरस को फैलने से रोका जा सके। नगर का यह चंडी माता मंदिर 17 वीं शताब्दी में बनाया गया था तब से लेकर अब तक चैत्र एवं क्वांर नवरात्रि मनाया जाता रहा है। पहले राजा महाराजाओं के द्वारा इसकी सेवा होती थी। यह पहली बार हुआ है की इस नवरात्रि में श्रद्धालुओं द्वारा प्रज्वलित की जाने वाली ज्योति कलश नहीं जलेगी। केवल एक ही मुख्य ज्योति कलश प्रज्वलित रहेंगे। इस दौरान केवल शाम को आरती के समय ही पट खुला रहेगा। समिति केद्वारा भक्त ों से इस राष्ट्रीय आपदा में सरकार का सहयोग करने का आह्वान करते हुए माता देवी को अपने घरों पर से ही पूजा करने को कहा गया। तथा जिन लोगों ने ज्योति कलश की बुकिंग करवा लिया है उनकी ज्योत क्वार नवरात्रि में जलाया जाएगा।

ग्राम पंचायत सचिव संघ ने सहायता कोष में 13.50 लाख की सहायता दी

पायनियर संवाददाता ◀ बलौदाबाजार-भाटापारा
www.dailypioneer.com

जिले के ग्राम पंचायत सचिवों ने मुख्यमंत्री सहायता कोष में लगभग साढ़े 13 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है। संघ के जिलाअध्यक्ष तुलसी साहू ने इस आशय का पत्र जिला कलेक्टर कार्तिकेया गोयल को उनके व्हाट्सएप्प के जरिये प्रेषित किया है।

श्री साहू ने कहा कि कोविद 19 की बीमारी ने छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश.दुनिया को संकट में ला खड़ा कर दिया है। संकट की इस घड़ी में हम जिला प्रशासन और राज्य सरकार के साथ हैं। ग्रामीण स्तर के कर्मचारी होने के नाते कोरोना संक्रमण से लोगों को बचाने और जनजागरूकता लाने का भरपूर प्रयास कर रहे हैं। हमारी संघ ने सर्व सम्मति से मार्च महीने के 3 दिन का वेतन मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान करने का निर्णय लिया है। लगभग 6 सौ सचिव स्तरीय कर्मचारियों के 3 दिन का वेतन सा? 13 लाख होता है। यह राशि कोरोना महामारी से बचाव और इससे प्रभावित गरीब लोगों की मदद में सरकार का काम आयेगा। कलेक्टर श्री गोयल ने संकट के इस क्षण में सहयोग प्रदान के लिए ग्राम पंचायत सचिव संघ की प्रशंसा की है और स्वस्फूर्त होकर सहायता कार्य में आगे आने के लिए उनके प्रति आभार और सम्मान व्यक्त किया है।

भरकापारा इलाका सील, सैनेटाइजेशन की प्रक्रिया शुरु, रहवासियों से पूछताछ

थाईलैंड से लौटा युवक आईसोलेशन के दौरान घूमता रहा

लोगों की मांग एफआईआर दर्ज करे प्रशासन, डीएम ने जारी की विदेश से लौटे लोगों के लिए चेतावनी

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

लॉकडाऊन के बीच शहर में कोरोना का एक पॉजीटिव केस सामने आया है। संक्रमित 24 वर्षीय युवक हाल ही में अपने 5 दोस्तों के साथ थाईलैंड फुकेट से वापस लौटा था। इन्हें 14 मार्च से 28 मार्च तक आईसोलेशन में रहने की हिदायत दी गई थी और बकायदा प्रशासन ने इनके घर के बाहर चेतावनी का पोस्टर भी लगाया था । खबरें हैं कि आईसोलेशन के दौरान भी उक्त युवक पूरा शहर घुमता रहा और सैकड़ों लोगों के संपर्क में रहा। उक्त युवक की रिपोर्ट आने के बाद शहर में हड़कंप मच गया है। उक्त युवक भरकापारा निवासी और जिम का संचालक बताया जाता है। इस क्षेत्र को प्रशासन अब पूरी तरह सील कर चुका है। स्वास्थ्य महकमे की ओर से जानकारी आ रही है कि संक्रमित युवक को एम्स रेफर किए जाने की तैयारियां की गई है।

सबसे बुरी खबर यह कि आईसोलेशन के दौरान भी उक्त युवक शहर के फेरे लगाता रहा और सैकड़ों लोगों के सीधे संपर्क में रहा। इसे जानने वालों का कहना है कि कई बार यह युवक हाल ही में कई भीड़भाड़ वाली जगहों में देखा गया और इसने कुछ दिन पहले ही एक बैठक की थी जिसमें दर्जनों लोग शामिल थे। बीते दिनों आजाद चौक में हुए दो गुट के झगड़ें में भी युवक शामिल था ऐसा बताया जा रहा है । प्रशासन ने अपील की है कि जो भी उक्त संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में रहे हैं वे तत्काल स्वास्थ्य अमले से संपर्क करें। ये सबसे जरुरी है कि ऐसे लोग खुद सामने आए जो संक्रमित युवक के आसपास रहे हैं। युवक की लापरवाही के मद्देनज़र स्थिति और भी गंभीर है। ऐसे में उक्त युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की जा रही है।

कलेक्टर की मौजूदगी में इलाका सील

नोवेल कोरोना पॉजीटिव पाए गए युवक का भाई और उसके तीन और साथियों को भी आईसोलेशन में रखा गया है। मंगलवार को ही इन युवकों को क्वारंटाईन सेंटर ले जाया गया था। इनके साथ शहर के दर्जनों लोग क्वारंटाईन के लिए ले जाए गए हैं। ये वह लोग हैं जो हाल फिलहाल में ही विदेश से लौटे हैं। भरकापारा इलाके को सील करने के बाद यहां के लोगों से पूछताछ की जा रही है कि क्या वे संक्रमित युवक के संपर्क में थे। स्वयं कलेक्टर अमले के साथ यहां पहुंचकर मोर्चा संभालते रहे। दूसरी ओर संक्रमित युवक के साथी सोशल मीडिया में वॉईस रिकॉर्डिंग जारी कर सफाई दे रहे हैं।

मंगलवार को ही भेजे गए थे क्वॉरंटाईन सेंटर

मंगलवार को ही प्रशासन ने लॉकडाऊन के साथ ही बाहर से लौटने वालों को विशेष निगरानी में रखने की पहल शुरु कर दी थी। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी जयप्रकाश मौर्य ने बताया था कि जिले में लगभग 3 हजार व्यक्ति अन्य राज्यों से प्रवास कर संक्रमण अवधि के भीतर आये है तथा लगभग 100 व्यक्ति विदेश प्रवास से आए है। जिसमें से 62 व्यक्ति संक्रमण काल में है। यह संख्या बहुत अधिक है तथा इन व्यक्तियों से अन्य व्यक्तियों में संक्रमण की संभावना है। जिसमें दृष्टिगत रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। इसी बीच बुधवार को सैंपल के नतीजों में एक युवक का सैंपल पॉजिटीव पाया गया।

पहले क्यों नहीं लिया गया सैंपल

कोरोना को लेकर बरती जा रही ऐहतियात के बीच बड़ा सवाल यह सामने आ रहा है कि विदेश से लौटे लोगों की जानकारी होने के बाद भी स्वास्थ्य अमले ने इनका सैंपल पहले क्यूं नहीं लिया। बताया जा रहा है कि आज जिस युवक की रिपोर्ट पॉजिटीव आई है उसका भी सैंपल मंगलवार को ही लिया गया था। स्वास्थ्य अमले का कहना है कि उसमें अब तक कोरोना के लक्षण नहीं दिख रहे थे। लेकिनइस लापरवाही का बड़ा खामियाजा शहर को भुगतना पड़ सकता है।

मोर्चे में सबसे आगे खड़े हैं कलेक्टर

जिला प्रशासन के मुखिया इस स्थिति को संभालने के लिए मोर्चे में सबसे आगे खड़े दिखाए दे रहे हैं। वे लगातार संशोधित और नए दिशा निर्देश-आदेश जारी कर जिले की स्थिति पर पैनी निगाह बनाए हुए हैं। रोजमर्रा की जरुरतों के बीच लोगों को घरों तक सीमित रखने के लिए प्रशासन ने कई बेहतर निर्णय लिए हैं और अब भी ले रहे हैं। प्रदेश में दूसरा शहर राजनांदगांव ही था जहां लालबाग इलाके को लॉकडाऊन कर दिया गया था। यह कोरोना जैसी संक्रमाक बीमारी की

रोकथाम को लेकर एक बड़ा निर्णय था जो कलेक्टर ने काफी जल्द ही ले लिया था जबकि प्रदेश के बड़े शहरों में ऐसी कार्रवाई नहीं की गई थी। कलेक्टर लगातार मोर्चे पर खड़े हैं और बेहतर निर्णयों के साथ स्थिति संभालने को लेकर प्रतिबद्ध दिखाए दे रहे हैं। चौबीसों घंटे व्हाट्सएप्प पर ऑनलाइन रहकर जनता की बात सुनने के अलावा मैदानी इलाके में भी कलेक्टर की मौजूदगी सराहनीय है।

एसपी ने बिठाया बेहतर तालमेल, आज से नए एसपी सम्हालेंगे कमान

कड़े निर्णय के लिए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के बीच बेहतर तालमेल दिखा। पुलिस अधीक्षक बीएस ध्रुव की टीम ने मैदानी कार्रवाई में काफी फुर्ती दिखाई है। बेपरवाह लोगों को घर में वापस धकेलने से लेकर लॉकडाऊन में स्थिति को संभालने में त्वरित निर्णयों को लेकर पुलिस की कार्रवाई बेहतर है। पुलिस जवान दिन-रात मोर्चा संभाले हुए हैं। पुलिस बल पूरे जिले में लोगों को संभालने की

कार्रवाई में लगा हुआ है। कई जगहों पर घुमंतूओं पर पुलिस को बल आजमाना पड़ा। लेकिन ऐसी कार्रवाई का सकारात्मक नतीजा देखने को मिल रहा है जिससे लोग घरों पर ही हैं। इससे पहले सोमवार तक स्थिति ऐसी नहीं थी जैसी अब है। वहीं इस बीच जिले के नए एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बुधवार को ही चार्ज संभाल लिया है।

सिविल सर्जन मोहबे ने कहा, सिर्फ दूर रहने की जरुरत

कोरोना वायरस का शहर में पहला मामला सामने आने के बाद सिविल सर्जन सीएस मोहबे का कहना है कि इस वायरस से खतरा सिर्फ इतना है कि यह बेहद तेजी से फैलता है। खासकर बुजूर्ग और बच्चे इससे जल्दी संक्रमित हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस वायरस से रिकवरी के 80 प्रतिशत चांस हैं। इसलिए इसे बड़ा खतरा मानना गलत है

लेकिन हां यह जरुरी है कि इसे फैलने से रोका जाए और उसके लिए लॉकडाऊन जैसे फैसले काफी जरुरी हैं और उससे ज्यादा जरुरी है कि लोग घरों पर ही रहे। उन्होंने कहा कि कोरोना की अपेक्षा स्वाईन फ्लू जैसे वायरस ज्यादा घातक हैं इसलिए लोगों को महज दूर रहने और साफ-सफाई बरतने की जरुरत है।

रेड अलर्ट मैप जारी

प्रशासन ने रेड अलर्ट मैप जारी किया है। राजनांदगांव शहर के किस इलाके में लोग विदेश से वापस लौटे हैं इसकी जानकारी इस मैप के सहारे देने की कोशिश की गई है। प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है कि जिन इलाकों में विदेश से लौटे लोग हैं या रहे हैं वहां स्थानीय लोगों को अधिक सावधानी बरतने की जरुरत है। अपने आप और परिवार को पूरी तरह घर में ही समेटे रखने की हिदायत का पालन सबसे ज्यादा जरुरी है। बताया जा रहा है कि इस मैप में दो मार्च से लेकर अब तक विदेश से आए लोगों की जानकारी दी गई है।

निरक्षर के फर्जी दस्तखत कर फंसे पूर्व सरपंच- सचिव, ओडीएफ में किया बड़ा घोटाला

जनपद पंचायत की भी भूमिका को लेकर सवाल, जांच अधिकारी की कार्रवाई संदिग्ध

पायनियर संवाददाता < छुरिया
www.dailypioneer.com

विकासखंड की ग्राम पंचायत नादियाखुर्द में पूर्व सरपंच देवसागर गुप्ता व तत्कालीन सचिव नरेश कुमार उईके द्वारा ओडीएफ फंड में लाखों के घोटाले का मामला अब और भी गर्मा चुका है। इस मामले को लेकर न सिर्फ जनपद पंचायत सीईओ बल्कि प्रधानमंत्री कार्यालय तक शिकायत की गई है। आरोप लगाने वाले मौजूदा सरपंच दीपक सिंह राजपूत ने बताया कि यह घोटाला तकरीबन साढ़े सत्रह लाख का है। सरपंच ने आरोप लगाया है कि गुप्ता और उईके ने मिलकर हितग्राहियों के नाम पर फर्जी दस्तखत कर बड़े घोटाले को अंजाम दिया है। तथ्यों के साथ इस मामले में शिकायत हुई है।

पूर्व सरपंच देवसागर और तत्कालीन सचिव नरेश ने मिलकर ओडीएफ मद में बड़े घोटाले को अंजाम दिया है। इसका सबूत यह भी है कि 19 लाख के मद से 17 लाख 50 हजार का आहरण करने के बाद भी पूर्व पंचवर्षीय के हितग्राहियों की आधी-अधूरी सूची ही दी गई है। इसमें बड़ा तथ्य यह की गई हितग्रहियों के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सूची में ही एक हितग्राही गोवर्धन पिता रुहेला के नाम के आगे हस्ताक्षर हैं जबकि वह निरक्षर है। आरोप है कि पूर्व सरपंच और सचिव ने मिलकर ऐसे ही कई हितग्राहियों के नाम फर्जी तरीके से सूची में शामिल किए हैं।

पायनियर लगातार

जांच अधिकारी की कार्रवाई संदिग्ध

गौरतलब है कि इस मामले में जनपद पंचायत की भूमिका को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने इस मामले के लिए जांच अधिकारी तो नियुक्त किया था लेकिन उस जांच की आड़ में दरअसल इस मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश की गई थी। जांच अधिकारी रामटेके ने अपने कर्तव्यों से खिलवाड़ करते हुए आरोपी तत्कालीन सचिव नरेश के घर पर ही बैठकर जांच पूरी कर ली थी। उन्होंने न ही शिकायतकर्ताओं से इस मामले में बात की और न ही जिन मामलों को लेकर शिकायत की गई थी उसका निरीक्षण ही किया। इसके उलट इस जांच से संबंधित जानकारी देने से जनपद पंचायत सीईओ नारायण बंजारे भी हिचकिचाते रहे हैं। हालांकि बाद में उन्होंने आरोपी सचिव नरेश उईके को पंचायत से हटाकर जनपद पंचायत संलग्न कर दिया। लेकिन इस मामले को लेकर अब जांच अधिकारी भी घेरे में हैं।

पूर्व सरपंच का आरोप है कि दोनों ही ने पिछले पांच वर्ष में मनमाना कार्यकाल चलाया है और अब उनके खिलाफ शिकायतों का क्रम जारी है। कैश बुक और अन्य मामलों को लेकर भी दोनों के खिलाफ गंभीर अनियमितता की शिकायत है। बहरहाल, दीपक ने अब ओडीएफ के मद से हुए कार्यों के भौतिक सत्यापन की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने आरोपी पूर्व सरपंच देवसागर गुप्ता व तत्कालीन सचिव नरेश उईके के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने व रकम वसूली की कार्रवाई किए जाने की मांग रखी है।

कर्फ्यू को वनांचल का जोरदार समर्थन, पुलिस मुस्तैद

पायनियर संवाददाता < मानपुर
www.dailypioneer.com

कर्फ्यू का लगातार तीसरे दिन भी खासा असर मानपुर वनांचल में रहा। पुलिस ने भी गंभीर रुख इख्तियार करते हुए ब्लॉक मुख्ययालय समेत अंदरूनी क्षेत्रो में लोगों को सख्ती से कर्फ्यू का पाठ पाया। नतीजतन बेवजह घूमने वालों पर तीसरे दिन अंकुश लगता दिखा। मानपुर थाना प्रभारी खुद अपनी टीम के साथ मानपुर व आसपास चौकसी करते रहे। महाराष्ट्र सीमा जहाँ शील कर दी गई है

महाराष्ट से लोगों की आवाजाही पर रोक लग गई है वहीं माल वाहकों के भी पहिये मानपुर में ही थमे हुए हैं। वनांचल मे जनता कर्फ्यू की तीन तश्वीरें-

1 मानपुर मेन चौक में मुस्तैद थाना प्रभारी व जवान।

2 औंधी से मुरुमगाव(महाराष्ट्र) मुख्य मार्ग को भी पुलिस ने किया सील।

3 छत्तीसग-महाराष्ट्र को जोने वाले नेशनल हाइवे में आवागमन पर रोक, मानपुर में थमे वाहनों के पहिये।

सब्जी मार्केट बना सिरदर्द, भी व कीमत चुनौती

लॉकडाउन में प्रशासन के सख्त तेवर से लोगों में मचा हड़कंप

पायनियर संवाददाता < डोंगरगांव नगर
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोरोना के रोकथाम के लिए केंद्र व राज्य शासन नित नए नीति पर कार्य कर रही है। देशभर में लाकडाउन के बाद से विशेष एहतियात बरतने जनता से लगातार अपील की जा रही है। प्रशासन भी मुस्तैद होकर चारो ओर मोर्चाबन्दी में जुटी है। ऐसे संवेदनशील हालात में भी नागरिक शासन प्रशासन की राष्ट्सुरक्षा के नीति व कर्तव्यनिष्ठा में खलल पैदा करने में आमादा हैं।

नगर में जनता कर्फ्यू के बाद कुछ नागरिक सामान्य जनजीवन में उतर आये हैं। नगर में सब्जी मार्केट में बेतरतीब भी जमा हो रही है। मेनरोड में कुछ लापरवाह वर्ग भी बेवजह टाइमपास करते नजर आते हैं, वहीं रात्रि में भी मेनरोड में बाईक राइडिंग प्रशासन के

कार्यालय नगर पंचायत , डोंगरगांव

लिए सरदर्द बना हुआ है। जनता कर्फ्यू के बाद कुछ नागरिक जनचर्चा व कोरोना के खतरे से अनजान होकर लापरवाह बने हुए है। सब्जी मार्केट में तो कुछ नागरिकगण आज भी मास्क व सेनेटाइजर बगैर भी में शामिल हो रहे हैं। इधर डॉ चन्द्रे के मार्गदर्शन में सरकारी अस्पताल में चेकअप जारी है।

सब्जी दर तय, भी होगी डिवाइड

लाकडाउन में सब्जी मार्केट में भी सरदर्द बना हुआ है। जिला प्रशासन ने गम्भीरता से लेते हुए स्थानीय प्रशासन को निर्देश जारी किये हैं। एसडीएम के मार्गदर्शन में सीएमओ की मौजूदगी में सब्जी की कीमतें तय की गई है! वहीं भी नियंत्रित करने मार्केट को कई हिस्से में विभाजित किया जा रहा है। किराना की कीमत में इजाफे हुए हैं।

लॉकडाउन में हुई की कार्रवाई

एसडीएम के निर्देशन में एसडीओपी कामे, सीएमओ अनुभव सिंह व टीआई शिवेंद्र राजपूत ने लाकडाउन जारी होते ही प्रशासन की कार्रवाई दिखाई। मेनरोड में श्रीरामद्वार समीप लापरवाह नागरिकों पर पुलिसिया कार्रवाई का मुजायरा किया ! कुछ व्यवसायियों पर जुर्माने लगाए गए। अब डंडे से बचने लापरवाह सजग होने लगे हैं।

> लॉकडाउन के लिए प्रशासन अलर्ट है, आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी
>
> **-अनुभव सिंह,** सीएमओ

लॉकडाउन बनाम जरुरतें, रोज तय होंगे दाम, दूर-दूर बैठेंगे सब्जी विक्रेता

पायनियर संवाददाता < राजनांदगांव
www.dailypioneer.com

लॉकडाउन के बीच रोजमर्रा की जरुरतों को लेकर प्रशासन रोजाना व्यवस्थाओं में संशोधन कर रहा है। बुधवार को आपातकालीन सेवा में लगे अधिकारी, कर्मचारी, आवश्यक वस्तु के उत्पादन के कारखान,आवश्यक वस्तु का परिवहन वालेश्रमिक व कर्मचारियों के लिए आवश्यक अनुमति पत्र तैयार किए गए। कलेक्टर ने आवश्यक वस्तु का उत्पादन करने वाले किसानों को भी तत्काल आवेदन करने के लिए कहा है।

नहीं होगी सब्जी, दूध की कमी, तय होंगे दाम

कलेक्टर ने सभी जैसे सब्जी विक्रेता, दूध विक्रेता, सब्जी व्यापारी या ऐसा सामान जो अनिवार्य है, पर उसमें कंपनी का एमआरपी अंकित न हो, ऐसे विक्रेताओं को हर दिन एसडीएम आफिस से रेट लिस्ट प्राप्त करने के निर्देश दिए हैं।रेट निर्धारण की एक समिति बन गई है जो रेट जारी करेगी, जिसमें उसके संघ का एक व्यापारी रहेगा। उन्होंने

सभी सीएमओ को माइक से रेट की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया है। उन्होंने नागरिकों से काला बाजारी और आवश्यकता से अधिक बते कीमतों की सूचना संदेश के माध्यम से अपने एसडीएम को देने के लिए कहा। आवश्यक जरूरतों से संबंधित दुकानें सुबह 7 बजे से 12 बजे तक खुले रहेंगी। इसके बाद तत्काल बंद रहेगी।

तीन मीटर की दूरी जरुरी

कलेक्टर ने आदेश दिए हैं कि जो सब्जी मार्केट कई स्थानों पर लगता है, उसे कई अलग-अलग स्थानों में लगाएं। दो दुकान के बीच दूरी तीन मीटर की रखें। एक सब्जी मार्केट को कम से कम 5 अलग जगह पर लगाएं। सभी दूध एवं फल व्यापारी, संघ के प्रतिनिधि तत्काल एसडीएम ऑफिस से संपर्क करें। सभी लोग एक- एक मीटर की दूरी बना कर सब्जी लें। सब्जी लेने जाने के पहले साबुन से हाथ धोएं। रुपये एवं वस्तुओं का आदान प्रदान करते समय व्यापारी सेनिटाइजर कुछ अंतराल में लगाएं या साबुन से हाथ धोएं। रुपये, पैसे के आदान प्रदान से भी कोरोना का संक्रमण हो सकता है।

क्विक न्यूज़

होम आइसोलेशन की हिदायत नही मानने पर प्रशासन ने किया एफआईआर दर्ज

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर शिखा राजपूत तिवारी के दिशानिर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण में असहयोग करने और होम आइसोलेशन की हिदायत न मानने पर एफ आई आर दर्ज कराया गया है। ग्राम भदौरा निवासी अनु राठौर 2 दिन पहले मुंबई से आया था। यहां आगमन होते ही उससे संपर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण के लिए हॉस्पिटल बुलाया गया। हॉस्पिटल ना आने पर प्रशासन व पुलिस विभाग के अधिकारियों द्वारा उसको घर से अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में कोई लक्षण नहीं पाया गया। परन्तु जिले में पहुंचने के बाद होम आइसोलेशन संबंधी हिदायत को न मानने के कारण जिला प्रशासन के द्वारा उसके विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता धारा 188 के तहत् एफआईआर दर्ज कराया गया है।

जिले में एक भी कोरोना संक्रमित नहीं फिर भी कोरोना ओपीडी में रोज पहुंच रहे 260 मरीज

बिलासपुर। जिले के लिए राहत भरी खबर है। जिले में अबतक एक भी कोरोना संक्रमित मरीज नहीं पाए गए हैं। जिले में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए विदेश व अन्य प्रांतों से आये नागरिकों को चिहांकित कर कोरोना वायरस के संक्रमण की जांच की जा रही है। वर्तमान में विदेश एवं अन्य प्रांतों से जिले में 544 यात्रियों के आने की जानकारी प्राप्त हुई है। इनमें से 245 नागरिकों 14 दिवस की अनिवार्य अवधि के लिए होम आइसोलेशन में है तथा वे नियमित अपनी जानकारी दे रहे है। वहीं वर्तमान में 2 घरों को होम आइसोलेशन क्वारन्टीन में हैं। जहां किसी भी व्यक्ति के उस घर पर आने जाने पर मनाही है।

अखबार अभिकर्ताओं व वितरक सदस्यों को मास्क वितरण के साथ बतायी गई कोरोना वायरस की सावधानी

बिलासपुर। अखबार अभिकर्ता संघ कार्यकर्ताओं को आज 25 अखबार वितरण पूर्व मास्क वितरित किया गया। जिसके चलते अभिकर्ता कार्यकर्ता कोरोना वायरस से सेव व सुरक्षित रहें। तथा आमजन तक अपने दायित्व निर्वहन करते हुए। अखबारों का वितरण नियमित रखें हुए हैं। कोरोना वायरस से बचाव को ध्यान में रखते हुए नगर विधायक शैलेश पांडे ने कुशल क्षेम पूछते हुए मास्क वितरण की व्यवस्था उपलब्ध कराई। ज्ञात हो कि मीडिया एवं अखबार को कोरोना के लॉक डाउन से बाहर रखा गया है। अतः उन कार्यकर्ताओं की सुरक्षित वितरण व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी नगर प्रशासन की दायित्व है। उक्त अवसर पर अभिकर्ता संघ के अध्यक्ष पवन सोनी, भुवन वर्मा, पितांबर सहित अनेक अभिकर्ता सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यकर्ताओं को जिन्हें मास्क देकर अखबार विरतण हेतु रवाना किया गया।

महाधिवक्ता ने एक माह का वेतन सीएम राहत कोष में दिया

बिलासपुर। महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने वैश्विक महामारी

कोविड 19 के संकट से निपटने के लिए 1 माह का वेतन सीएम राहत कोष में दिया है। उन्होंने इस संबंध में सीएम को पत्र लिखा है। संकट की घड़ी में उन्होंने ऐसा करना अपना कर्तव्य बताया है।

जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के समस्त सीमाक्षेत्र में 31 तक पूर्णत : तालाबंदी

कलेक्टर ने किया आदेश जारी

पायनियर संवाददाता < गौरेला-पेंड्रा-मरवाही
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी ने आदेश जारी कर गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के समस्त सीमाक्षेत्र में 31 मार्च तक पूर्णतः तालाबंदी (लाकडाउन) करने का आदेश जारी किया है। आदेश में उल्लेखित है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) एक संक्रामक बीमारी है। इस बीमारी से भारत समेत पूरे विश्व के देशों के लिए खतरा उत्पन्न हो गया है।स्वास्थ्य की दृष्टि से यह तथ्य परिलक्षित है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के सम्पर्क से पी?ित, संदेही से दूर रहने की सख्त हिदायत है। छत्तीसग? शासन के द्वारा यह निर्देशित किया गया है कि इससे बचने के सभी संभावित उपाय अमल में लाया जाए। अतः कोविड-19 के संभाव्य प्रसार को देखते हुए इसके प्रसार रोकने के लिए क? सामाजिक अलगाव के उपयोग को अपनाना उचित एवं आवश्यक हो गया है। छत्तीसग? शासन द्वारा इस संबंध में आदेश प्रसारित किए गए हैं। महामारी रोग अधिनियम, 1897 के संदर्भ में शासन द्वारा जारी पत्र अंतर्गत दिए गए शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के समस्त सीमा क्षेत्र के अंतर्गत संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने हेतु दिनांक 31 मार्च 2020 रात्रि 12 बजे तक पूर्णतया तालाबंदी (लॉकडाउन) की जाती है एवं इस क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के समस्त सीमा क्षेत्र के अंतर्गत निम्नांकित गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से दिनांक 31 मार्च 2020 रात्रि 12 बजे तक रोक लगाई जाती है। यह भी आदेशित किया जाता है कि जिले के समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय, अशासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। सभी पदाधिकारी तथा कर्मी अपने घर से सरकारी कार्यो का निष्पादन सकरेंगे, परन्तु वे मुख्यालय का परित्याग नहीं करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय प्रमुख उन्हें कार्यालय में बुला सकेंगे।

जिले में समस्त सार्वजनिक परिवहन सेवायें, जिसमें निजी बसें, टैक्सी, ऑटो-रिक्शा, बसें, रिक्शा, ई-रिक्शा इत्यादि भी शामिल हैं के परिचालन को तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। केवल इमरजेंसी मेडिकल सेवा वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा आवागमन की अनुमति रहेगी। ऐसी निजी वाहन जो इस आदेश के अंतर्गत आवश्यक वस्तुओंध्सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन का कार्य कर रहे हों, उन्हें भी अपवादिक स्थिति में तात्कालिक आवश्यकताओं को देखते हुए परिवहन की छूट रहेगी। आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले के सभी सीमाओं को एतद् द्वारा सील किया जाता है। किसी भी माध्यम (सड़क, रेल एवं अन्य माध्यम) से जिले में बाहरी लोगों के आवागमन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया जाता है। अन्तर जिला बस के परिवहन को भी तत्काल प्रभाव से बंद किया जाता है। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में निवासरत नागरिकों को भी जिले के सीमा से बाहर जाने पर प्रतिबंधित किया जाता है। सभी दूकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय, फैक्ट्री, गोदाम, साप्ताहिक हाट-बाजार आदि अपनी सम्पूर्ण गतिविधियों को बंद रखेंगी। जिले के अंतर्गत स्थित औद्योगिक/व्यापारिक संस्थानों को निम्न परिस्थितियों के अंतर्गत छूट रहेगी - ऐसी औद्योगिक इकाईयां जो दवाईयों के उत्पादन एवं निर्माण से संबंधित हैं उनको इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। ऐसी इकाईयां जो आवश्यक वस्तुओं जैसे-खाद्य एवं खाद्य से संबंधित पदार्थो, डेयरी यूनिट इत्यादि से संबंधित है, उन्हें भी इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। ऐसी इकाईयां जिन्हें उक्त प्रतिबंध से छूट प्रदान की जा रही है।

अस्पताल से निकल कर घर जाने वाहन की तलाश करने वाले मरीज की पुलिस ने की मदद

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

अस्पताल से डायलिसीस करा कर निकला मरीज अपने घर जाने तलाश कर रहा था, सूचना के बाद आईजी ने वाहन की व्यवस्था कर उसे घर भेजा

कोरोना से बचाव के लिए पूरे देश आपदा की स्थिति बनी हुई, ऐसे में इस महामारी से बिलासपुर भी अछूता नहीं रह गया है। लेकिन इस विषम परिस्थिति में पुलिस ने जिस सूझ बूझ का परिचय दिया है उसे लम्बे समय तक लोग याद रखेंगे। पुलिस एक साथ व्यवस्था से लेकर सुरक्षा की जिम्मेदारियों को तनाव के बीच शांति के साथ अंजाम दे रही है। ऐसा एक मामला आज सामने आया। रेंज महानिरीक्षक को जब जानकारी मिली कि डायलिसिस के बाद एक मरीज तखतपुर स्थित घर जाने के लिए वाहन तलाश रहा है। लेकिन कहीं से कोई मदद नहीं मिल रही है। जानकारी मिलते ही आईजी दीपांशु काबरा ने सिविल लाइन थाने को निर्देश दिया। सिविल लाइन थाना प्रभारी ने तत्काल पुलिस के वाहन से मरीज के साथ उसकी पत्नी और बच्चों को तखतपुर के लिए रवाना किया। दोपहर में पुलिस रेंज प्रमुख दीपांशु काबरा को जानकारी मिली कि डायलिसिस के बाद एक परिवार मरीज के साथ मुंगेली नाका में घर जाने के लिए वाहन तलाश रहा है। करीब घंटे भर बाद भी उसे तखतपुर के लिए कोई वाहन की सुविधा नहीं मिल रही है। मामले की जानकारी जैसे ही दीपांशु काबरा को मिली। उन्होंने तत्काल सिविल लाइन थाना प्रभारी को पीड़ित परिवार की मदद के लिए भेजा।

मामले में थाना प्रभारी परिवेश तिवारी ने बताया कि आईजी के निर्देश पर तत्काल अमले को मुंगेली नाका भेजा गया। मरीज ने बताया कि वह डायलिसिस के बाद घर के लिए निकला। साथ में उसकी पत्नी और बच्चा भी है। साधन नहीं मिलने से वह परेशान है। थाना प्रभारी के अनुसार तत्काल सिविल लाइन थाने से एक गाड़ी की व्यवस्था कर मरीज समेत उसके परिवार के सभी सदस्यों को तखतपुर स्थित घर के लिए रवाना किया गया।

कोरोना वायरस रोकथाम के लिए सहायता एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के रोकथाम हेतु जिला स्तर पर जिला कार्यालय बिलासपुर के कक्ष क्रमांक 25 में सहायता एवं नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। जिसका टेलीफोन नंबर 07752-251000 है। स्थापित नियंत्रण कक्ष में कर्मचारी 24 घंटे कार्य करेंगे।

नियंत्रण कक्ष हेतु कर्मचारियों की ड्यूटी 31 मार्च 2020 तक लगाई गई है। प्रतिदिन सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक एम.पी.कौशिक राजस्व निरीक्षक भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 9893120779, मयंक शुक्ला राजस्व निरीक्षक भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 7000857436, अरविंद साहू राजस्व निरीक्षक भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 8817157666 नियंत्रण कक्ष में उपस्थित रहेंगे।

इसी प्रकार दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक देवेन्द्र पटेल सहायक ग्रेड-03 भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 8103506594, कृष्ण कुमार पटेल सहायक ग्रेड-03 भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 9584386668, चन्द्रषेखर कंवर सहायक ग्रेड-03 भू-अभिलेख शाखा जिला कार्यालय बिलासपुर मोबाईल नंबर 9907950601 उपस्थित रहेंगे।

पुलिस द्वारा एक अभियान सेल्फी विथ क्वारंटाइन की शुरुआत

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

कोरोना वायरस के कम्युनिटी संक्रमण को रोकने हेतु शासन प्रशासन और पुलिस के द्वारा हर संभव प्रयास किया जा रहा है। जिला पुलिस बिलासपुर के द्वारा आम जनता को अधिक से अधिक समय अपने परिवार के साथ व्यतीत करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है । बिलासपुर पुलिस की आम जनता से अपील है कि आगामी सप्ता अपने घर मे अपने परिवार के साथ समय बिताएं । इसी तारतम्य में बिलासपुर पुलिस द्वारा एक अभियान सेल्फी विथ क्वारंटाइन की शुरुवात की गई है। इसका उद्देश्य बिलासपुर की जनता के सहयोग को पहचान दिलाना है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति अपने परिवार के साथ बिताए गए समय की फोटो सेल्फी लेकर विलासपुर पुलिस के ऑफिसियल फेसबुक, इंस्टाग्राम और ट्विटर में टैग कर सेल्फी विथ क्वा रण्टाइन लिखकर अपलोड कर सकते हैं या बिलासपुर पुलिस के ऑफिसियल वाट्सअप नंबर 9479264100 पर भेज सकते हैं। दिन की बेस्ट सेल्फी को हमारे ऑफिसियल सोशल मीडिया एकाउंट पर चयन किया जाएगा तथा उचित समय पर पुरस्कृत किया जाएगा । आम जनता अपने परिवार के साथ किये गए सकारात्मक गतिविधियों को भी स्टोरी के रूप में हमसे साझा कर सकते हैं ।इस अभियान के तारतम्य में कोरोना से संबंधित क्विज प्रतियोगिता भी सोशल मीडिया एकाउंट में आयोजित की जाएगी।इस अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को अपने परिवार के साथ स्वेच्छा प्रोत्साहित करना है ताकि कोरोना वायरस के कम्युनिटी संक्रमण को रोका जा सके। इस अभियान में धिति वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा बिलासपुर पुलिस को सहयोग प्रदान किया जा रहा है।इस अभियान के तहत हमारा प्रयास है कि कोरोना के खिलाफ हमारी जंग को सार्थक और सफल बना सकें तथा लोग भी अपने परिवार के साथ गुणवत्तापूर्ण समय व्यतीत करें तथा सेल्फी के माध्यम के औरों को भी मोटीवेट करें। इस प्रकार इस अभियान के माध्यम से बिलासपुर पुलिस की आम जनता से अपील है कि ज्यादा से ज्यादा वक्त अपने घर मे अपने परिवार के साथ व्यतीत करें तथा पुलिस परिवार का मनोबल बढ़ाएं।

लॉक डाउन के कारण पटना में फंसे अभिराम

बिलासपुर। कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने और इस राष्ट्रीय जानलेवा आपदा को समाप्त करने के लिए पूरे देश में लॉक डाउन के साथ ही बस, रेल और वायु सेवा पूरी तरह ठप कर दी गई है। इसके कारण बहुत से ऐसे लोग जो अपने घरों से किन्ही कारणों से दूसरे प्रदेशों अथवा शहरो में गए हुए थे।वे वहीं फंस कर रह गए हैं। बिलासपुर शहर के दयालबंद निवासी डॉ अभिराम शर्मा भी ऐसे ही लोगों में शुमार हो गए हैं। अपनी पत्नी के साथ तीर्थ यात्रा करने निकले डॉ अभिराम शर्मा प्रयागराज बनारस, अयोध्या, व बाबा धाम होते हुए पटना पहुंचे ही थे कि, पूरे देश में कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन घोषित हो गया। पूर्व निर्धारित प्रवास कार्यक्रम के अनुसार डॉ अभिराम शर्मा को कल पटना से निकलकर आज बिलासपुर पहुंचना था। लेकिन बिहार में भी 4 दिन पहले से चल रहे लॉक डाउन और कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश में कर्फ्यू नुमा लॉक डाउन की घोषणा और ट्रेनों, बसों तथा हवाई सेवाओं पर लगी पाबंदी के कारण वे पटना में ही फंसे हुए हैं। (डॉक्टर अभिराम शर्मा का फोन 94255-40804) पटना के होटलों में भी लॉक डाउन के कारण ग्राहकों के लिए 14 अप्रैल तक की लंबी अवधि के लिए रुकने की कोई व्यवस्था संभव नहीं हो रही।

कलेक्टर ने टेक होम राशन वितरण के संबंध में ली जानकारी

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। कलेक्टर शिखा राजपूत तिवारी द्वारा भदौरा गांव में टेक होम राशन के वितरण के विषय मे जानकारी ली गई। भदौरा ग्राम में निवास करने वाली पूनम और उसके परिवार को टेक होम राशन दिया गया। कलेक्टर ने परिवार के सभी सदस्यों को हाथ धोने और व्यक्तिगत तथा सामुदायिक स्वच्छता के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। हाथ धोने के सही तरीके के संबंध में चिकित्सा विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रत्यक्ष उदाहरण देते हुए सिखाया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सूरज सिंह परिहार, अनुविभागीय दंडाधिकारी मयंक चतुर्वेदी सहित स्वास्थ्य व महिला बाल विकास विभाग के अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग बनाने के लिए ग्रामीणों को किया प्रेरित

जिले के सीमा क्षेत्र में विभिन्न गतिविधियों पर रोक

जिले की सीमाएं सील, बाहरी लोगों का आवागमन प्रतिबंधित

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

बिलासपुर जिले के सीमा क्षेत्र में कोरोना संक्रमण से बचाव एवं स्वास्थ्यगत आपातकालीन स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिये जिला दण्डाधिकारी डॉ.संजय अलंग द्वारा 31 मार्च रात 12 बजे तक संपूर्ण जिले को लॉकडाउन किया गया है। इस अवधि में विभिन्न गतिविधियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई गई है।

आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं के आवागमन को छोड़कर जिले की सभी सीमाओं को सील कर दिया गया है। किसी भी माध्यम से जिले में बाहरी लोगों के आवागमन को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया गया है। अंतर जिला बस का परिवहन भी बंद रहेगा। जिले में निवासरत नागरिकों को भी जिले की सीमा से बाहर जाने पर प्रतिबंधित किया गया है।

यदि किसी व्यक्ति को अपरिहार्य स्थिति में जिले से बाहर जाना आवष्यक हो या बाहर से जिले में प्रवेष करना आवष्यक हो तो संबंधित थाना क्षेत्र से निर्धारित फार्मेट में आवेदन जमा करने पर अनुमति दी जायेगी।

जारी आदेशानुसार जिले के सभी शासकीय, अशासकीय, अर्धषासकीय कार्यालयों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। सभी पदाधिकारी तथा कर्मी अपने घर से सरकारी कार्यों का निष्पादन करेंगे परंतु वे मुख्यालय से बाहर नहीं जायेंगे। जिले में सभी सार्वजनिक परिवहन सेवाएं जिसमें निजी बसें, टैक्सी, ऑटो रिक्षा, ई-रिक्शा आदि शामिल है, इनके प्रचलन को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। केवल इमरजेंसी मेडिकल सेवा वाले व्यक्तियों को वाहन द्वारा आवागमन की अनुमति रहेगी। आवश्यक वस्तु, सेवाओं के उत्पादन एवं उनके परिवहन करने वाले निजी वाहन को तात्कालिक आवष्यकताओं को देखते हुए छूट रहेगी।

सभी दुकानें, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय, कारखानें, गोदाम, साप्ताहिक हॉट बाजार आदि बंद रहेंगी। जिले में स्थित औद्योगिक/व्यापारिक संस्थान जो दवाईयों के उत्पादन एवं निर्माण से संबंधित हैं तथा खाद्य एवं खाद्य से संबंधित पदार्थों, डेयरी यूनिट आदि से संबंधित हैं, उन्हें इस प्रतिबंध से छूट रहेगी। जिन संस्थानों को छूट प्रदान की गई है, वे न्यूनतम अनिवार्य आवष्यकता तक ही कर्मचारी, अधिकारियों का उपयोग करेंगे। इन इकाईयों के प्रबंधन द्वारा कर्मचारियों के सामूहिक आवागमन हेतु वाहन व्यवस्था किसी भी स्थिति में उपलब्ध नहीं कराई जाएगी।

सभी प्रकार के निर्माण एवं श्रम कार्य (मनरेगा को छोड़कर) तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेंगे। सभी धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल आम जनता के लिये पूर्णतः बंद रहेंगे। विदेश से एवं अन्य राज्यों से आये हुए नागरिक जो होम क्वेरेंटाईन में रखे गए हैं उन्हें यह निर्देश दिया गया है कि वे स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा निर्धारित क्वेरेंटाईन की अवधि का कड़ाई से पालन करेंगे। इसमें किसी भी प्रकार की चूक होने पर उनके विरूद्ध भारतीय दण्ड संहिता 1860 की धारा 188 के तहत कार्यवाही की जाएगी। जिसके लिये वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

जिला दण्डाधिकारी द्वारा सभी नागरिकों को अपने घर मे ही रहने कहा गया है तथा बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये बाहर जाते है तो सामाजिक दूरी के दिशा-निर्देशों का अनुपालन करेंगे। किसी भी स्थिति में एक से अधिक व्यक्तियों (इसमें ड्राईवर भी शामिल है) को घर से बाहर जाने से प्रतिबंधित किया गया है। घर से बाहर जाने की स्थिति में प्रत्येक व्यक्ति को अनिवार्यतः अपना वैध पहचान पत्र साथ में रखना होगा। आवश्यक सेवाएं प्रदान करने वाले कार्यालय, प्रतिष्ठान को इन प्रतिबंधों से बाहर रखा गया है।

उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ अन्य न्यायालय, आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, उप पुलिस अधीक्षक (षहर एवं ग्रामीण), कोषालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय एवं उनके अधीनस्थ सभी कार्यालय, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, तहसील,

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करने के निर्देश

मास्क उपयोग के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करने कलेक्टर ने की अपील

पायनियर संवाददाता < गौरेला-पेंड्रा-मरवाही
www.dailypioneer.com

कलेक्टर शिखा राजपूत तिवारी ने जिले के निवासियों को मास्क उपयोग के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धांतों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नोवल कोरोना वायरस संक्रमण ने महामारी का रूप ले लिया है और विश्व के अनेक देश प्रभावित हैं। इस विषाणु के संक्रमण से सामान्य बुखार एवं खांसी जैसे सामान्य लक्षण होते हैं और कुछ लोगों में यह गंभीर बीमारी का स्वरूप लेता है।

यह बीमारी कोविड-19 संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से उत्पन्न छींटों के द्वारा फैलती है, जो निकट संपर्क (1 मीटर दूरी से कम के) वाले व्यक्ति को ही संक्रमित करते हैं।

कलेक्टर ने कहा कि आम जन द्वारा मास्क के उपयोग के संबंध में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मार्गदर्शी सिद्धान्त निर्धारित किये गए हैं। उन्होंने कहा कि लक्षण रहित लोगों को मास्क के प्रयोग की आवश्यकता नहीं है। ऐसे व्यक्ति जिनमें खांसी, बुखार के कोई लक्षण नहीं है, उन्हें मास्क उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है। स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा मास्क का उपयोग करने से उन्हें स्वास्थ्य लाभ के कोई वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिये मास्क की अपेक्षा साबुन से बार-बार हाथ धोएं। अल्कोहल युक्त 70 प्रतिशत सेनिटाईजर का उपयोग भी किया जा सकता है। खांसते या छींकते समय नाक व मुंह को टिज्यू पेपर या रूमाल से ढंक लें। नाक, मुंह, आंख या चेहरे को छूने से बचें। भी? वाले स्थानों में जाने से बचें। खांसने या छींकने वाले व्यक्ति से 1 मीटर की दूरी बनाएं रखें। अपने शरीर के तापमान की जांच नियमित रूप से करते रहें। सर्दी खांसी बुखार के लक्षण उत्पन्न होने पर चिकित्सक की सलाह लें।

आम जन मास्क का उपयोग तभी करें जब उन्हें खांसी या बुखार के लक्षण हों, जब किसी अस्पताल में जायें, जब किसी मरीज की देखभाल करनी हो, किसी संभावित या पॉजिटिव मरीज (जिनका घर में उपचार चल रहा हो) के निकट संपर्क में आने वाले परिवार के लोग हो। एक मास्क यदि सही तरीके से पहना जाता है तो अधिकतम 8 घंटों तक प्रभावी रहेगा। इस बीच मास्क यदि गीला हो जाये तो तत्काल बदल लें।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार मास्क के उपयोग की सही विधि का अनुसरण करें।

मास्क की तह खोलें और सुनिश्चित करें कि उनकी दिशा नीचे की ओर हो। मास्क को नाक, मुंह एवं ठुड्डी पर सही तरीके से रखें। मास्क के नोज पीस को नोज ब्रिज पर सही तरीके से फिट करें। मास्क की डोर को बांध कर मास्क अच्छे से फिक्स कर लें ।मास्क की उपरी डोर को सर पर कान के ऊपर पीछे की तरफ एवं निचली डोर को गले के पीछे बांधें। सुनिश्चित करें कि बंधे मास्क में किसी भी तरफ से कोई गैप न हो। प्रयोग करते समय मास्क को बार-बार छूने से बचें। मास्क को गर्दन से लटकने न दें।

डिस्पोजेबल मास्क को दोबारा बिल्कुल प्रयोग न करें और उपयोग के बाद तत्काल डिस्पोज कर दें। मास्क उतारते समय सावधानी बरतें और संभावित रूप से संक्रमित मास्क के बाहरी हिस्से को बिल्कुल न छुएं। मास्क को उतारते समय पहले निचली डोर को खोले उसके पश्चात कान के ऊपर वाली डोर को खोलें।

उपयोग किये गये मास्क को सामान्य ब्लीचिंग पावडर के 5 प्रतिशत घोल या 1 प्रतिशत हाइपोक्लोराइट घोल से अच्छे तरह से डिसइन्फेक्ट करने के बाद मास्क को जला कर या गहरे गड्ढे में मिट्टी से दबा कर डिस्पोज करें।

गुजरात मे फंसे 150 मजदूरों को उचित व्यवस्था करने के विधायक ने भट्टा संचालक को दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता < बिलासपुर
www.dailypioneer.com

बिल्हा क्षेत्र के 150 मजदूर गुजरात मे फंसे,विधायक धरमलाल कौशिक ने भट्टा संचालक से बात कर मजदूरों की उचित ब्यवस्था करने के निर्देश दिये हैं। बिल्हा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कया, बुंदेला और छतौना के 150 मजदूर गुजरात के आनंद जिले के ग्राम नगरी मलातज में फंसे हुए है और वापसी की गुहार अपने क्षेत्र के विधायक धरमलाल कौशिक से फोन कर आज सुबह लगाई है। जिस पर विधायक ने ततपरता दिखाते हुए फंसे मजदूरों की बेहतरी के लिए ईंट भट्ठा के संचालक अशोक प्रजापति से फोन पर बात कर उनके खाने पीने की ब्यवस्था करने निर्देश दिया है मजदूरों को किसी प्रकार तकलीफ नहो इसकी हिदायत भी दी है। उक्ताशय की जानकारी स्वयं धरमलाल कौशिक ने अमित मिश्रा को मोबाइल कर पर दी । आज सुबह गुजरात से मजदूरो के सरदार ग्राम कया निवासी अनुज लोनिया ने मोबाइल से सम्पर्क कर फंसे मजदूरों के बारे में अवगत कराई तब इस पर प्रतिपक्ष के नेता धरमलाल कौशिक से उनकी बात कराई,

कौशिक ने ततपरता दिखाते हुए उनकी यथासम्भव वापसी के कार्य मे जुट गए है। लेकिन चूंकि बस ट्रेन बंद होने के चलते सम्भवना कम है,कौशिक ने बताया कि प्रधानमंत्री ने जनता से अपील किया है कि जो जहां है वहीं रहे, इसी को देखते हुए उनकी उचित ब्यवस्था करने को कहा है और उनसे लगातार संपर्क में रहने की बात की है। मजदूर अनुज ने विधायक धरमलाल कौशिक को बताया गुजरात के आनंद स्टेशन से 11 कि. मी. दूर ग्राम नगरी मलातज के बी.के. नामक ईटा भट्टा में बिल्हा क्षेत्र के ग्राम कया, बुंदेला और हाईकोर्ट के पीछे ग्राम छतौना के लगभग 150 मजदूर फंसे हुए है।

कोरोना संक्रमण को रोकने में जनता का मिल रहा अभूतपूर्व सहयोग : मुख्यमंत्री

21 दिनों के लॉकडाउन की अवधि में घरों में रहें इसी में सबकी सुरक्षा

- गरीब परिवारों को दो माह का राशन मुफ्त में जल्द मिलेगा
- मुख्यमंत्री ने दी हिन्दू नववर्ष, गुड़ी पड़वा और चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

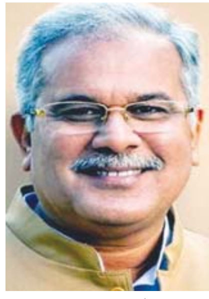

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए प्रदेश की जनता का अभूतपूर्व सहयोग मिल रहा है, इसकी पूरे देश में सराहना हो रही है। हिन्दू नव वर्ष, चैत्र नवरात्रि और गुड़ी पड़वा की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री आज प्रदेश की जनता को संबोधित करते हुए अपने संदेश में कहा कि बहुत से भाई-बहन उपवास रखते हैं। उपवास का अर्थ होता है, अपने ईष्ट के समीप रहना। नौ दिन आप अपने ईष्ट के समीप रहेंगे। भारत सरकार और राज्य सरकार ने 21 दिन का लॉकडाउन किया है। आप सभी को इस दौरान अपने-अपने घरों में रहना है। अपने ईष्ट के समीप रहना है। अपने परिवार के साथ रहना है, इसी में हम सबकी सुरक्षा है। राज्य में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं हैं। सरकार का पूरा तंत्र जनता के साथ है तथा स्वास्थ्य और भोजन के साथ ही जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था में लगा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से गांवों से साथी लोग फोन करके बता रहे हैं कि हम लोग अपने गांवों में बाहर से जो लोग आ रहे हैं उन्हें बिना मेडिकल चेकअप के गांव के भीतर नहीं आने देंगे। यही सही मायने में कर्फ्यू का अर्थ है। यह कानून व्यवस्था की स्थिति नहीं है बल्कि ये आम जनता की सुरक्षा का मामला है। यही हम चाह रहे हैं कि लोग अपने अपने गांवों-शहरों और मोहल्लों में सुरक्षा करें। किसी भी व्यक्ति को घर से बाहर नहीं जानें दें और कोई भी बाहरी व्यक्ति आते हैं तो उनकी जांच किए बिना घर में नहीं आने देना है। ये आप लोगों को 21 दिनों तक करना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि गरीब परिवारों को राज्य सरकार दो माह का राशन मुफ्त में देने का फैसला किया है। बहुत जल्दी यह सुविधा लोगों को मिलेगी। कुछ साथी लोग जिनके पास खाने की व्यवस्था नहीं है, रहने की व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में सभी कलेक्टरों को निर्देशित किया गया है कि इन लोगों के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक संगठनों से जिनके पास भोजन पकाने की व्यवस्था है। जरूरतमंदों के लिए भोजन के पैकेट उपलब्ध कराने अपील की है। उन्होंने कहा है कि लंगर लगाकर खिलाने का काम नहीं करना है बल्कि पैकेट बनाकर कलेक्टर के माध्यम से सूचना देकर जरूरतमंदों तक पहुंचाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि जो लोग घर में हैं उनके लिए खाने-पीने के सामान की बहुत सारी कमी हो जाती है। जो रोज कमाते खाते हैं उनके सामने यह स्थिति ज्यादा निर्मित होती है। इस सबंध में कलेक्टरों को निर्देश दिया गया है कि जैसे ही जानकारी मिले या फोन के माध्यम से सूचना मिले वहां तहसीलदारों, नगर निगम और नगर पालिका के अधिकारियों के माध्यम से उनकी आवश्यकता की पूर्ति की जाए। जो भी जरूरतमंद हैं उनकी आवश्यकता की पूर्ति हो। इस बात का विशेष ध्यान रखना है। कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। हमारे राज्य में किसी प्रकार की कमी नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता ने जो सहयोग अभी तक दिया है। पूरे देश भर में उसकी सराहना हो रही है। यह सब यहां की जनता के सहयोग से हो रहा है। पूरा प्रशासन जनता की सेवा में लगा है। चौबीस घंटा और सातों दिन अधिकारियों को काम करना है। इसके अलावा डॉक्टर और उनके स्टाफ के लोग भी सेवा में लगे हुए हैं। पूरा तंत्र जनता के स्वास्थ्य और भोजन तथा अन्य जरूरी व्यवस्था में लगा हुआ है। इन कार्यों में सभी लोगों का सहयोग बहुत जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक दो स्थानों से खबर मिली हैं कि कुछ लोग दूसरे प्रदेशों में यात्रा करने गए थे और वे लोग वहां फंस गए हैं। उनके परिवारजनों और जनप्रतिनिधियों से मैं निवेदन करता हूं कि वे जो लोग जहां हैं वहीं रहें। वहां के सरकार से हम सम्पर्क कर लेंगे। आवश्यकता पड़ने पर यदि उनके पास राशि नहीं है तब परिवार जनों के माध्यम से या उनके खातों में रहने और खाने पीने की व्यवस्था की जाएगी।

हमारी जरा सी लापरवाही संकट खड़ा कर सकती है : डॉ. रमन

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा घोषित सम्पूर्ण लॉकडाऊन इस बात को रेखांकित करती है कि इस महामारी को लेकर हमारी जरा सी लापरवाही और गलत सोच एक भयावह संकट खड़ा कर सकती है और तब इस महामारी की भयावहता का अनुमान लगाना भी कठिन हो जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस बात का पूरा अनुमान है कि 21 दिनों के इस सम्पूर्ण लॉकडाऊन के चलते अन्य दिक्क तों के साथ-साथ देश को बड़ी आर्थिक कीमत भी चुकानी पड़ेगी, लेकिन भारतीय जनजीवन की सुरक्षा को देखते हुए प्रधानमंत्री का यह कदम बेहद संवेदनशील है। प्रधानमंत्री ने इस बीमारी के प्रसार की प्रकृति की चर्चा करते हुए हमें सावधान किया है कि तीन सप्ताह के इस लॉकडाऊन में हमने जरा भी बूल की तो देश 21 साल पीछे चला जाएगा। डॉ. सिंह ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान को पूरी गम्भीरता से लेने की अपील छत्तीसगढ़वासियों से की है।

पीएम की बात को सभी गंभीरता से लेवें : उसेंडी

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश इकाई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेशवासियों से कोरोना वायरस सं मण की चुनौती से निपटने के लिये की गई अपील को गंभीरता से लेने का विश्वास दिलाया है। भाजपा ने कहा है कि कोरोना सं मण के प्रसार को रोकने के लिये प्रदेशवासी 21 दिनों के सम्पूर्ण लॉकडाऊन का पूरे संयम, संकल्प, साहस, धैर्य और अनुशासन के साथ पालन करेंगे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेण्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की कोरोना संक्रमण की बढ़ती चुनौती पर चिन्ता एक प्रधानमंत्री के नाते कम, हर एक परिवार के अभिभावक के रूप में ज्यादा है। दो माह से इस वैश्विक महामारी से मुकाबला करने के बाद अबतक निकले निष्कर्षों का सार यही है कि सामाजिक अलगाव (सोशल डिस्टेंसिंग) ही इस बीमारी से हम सबको सुरक्षित कर सकता है और यह अभियान संक्रमण के चक्र को बाधित करने का रामबाण उपाय है। श्री उसेण्डी ने उम्मीद जताई कि प्रदेशवासी प्रधानमंत्री श्री मोदी के भावपूर्ण आह्वान को पूरी गंभीरता से लेकर 21 दिनों के इस सम्पूर्ण लॉकडाऊन का पालन करते हुए कोरोना महामारी को परास्त करने में अपनी भूमिका का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

संयम और अनुशासन के साथ व्यवहार करें : नेताम

भाजपा अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राम विचार नेताम ने कहा कि कोरोना संक्रमण की वैश्विक महामारी को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिन्ता अकारण ही नहीं है। विश्व के कई देशों में तमाम संसाधनों और तकनीकों के बावजूद इस महामारी ने अपना प्रकोप दिखाया है और हजारों-हजार लोगों की मौत हो गई है। ऐसी स्थिति में केवल परस्पर दूरी बनाए रखकर ही इस बीमारी के संक्रमण चक्र को खत्म किया जा सकता है और यही एकमात्र उपाय हमारे लिये यह दिशा तय करेगा कि हम इस बीमारी से जल्द से जल्द भारत को मुक्त करें। श्रीनेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की अपील को ध्यान में रखकर हम सब संयम और अनुशासन के साथ व्यवहार करें। हम इस बीमारी से लोगों की रक्षा करने में जुटे लोगों के लिये भी प्रार्थना करें और अपने समाज के निर्धन लोगों के स्वास्थ्य की चिन्ता भी प्राथमिकता से करें और इस कार्य के लिये निजी क्षेत्र के लोगों को सहायता के लिये आगे आना चाहिए। इस बीमारी को लेकर अफवाहों से बचने की अपील भी की है।

मंत्री भगत ने लॉक डाउन एवं कोरोना प्रभाव को देखते हुए भारत सरकार से आर्थिक सहायता की अपील की

- केंद्रीयमंत्री पासवान को पत्र लिखकर वस्तु स्थिति से अवगत कराया

पायनियर संवाददाता ◄ रायपुर
www.dailypioneer.com

विश्व भर में संक्रामक वायरस कोविड 19 का प्रकोप है, विशेषकर चीन के बाद इटली, अमेरिका, स्पेन जैसे विकसित देश में यह वायरस कहर ढा रहा है। इसके सामुदायिक प्रसार को रोकने के लिये पहले छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 31 तक लॉक डाउन घोषित किया था। उसके बाद अब प्रधानमंत्री जी ने 21 दिन का देश व्यापी लॉक डाउन घोषित कर दिया। असर खाद्य व अन्य ज़रूरी वस्तुओं पर लॉक डाउन के संभावित असर को देखते हुए छत्तीसगढ़ के खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री ने केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता की अपील की है। जिसका उपयोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा खाद्य पदार्थों की आपूर्ति हेतु किया जायेगा। खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्री अमरजीत भगत ने केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान को पत्र लिखकर वस्तु स्थिति से अवगत कराया। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा खाद्य व पोषण सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत राशनकार्ड धारियों को तीन महीने के अग्रिम चावल वितरण हेतु राज्य सरकार को 2021 करोड़ रुपये सब्सिडी की ज़रूरत पड़ेगी। इसी प्रकार राशनकार्डधारियों को निःशुल्क नमक वितरण हेतु 22.36 करोड़ रूपये तथा एक किलो शक्कर प्रति हितग्राही के हिसाब से वितरण हेतु 63 करोड़ रूपये सब्सिडी की ज़रूरत पड़ेगी। इसके अलावा उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों के लिए रसोई गैस सिलेंडर की रीफिलिंग हेतु भी खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने पेट्रोलियम मंत्रालय से प्रति सिलेंडर 200 रूपए सब्सिडी की मांग की है।

उपरोक्तानुसार जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत ने भारत सरकार से सहयोग की अपील की है। कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिये ज़रूरी है कि लोग घर में रहें, एक दूसरे के संपर्क में न आयें ताकि वायरस फैलकर तबाही न मचाए। ऐसी स्थिति में ज़रूरतमंदों को पर्याप्त राशन वितरण हेतु छत्तीसगढ़ सरकार ने दो महीने का राशन एडवांस में वितरित कर रही है। साथ ही अनुसूचित क्षेत्रों में मिट्टी का तेल वितरित किया जाएगा, क्योंकि इन क्षेत्रों में मिट्टी का तेल भोजन पकाने के लिए प्रमुख ईंधन है।

कोरोना की पहचान और रोकथाम के लिए प्रदेश में एक्टिव सर्विलॉस

रायपुर। सामुदायिक स्तर पर कोविड-19 का प्रसार रोकने स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश भर में एक्टिव सर्विलॉस की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम विदेश प्रवास से लौटने के बाद होम-क्वारेंटाइन में रह रहे लोगों के घरों के आसपास के क्षेत्रों में सर्वे कर लोगों से जानकारियां जुटाएगी। इससे शुरूआती दौर में ही बीमारी की पहचान कर इलाज और आइसोलेशन सुनिश्चित किया जा सकेगा। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक नीरज बंसोड़ ने आज वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए सभी जिलों के जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और स्वास्थ्य अधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं के संचालक नीरज बंसोड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेसिंग में बताया कि होम-क्वारेंटाइन में रह रहे विदेश प्रवास से लौटे सभी व्यक्ति यों के आसपास के 50 घरों में स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों की टीम बनाकर सर्वे कराया जाएगा।

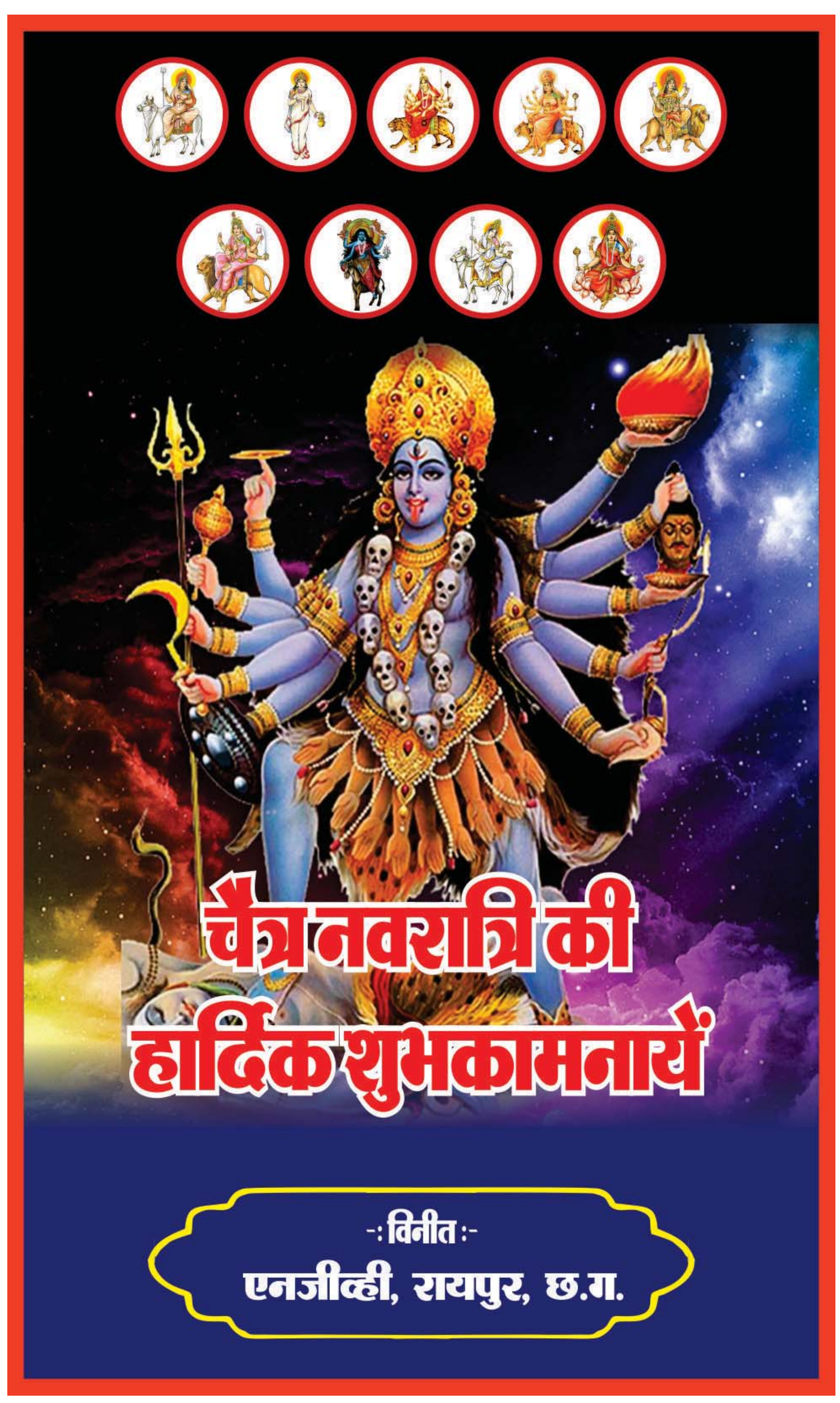

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा दबंग दुनिया पब्लिकेशन्स प्रा.लि. पानी टंकी के पास मोवा रोड, दलदल सिवनी, दुबे कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़ पिन-492001 से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित
संपादक-मोहन राव* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, प्रबंध संपादक-ए.एन. द्विवेदी, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2018-20, दूरभाष नंबर 0771, 2972403